@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 9 अगस्त 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 270 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

मिथिलांचल की संस्कृति पूरे भारतीय संस्कृति का अनन्य गहना है : गृह मंत्री अमित शाह

'मां जानकी की जन्मस्थली पर जो यह भव्य मंदिर बनने जा रहा है, यह केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि मिथिलांचल के भाग्योदय की शुरुआत है।'

● लोग घुसपैठियों को वोट बैंक समझते हैं। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि इस साल बिहार में होने वाले चुनाव में भी एनडीए विजयी होगी।

एजेंसी

सीतामढ़ी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज सीतामढ़ी में मां जानकी की जन्मस्थली पुनौरा धाम मंदिर के भूमि पूजन के बाद इस कार्यक्रम में आए लोगों को संबोधित करते हुए मिथिलांचल की संस्कृति की तारीफ करते हुए कहा कि सही अर्थों में मिथिलांचल की संस्कृति पूरे भारतीय संस्कृति का अनन्य गहना है। इस दौरान उन्होंने विपक्ष को निशाने पर लिया और एनडीए सरकार के किए गए विकास कार्यों की तारीफ की। उन्होंने आज के दिन को देश और दुनिया के लिए शुभ बताते हुए कहा कि माता सीता ने एक ही जीवन में आदर्श पत्नी, आदर्श बेटी, आदर्श मां और आदर्श राजमाता के स्वरूपों को चरितार्थ किया है। आज माता जानकी का जहां जन्म हुआ, उस पुनौरा धाम मंदिर के परिसर का समग्र विकास होने की नींव डालने का काम हुआ है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि मां जानकी की जन्मस्थली पर जो यह भव्य मंदिर बनने जा रहा है, यह केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि मिथिलांचल के भाग्योदय की शुरुआत है। उन्होंने मिथिलांचल की संस्कृति के साथ यहां की कला की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक मंच पर मिथिला की कला को हमेशा

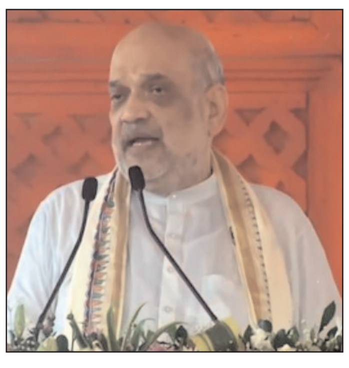

आगे बढ़ाने का काम किया। उन्होंने अर्जेंटीना की उपराष्ट्रपति को मधुबनी पेंटिंग भेंट की और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति को भी मिथिलांचल की कला का नमूना देकर विदेश में मिथिला की कला का गौरव बढ़ाया है उन्होंने कहा कि मिथिला, वाल्मीकि रामायण से लेकर महाभारत और बौद्ध तथा जैन साहित्य तक, हमारी संस्कृति का केंद्र रहा है। धर्मशास्त्र, साहित्य, संगीत, भाषा और तंत्रज्ञान का यह एक बहुत बड़ा केंद्र रहा है। मिथिलांचल, जहां राजा जनक हुए, जहां याज्ञवल्क्य और मैत्रेयी हुए, जहां शंकराचार्य और मंडन मिश्र ने शास्त्रार्थ को चरम सीमा पर पहुंचाया, जहां मुनि अष्टावक्र ने अष्टावक्र गीता का ज्ञान दिया, उसे फिर से विद्या का धाम और संस्कृति का केंद्र बनाने की शुरुआत आज यहां से होगी। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर भी जोरदार हमला बोला। उन्होंने राजद नेता तेजस्वी यादव को निशाने पर लेते हुए कहा कि आपके माता-पिता की सरकार ने गुंडई करने के अलावा, गैंग चलाने के अलावा, अपहरण-फिरौती के अलावा मिथिलांचल के विकास के लिए क्या किया? आप इसका हिसाब दीजिए।

उन्होंने एनडीए सरकार में किए गए कार्यों की गिनती कराते हुए कहा कि हमने पीएम मोदी की तरफ से विकास का सारा हिसाब दे दिया। मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर भी उन्होंने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव दोनों पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव बिहार में एसआईआर का विरोध कर क्या जताना चाहते हैं? इनको बिहार विधानसभा चुनाव में अपनी हार का अहसास हो गया है, इसलिए ये तमाम बहाने कर रहे हैं।

बादल का फटना है उत्तरकाशी में अचानक आयी बाढ़ का कारण : इसरो

एजेंसी

चेन्नई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने कहा है कि उत्तराखंड के उत्तरकाशी में मंगलवार को अचानक आयी बाढ़ का कारण कोई हिमनद विस्फोट नहीं बल्कि बादल फटना है। इसरो ने बताया कि पृथ्वी अवलोकन और अंतरिक्ष डेटा विश्लेषण कंपनी सुहोरा टेक्नोलॉजीज ने अचानक आयी बाढ़ के लिए किसी भी हिमनद विस्फोट को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है।

सुहोरा टेक्नोलॉजीज ने उपग्रह से ली गई तस्वीरों और डेटा विश्लेषण के बाद अपने निष्कर्ष में कहा कि यह बाढ़ बादल फटने के कारण आयी है। उपग्रह चित्रों के माध्यम से प्राप्त तस्वीरों में बाढ़ के कारण धराली गांव में तलछट और पंखे की आकृति वाले मलबे का जमाव, इमारतों का पूरी तरह से गायब होना/पूर्ण/आंशिक विनाश और अन्य क्षति देखी गयी है। इसरो ने कहा कि इस घटना के कारणों का पता लगाने के लिए वैज्ञानिक विश्लेषण किया जा रहा है। एजेंसी ने बताया कि देश के कार्टोसैट-2एस उपग्रह के अति उच्च-रिज़ॉल्यूशन वाले उपग्रह चित्रों का उपयोग करके राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (एनआरएससी) के साथ मिलकर बाढ़ से हुए नुकसान का त्वरित आकलन किया गया। घटना के पहले और बाद के उपग्रह चित्रों के तुलनात्मक विश्लेषण से विनाश की सीमा और गंभीरता का पता चला गया है। इसरो ने बताया कि खीर गाड़ और भागीरथी नदी के संगम पर, धराली गांव में लगभग 20 हेक्टेयर क्षेत्र में तलछट और विशाल मलबे का जमाव देखा गया।

पूर्व सरकार के पास 5200 करोड़ की राशि थी: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

कौमी पत्रिका
नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 8 अगस्त। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कल विधानसभा में कहा कि दिल्ली की पूर्व सरकार ने अपने कार्यकाल में श्रमिकों के हितों में बड़ी घोषणाएं की लेकिन उन पर अमल नहीं किया। पूर्व सरकार के पास श्रमिक फंड में 5200 करोड़ रुपये की राशि बिना उपयोग के पड़ी रही, जबकि श्रमिक सहायता की प्रतीक्षा करते रहे। पूर्व सरकार की श्रमिक विरोधी मानसिकता का यह हाल था कि वह श्रमिकों के पंजीकरण के लिए 25 रुपये और नवीनीकरण के लिए 20 रुपये वसूलती रही, जबकि केंद्र सरकार यह सेवा पूर्णतः निःशुल्क देती है। इस अतिरिक्त शुल्क के चलते श्रमिकों का वार्षिक डाटा केवल 7 प्रतिशत ही नवीनीकरण हो सका, जबकि केंद्र का डाटा 100 प्रतिशत रिन्यू होता है दिल्ली विधानसभा में आज भवन व अन्य सन्निर्माण श्रमिकों के कल्याण पर 31 मार्च 2023 को समाप्त हुए वर्ष के लिए भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) का प्रतिवेदन पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने पिछली आप सरकार के श्रम विरोधी कार्यकलापों का कच्चा चिट्ठा पेश किया और कहा कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय को तब हस्तक्षेप करना पड़ा, जब दिल्ली सरकार के पास श्रमिकों के कल्याण के लिए हजारों करोड़ रुपये की राशि होते हुए भी उसे खर्च नहीं किया गया। माननीय न्यायालय ने दिल्ली सरकार को फटकार लगाते हुए यह स्पष्ट कहा था कि यदि सरकार के पास मजदूरों को 8000 रुपये की सहायता देने का प्रावधान था, तो केवल 2000 रुपये क्यों दिए गए? शेष 6000 रुपये की राशि किस कारण नहीं दी गई? मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिन योजनाओं का लाभ दिल्ली के लाखों श्रमिकों को मिलना चाहिए था, वह उनके अधिकार के होते हुए भी नहीं मिल पाया। 5200 करोड़ रुपये की राशि श्रमिक फंड में बिना उपयोग के पड़ी रही, जबकि श्रमिक

सहायता की प्रतीक्षा करते रहे। सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप करते हुए तत्कालीन सरकार को 90,000 श्रमिकों के खातों में 8000 रुपये की राशि डालने का आदेश देना पड़ा। मुख्यमंत्री ने रिपोर्ट के तथ्यों के हवाले से बताया कि पूर्व सरकार द्वारा प्रसूतियों, दिव्यांगता, औज़ारों की खरीद, आवास सहायता, पारिवारिक पेंशन, दुर्घटना मुआवजा, और कौशल प्रशिक्षण जैसी योजनाओं के लिए आवंटित निधि को वर्षों तक या तो खर्च नहीं किया गया या नगण्य उपयोग हुआ। उदाहरण के लिए, टूल सहायता योजना के अंतर्गत 2018 से 2024 तक किसी भी वर्ष एक भी श्रमिक को 20,000 रुपये की सहायता नहीं दी गई, जबकि यह राशि श्रमिक की आत्मनिर्भरता के लिए महत्वपूर्ण होती। इसी प्रकार, परमानेंट डिसेबिलिटी योजना के अंतर्गत एक लाख रुपये की सहायता भी कई वर्षों तक शून्य रही। मेडिकल असिस्टेंस के आंकड़े भी चौंकाने वाले हैं, जैसे वर्ष 2018, 2019, 2022 और 2024 में किसी भी श्रमिक को इसका लाभ नहीं दिया गया। कोचिंग सहायता, स्किल ट्रेनिंग, यात्रा पास और महिला श्रमिकों को गर्भपात जैसी स्थितियों में सहायता जैसी योजनाएं भी नाममात्र पर ही चलती रहीं।

शेष पृष्ठ 3 पर

हम जिएंगे स्वदेशी के लिए और मरेंगे देश के लिए : सीएम योगी

▸▸ सीएम ने वर्तमान पीढ़ी से राष्ट्रभक्ति और स्वदेशी अपनाने का आह्वान किया।

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह के समापन पर देश की स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने वाले क्रांतिकारियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए वर्तमान पीढ़ी से राष्ट्रभक्ति और स्वदेशी अपनाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि स्वदेशी हमारे जीवन का ध्येय बने, स्वदेशी हमारे जीवन का मंत्र बने, हम जिएंगे स्वदेशी के लिए, हम मरेंगे अपने देश के लिए। अपनी राष्ट्रभक्ति की इस पराकाष्ठा के साथ जब भारत आगे बढ़ेगा तो दुनिया की कोई ताकत भारत का बाल भी बांका नहीं कर पाएगी। आजादी का यह संदेश हम सबको इस उद्देश्य के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि 9 अगस्त 1925 को काकोरी में जिन महान क्रांतिकारियों ने ब्रिटिश हुकूमत के खजाने पर कब्जा कर उस धन को आजादी की लड़ाई में लगाया था, उन्होंने राष्ट्रभक्ति की जो ज्वाला जलाई, उसका ही परिणाम है कि 1947 में देश आजाद हुआ। उन्होंने याद दिलाया कि उस ट्रेन एक्शन में सिर्फ 4,600 रुपए लूटे गए थे, लेकिन ब्रिटिश हुकूमत ने उन्हें पकड़ने में 10 लाख रुपए से ज्यादा खर्च किए। उन क्रांतिकारियों (पंडित राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खां, ठाकुर रोशन सिंह, राजेंद्रनाथ लाहिड़ी और अन्य को बिना सुनवाई के फांसी दी गई। चंद्रशेखर आजाद ब्रिटिश हुकूमत के हाथ नहीं लगे, बल्कि वो स्वयं मुकाबला करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए। आज यह शताब्दी महोत्सव उन महान क्रांतिकारियों के स्मरण का महान दिवस है।

मोदी को प्रधानमंत्री पद पर बने रहने का नैतिक अधिकार नहीं: सिद्दारमैया

▸▸ संविधान के तहत चुनाव आयोग को क़ानूनी तौर पर काम करना चाहिए

एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने शुक्रवार को कहा कि लोकसभा चुनावों के दौरान कथित तौर पर मतदान में बड़े पैमाने पर हुयी धोखाधड़ी के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है और उन्हें तत्काल इस्तीफा दे देना चाहिए। श्री सिद्दारमैया ने कथित चुनावी गड़बड़ियों के खिलाफ कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में यहां फ्रीडम पार्क में आयोजित एक विशाल विरोध रैली को संबोधित करते हुए चुनाव आयोग पर 'भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शाखा कार्यालय' की तरह काम करने का आरोप

लगाया। उन्होंने कहा कि कर्नाटक से शुरू हुआ वोट चोरी विरोधी आंदोलन जल्द ही पूरे देश में फैल जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री गांधी ने मतदान के आंकड़ों का गहन अध्ययन और विश्लेषण करने के बाद, दस्तावेज़ी सबूतों के साथ जनता के सामने तथ्य रखे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान के तहत चुनाव आयोग को क़ानूनी तौर पर काम करना चाहिए और कोई भी लोगों के वोट देने के मौलिक अधिकार को नहीं छीन सकता। उन्होंने कहा, 'देश की जनता इसकी इजाज़त नहीं देगी।' उन्होंने कुछ ताक़तों को 'मनुवादी' और 'संविधान-विरोधी' बताते हुए आरोप लगाया कि वे लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को तहस-नहस कर रहे हैं।

शिकायतकर्ताओं को बार-बार दफ्तर न आना पड़े, सुनिश्चित करें अधिकारी: मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

● *मुख्यमंत्री सैनी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उपायुक्तों के साथ बैठक की।*

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सभी जिला उपायुक्तों को निर्देश दिए हैं कि वे 'समाधान शिविरों' में आने वाली हर जन शिकायत को पूरी गंभीरता से लें और उनका तुरंत समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को लंबित शिकायतों, खासकर पुराने मामलों पर

विशेष ध्यान देने को कहा है ताकि लोगों को प्रशासन पर भरोसा हो सके।

मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उपायुक्तों के साथ बैठक की, जिसमें उन्होंने जन शिकायतों के निवारण की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कुछ जिलों में लंबित शिकायतों की संख्या पर नाराजगी जताई और अधिकारियों को इसे शून्य करने का निर्देश दिया।

● शिकायतों के दोहराव पर होगी जवाबदेही:

सैनी ने साफ किया कि 'समाधान शिविर' का उद्देश्य एक ही मंच पर लोगों की समस्याओं को हल करना है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसी नागरिक को एक ही मुद्दे को लेकर बार-बार शिविर में आना पड़ता है, तो संबंधित अधिकारी इसके लिए जवाबदेह होगा। उन्होंने उपायुक्तों से सभी अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि लोग बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाएं।

● पुलिस शिकायतों का भी हो समयबद्ध समाधान:

मुख्यमंत्री ने पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों पर भी जोर दिया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध, निष्पक्ष और संतोषजनक समाधान करें, ताकि आम जनता का पुलिस व्यवस्था पर विश्वास बढ़े।

उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि समाधान शिविरों के दौरान सभी विभागों के वरिष्ठ अधिकारी अनिवार्य रूप से मौजूद रहें, जिससे शिकायतों का मौके पर ही प्रभावी ढंग से निपटारा किया जा सके। इस अवसर पर मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का नया आरोप-

वेबसाइट बंद कर सबूत मिटा रहा चुनाव आयोग

एजेंसी

बेंगलुरु। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर नए आरोप लगाए हैं। बेंगलुरु में आयोजित

कांग्रेस की 'वोट अधिकार रैली' में राहुल गांधी ने नया दावा करते हुए कहा कि जब देश की जनता हमारे डेटा को लेकर सवाल पूछ रही है तो चुनाव आयोग ने वेबसाइट ही बंद कर दी है। रैली में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा,'चुनाव आयोग ने बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान में अपनी वेबसाइट बंद की है। चुनाव आयोग जानता है कि जनता उनसे सवाल पूछने लगी तो उनका पूरा ढांचा ढह जाएगा।'

'शपथ पत्र' वाले नोटिस पर राहुल गांधी ने जवाब देते हुए कहा कि चुनाव आयोग मुझसे हलफनामा मांगता है। वह कहता है कि मुझे शपथ लेनी होगी। लेकिन मैंने संसद में संविधान की शपथ ली है। कांग्रेस सांसद ने फिर मांग रखी कि चुनाव आयोग हमें पूरे देश की इलेक्ट्रॉनिक वोटर लिस्ट और चुनाव से जुड़े वीडियोग्राफी के रिकॉर्ड दे। उन्होंने कहा कि अगर हमें ये मिल जाए तो हम साबित कर देंगे कि पूरे देश में सीटें चोरी की गई हैं।

अपने आरोपों को दोहराते हुए राहुल गांधी ने कहा, ''पहले लोकसभा का चुनाव हुआ, फिर महाराष्ट्र का विधानसभा चुनाव हुआ। लोकसभा में हमारा गठबंधन भारी सीटों के साथ चुनाव जीता, लेकिन फिर चार महीने बाद विधानसभा चुनाव में भाजपा जीत गई। ये बेहद चौंकाने वाली बात थी। हमने पता किया तो मालूम चला कि विधानसभा चुनाव में एक करोड़ नए मतदाताओं ने वोट डाला है। जहां भी ये नए वोटर आए, वहां भाजपा ने जीत हासिल की। हमारे वोटों में कमी नहीं आई, लेकिन नए मतदाताओं का वोट भाजपा के खाते में गया। उसी दिन हमें समझ आ गया कि दाल में कुछ काला है।'

राहुल गांधी से बोला चुनाव आयोग- कागज पर साइन करें या फिर देश से माफी मांग लें

इस मामले में आयोग ने उन्हें एक शपथ पत्र भेजा था और कहा था कि वह इस पर साइन करें कि जो बोल रहे हैं, वह सही है। यदि वह गलत पाया गया तो आपके खिलाफ कानूनी ऐक्शन लिया जाए। अब तक इस एफिडेविट को लेकर राहुल गांधी या कांग्रेस से जवाब नहीं आया है। इस बीच चुनाव आयोग ने राहुल गांधी को फिर से चुनौती दी है कि वे कागज पर साइन करें या फिर देश से माफी मांग लें। चुनाव आयोग का कहना है कि यदि राहुल गांधी को लगता है कि उनका विश्लेषण ठीक है और हमारे ऊपर लगाए गए

आरोप सही हैं तो फिर उन्हें घोषणा पत्र पर शामिल करने में कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। यदि राहुल गांधी पेपर पर साइन नहीं करते हैं तो इसका मतलब हुआ कि वह अपनी ही बात पर यकीन नहीं रखते। उन्हें नहीं लगता है कि उनका विश्लेषण सही है। इससे स्पष्ट होता है कि उनके दावे फर्जी हैं। ऐसी स्थिति में उन्हें फर्जी आरोप लगाने और चुनाव व्यवस्था में लोगों का भरोसा कम करने के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए।

मतदाता सूची पर राहुल का दावा झूठा : भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी द्वारा मतदाता सूची को लेकर किये गये दावों को झूठा बताया है। श्री यादव ने यहां भाजपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि श्री गांधी जिस पेड़ पर बैठे हैं, उसी की डाल काट रहे हैं। उन्होंने श्री गांधी द्वारा चुनाव आयोग के कर्मचारियों के खिलाफ प्रयोग की गई भाषा पर आपत्ति जताते हुए सवाल उठाया कि देश की संवैधानिक संस्था के खिलाफ इस तरह के बयान एवं भाषा क्या उचित है। उन्होंने कहा कि श्री गांधी सेना और देश की शीर्ष अदालत के खिलाफ बोलने से भी नहीं चूकते हैं। सेना, संसद, चुनाव आयोग, न्यायालय देश की संवैधानिक संस्थाएं हैं और इन संस्थाओं के खिलाफ धमकाने वाली भाषा का प्रयोग उचित नहीं है। भाजपा नेता ने महाराष्ट्र में श्री गांधी के मतदाताओं के आंकड़ों के आधार पर सवाल उठाने को गलत बताया। उन्होंने कांग्रेस नेता पर आंकड़ों को गलत तरीके से पेश करने का आरोप लगाया।

पीएम मोदी ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन के साथ बातचीत की

▸▸ *द्विपक्षीय एजेंडे में प्रगति की समीक्षा की*

एजेंसी

नई दिल्ली। रूस से तेल खरीदने पर अमेरिका की ओर से लगाए गए 50 फीसदी टैरिफ को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को फोन पर बात की। इस दौरान पुतिन ने पीएम मोदी को यूक्रेन युद्ध को लेकर जानकारी दी। पीएम मोदी ने संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए भारत के रुख को दोहराया। दोनों नेताओं ने भारत-रूस साझेदारी को मजबूत करने पर भी बात की। वहीं पीएम मोदी ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन को वार्षिक द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन में भारत आने का न्योता दिया। यह बातचीत इसलिए भी अहम है, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से तेल खरीदने पर 50 फीसदी टैरिफ लगाकर भारत पर दबाव बनाने की कोशिश की है। पीएम नरेंद्र मोदी ने एक्स पर लिखा कि मेरे मित्र राष्ट्रपति पुतिन के साथ बहुत अच्छी और विस्तृत बातचीत हुई। मैंने यूक्रेन पर नवीनतम घटनाक्रम साझा करने के लिए उनका धन्यवाद किया। हमने अपने द्विपक्षीय एजेंडे में प्रगति की भी समीक्षा की और भारत-रूस विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने की प्रतिबद्धता दोहराई। मैं इस वर्ष के अंत में भारत में राष्ट्रपति पुतिन की मेजबानी करने के लिए उत्सुक हूं।

हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्षी दलों के सदस्यों ने शुक्रवार को भी बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर भारी हंगामा किया जिसके कारण सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित करनी पड़ी।

दो बार के स्थगन के बाद पीठासीन अधिकारी कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी ने तीन बजे जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरु की विपक्षी सदस्य नारे लगाते हुए और हाथों पर तख्तियां लेकर सदन के बीचों बीच आ गये। पीठासीन अधिकारी ने सदन चलाने का प्रयास किया लेकिन सदस्यों का हंगामा चलता रहा। सदस्यों से आग्रह किया कि वह उनकी बात सुनना चाहते हैं लेकिन पहले उन्हें अपनी सीटों पर बैठना होगा। उनका कहना था कि अपनी सीटों पर सदस्य बैठेंगे तो उनकी बात सुनी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार नियम के तहत विपक्ष की हर मांग पर विचार करने को तैयार है। संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि आज शुक्रवार है और विपक्षी दलों के सदस्य सदस्यों के निजी विधेयक को बाधित कर रहे हैं।

मुंबई कबूतरखाने में जारी रहेगी दाना खिलाने पर रोक, बॉम्बे हाईकोर्ट ने मांगी रिपोर्ट

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सात अगस्त को कबूतरखानों को बंद करने के खिलाफ दायर याचिकाओं को लेकर कोई राहत नहीं दी है। बीएमसी कोर्ट के फैसले में बाधा डालने वाले या नियम तोड़ने वाले लोगों पर कार्रवाई करेगी। कोर्ट का यह फैसला 13 अगस्त तक लागू रहेगा। कोर्ट ने हेरिटेज कबूतर स्थलों को तोड़ने पर लगी रोक को भी बरकरार रखा है। कोर्ट ने कहा कि कबूतर और इंसान के टकराव से जुड़े स्वास्थ्य मामलों पर एक्सपर्ट्स की राय लेकर राज्य सरकार और बीएमसी को यह विवाद खत्म करना चाहिए। हाईकोर्ट 13 अगस्त को राज्य सरकार द्वारा बनाई जा रही एक्सपर्ट्स कमेटी के नामों पर विचार करेगी। कोर्ट ने कहा कि अगर कमेटी की राय में बीएमसी द्वारा कबूतरों को दाना डालने की जगह को बंद करना सही है, तब एक्सपर्ट्स की राय को माना जाएगा। कोर्ट ने कहा कि पहले के आदेश अभी भी लागू हैं और याचिकाकर्ता चाहें, तब अंतरिम याचिकाएं दायर कर सकते हैं। कोर्ट ने दादर कबूतरखाना ट्रस्ट के वकील अनिल साखरे को यह अनुमति दी कि वे बीएमसी के सामने रोज सुबह 6 से 7 बजे कबूतरों को दाना डालने के लिए समय तय करने का अनुरोध कर सकते हैं। बेंच ने कहा कि उन्होंने सिर्फ बीएमसी की कार्रवाई पर रोक लगाने से इनकार किया है और जब याचिकाकर्ताओं ने बीएमसी की नीति को चुनौती दी थी, तब उन्हें कोई अंतरिम राहत नहीं दी थी।

जिंदा नवजात शिशु पॉलिथीन में मिला, मुस्लिम दंपति ने बचाई जान

बुलंदशहर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में इंसानियत को शर्मसार करने का मामला सामने आया है। यहां पॉलीथिन में जिंदा नवजात को पैककर फेंक दिया। पालीथीन को कुत्ता खींचने लगे तब बाइक से जा रहे मुस्लिम दम्पति की नजर पड़ गई। दंपति ने पालीथीन को खोलकर देखा, उनके होश उड़ गए। आनन फानन में दंपति पालीथीन में पैक नवजात को अस्पताल ले गया, जहां उसका इलाज किया जा रहा है। गांव कुराना नया बांस निवासी फहीमुद्दीन पत्नी शमीना के साथ औरंगाबाद से वापस आ रहे थे। बीती रात करीब 11 बजे ऐंचाना के बीच सड़क किनारे एक झाड़ी से पॉलीथिन को खींचकर कुत्ता ले जाने का प्रयास कर रहा था। फहीमुद्दीन को कुछ अजीब लगा, तब बाइक रोककर कुत्ते को भगाकर पॉलीथिन के पास पहुंचे। फहीमुद्दीन ने देखा कि पॉलीथीन हिल रही थी। उन्होंने देखा उसमें एक नवजात बच्चा था। दंपति बच्चे को देर रात होने के कारण सबसे पहले डॉक्टर के यहां ले गए। चेकअप करा अपने घर ले आए। उसके बाद सुबह पूर्व प्रधान के जरिए पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दंपति को बुलाकर बच्चे को चाइल्ड लाइन के सुपुर्द करा दिया है। नवजात की आयु एक दो दिन है। लावासिर बच्चा लड़का बताया गया है।

मामले में पुलिस ने बताया ग्राम प्रधान द्वारा सूचना प्राप्त हुई थाने बुलाकर बच्चों को चाइल्ड लाइन के सुपुर्द करा दिया गया है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि यह किस व्यक्ति ने ऐसी घटना को अंजाम दिया है।

गैस सिलेंडर में हुए विस्फोट में अब तक पाँच लोगों की मौत

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में बुक्का स्ट्रीट के पास गैस सिलेंडर में हुए विस्फोट में पाँच लोगों की मौत हुई और कई घायल हो गए। बताया जा रहा है कि यह विस्फोट एक कबाड़ की दुकान में हुआ, जहाँ वेल्डिंग सिलेंडर में खराबी आई थी। विस्फोट इतना ज़ोरदार था कि पीड़ितों के शरीर बिखर गए और उनकी पहचान करना मुश्किल हो गया। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने विशाखापट्टनम में घरेलू गैस सिलेंडर विस्फोट में मारे गए तीन लोगों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। बात दें कि एक वेल्डिंग की दुकान में घरेलू गैस सिलेंडर के फटने से तीन लोगों की मौत हो गई। सीएम हाऊस के अनुसार, ''मुख्यमंत्री नायडू ने विशाखापट्टनम में फिशिंग हार्बर के पास स्थित वेल्डिंग की दुकान में सिलेंडर विस्फोट में मारे गए लोगों के परिजनों के लिए अनुग्रह राशि की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दुर्घटना में मारे गए तीन लोगों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये देने का निर्देश दिया। उन्होंने घायल व्यक्तियों को बेहतर उपचार मुहैया कराने के लिए भी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। विशाखापट्टनम की उपायुक्त-2, ने बताया कि विस्फोट में तीन लोग घायल हुए हैं। जबकि दो घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है।

खुफिया एजेंसियों से मिली जानकारी के बाद देश के हवाई अड्डों पर हाई अलर्ट जारी

हाथरस (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) और दुर्गा पूजा (22 सितंबर से 2 अक्टूबर) को देखकर देशभर के सभी हवाई अड्डों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। खुफिया एजेंसियों से मिली जानकारी के अनुसार, दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) सहित कई बड़े हवाई अड्डों पर आतंकी हमले का खतरा मंडरा रहा है। नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने हवाई अड्डों को तीन सुरक्षा परामर्श जारी किए हैं। इसमें सभी हवाई अड्डों, एयरलाइंस, सीआईएसएफ और ग्राउंड हैंडलिंग स्टाफ को तुरंत सुरक्षा और निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। दिल्ली एयरपोर्ट पर यात्रियों की जांच और तलाशी बढ़ा दी गई है, जिससे लंबी लाइनें और कड़ा गेट नियंत्रण देखने को मिल सकता है। सभी हवाई अड्डों पर 100 प्रतिशत सीसीटीवी निगरानी और क्यूआरटी द्वारा गश्त बढ़ाने का निर्देश दिया गया है। उड़ानों में सुरक्षा अधिकारी तैनात किए जाएंगे और विमानों की कड़ी तलाशी और जांच की जाएगी। कार्गो की स्क्रीनिंग बढ़ाई जाएगी और ग्राउंड हैंडलिंग कर्मचारियों की भी अतिरिक्त जांच होगी। 5 से 20 अगस्त तक सभी उड़ानों के लिए सेकेंडरी लैडर पॉइंट चेकिंग (एसएलपीसी) को अनिवार्य कर दिया गया है। इसके अलावा, दिल्ली-एनसीआर के हवाई अड्डों के आसपास ड्रोन, हेलीकॉप्टर और गैर-निर्धारित उड़ानों की भी विशेष जांच के आदेश दिए गए हैं। यह कदम सुरक्षा के मद्देनज़र उठाया गया है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

बैलेट पेपर से चुनाव कराने फिर उठी मांग... ऐसा हुआ तो बढ़ेगा जनता का भरोसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक तरफ वोट चोरी के सबूतों के साथ कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रेस कांफ्रेंस कर चुनाव आयोग को घेरने का काम किया है, वहीं अनेक पार्टियों और नेताओं ने बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग फिर से कर दी है। इन सब से बचने और अपने दामन को साफ-पाक बताने के लिए चुनाव आयोने ने भी कदम आगे बढ़ाए हैं।

गौरतलब है कि सांसद राहुल गांधी ने प्रेस कांफ्रेंस करते हुए गुरुवार को वोट चोरी जैसे सबूतों को मीडिया के सामने रखा है। उन्होंने बताया है कि किस प्रकार से विभिन्न चुनावों में एक खास पार्टी को जीत दिलवाने के लिए वोट चोरी का यह खेल खेला गया है। वहीं इससे पहले शरद पवार की पार्टी एनसीपी-एसपी ने महाराष्ट्र के निकाय चुनाव को बैलेट पेपर से कराए जाने की मांग कर दी है। यही नहीं पार्टी ने निकाय चुनाव में वीवीपैट वाली ईवीएम मशीनों का इस्तेमाल नहीं करने वाले राज्य चुनाव आयोग के फैसले की भी निंदा की है। शरद पवार गुट का कहना है कि इससे कैसे पता चलेगा कि चुनाव पारदर्शी तरीके से कराए जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में बैलेट पेपर से चुनाव करना ही ठीक होगा। एनसीपी-एसपी ने कहा कि यदि वीवीपैट वाली मशीनें उपलब्ध नहीं हैं, तब फिर परंपरागत बैलेट पेपर से चुनाव कराए जाएं। इससे पारदर्शिता रहेगी और जनता का भरोसा भी चुनावी व्यवस्था पर बना रहेगा। यह पहला मामला नहीं है, बल्कि इससे पहले अनेक चुनावों के दौरान बैलेट पेपर से चुनाव कराए जाने की मांग की जाती रही है और चुनाव आयोग इसे खारिज करते हुए चुनाव में होने वाली गड़बड़ी की आशंकाओं को सिरे से खारिज करता आया है। इस संबंध में मौजूदा सरकार भी चुनाव आयोग के फैसले से संतुष्ट रही है।

यहां इस मांग को उठाते हुए शरद पवार गुट के पार्टी नेता राहुल कलाते ने कहा है कि निकाय चुनाव की तैयारी अब तेजी पर है। लेकिन राज्य निर्वाचन आयोग ने हमें निराश किया है। राज्य निर्वाचन आयोग की यह बात झटका देने वाली है कि वीवीपैट मशीनों की कमी है। इससे साफ है कि आयोग नहीं चाहता है कि पारदर्शी तरीके से चुनाव कराए जाएं। ऐसी स्थिति में धांधली होने का भी डर रहेगा। कलाते ने पुणे की चिंचवाड़ विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था, लेकिन भाजपा के शंकर जगताप के मुकाबले हार गए थे। यही नहीं इंडिया गठबंधन के एक और दल ने वीवीपैट न इस्तेमाल करने पर नाराजगी जाहिर की है।

वहीं उद्धव ठाकरे ने कहा कि यह फैसला गलत है। हमारी मांग है कि चुनाव वीवीपैट मशीनों से कराए। वहीं एनसीपी-एसपी का कहना है कि यदि चुनाव आयोग वीवीपैट से चुनाव नहीं करा पा रहा है, तब फिर बैलेट पेपर के पुराने सिस्टम पर ही वापस लौटा जाए। बता दें कि असेंबली इलेक्शन में हार के बाद राहुल ने दोबारा गिनती के लिए अर्जी डाली थी। उनका आरोप था कि काउंटिंग की प्रक्रिया में गड़बड़ी थी। इसी के खिलाफ फॉर्म 17 जमा करते हुए उन्होंने चुनाव आयोग का रुख किया था। अब एक बार फिर निकाय चुनाव में उन्होंने मोर्चा खोला है। एसनीपी-एसपी का कहना है कि बैलेट पेपर से चुनाव नहीं होने पर चुनाव की कोई विश्वसनीयता नहीं रहेगी।

वोट चोरी के दावों पर राहुल गांधी के समर्थन में उतरे थरूर बोले- समाधान करे चुनाव आयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी के साथ अपनी अनबन के चलते सुर्खियां बटोरने वाले सांसद शशि थरूर ने राहुल गांधी के वोट चोरी संबंधी दावों का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर प्रश्न है, निर्वाचन आयोग को इसका समाधान करने के लिए तत्काल ही कोई कदम उठाना चाहिए। पिछले काफी समय में यह पहली बार है, जब शशि थरूर राहुल गांधी द्वारा उठाए गए किसी सवाल या दावे के समर्थन में आए हैं।एक्स पर राहुल गांधी की प्रेस कॉन्फ्रेंस से जुड़ी एक वीडियो रिपोस्ट करते हुए थरूर ने इसका समर्थन किया। थरूर ने लिखा, यह गंभीर प्रश्न हैं, जिनका सभी दलों और सभी मतदाताओं के हित में गंभीरता से समाधान किया जाना चाहिए। हमारा लोकतंत्र इतना मूल्यवान है कि इसकी विश्वसनीयता को अक्षमता, लापरवाही या जानबूझकर छेड़छाड़ से नष्ट नहीं होने दिया जा सकता। केरल से कांग्रेस सांसद थरूर ने आगे कहा, निर्वाचन आयोग को तत्काल कदम उठाना चाहिए और आयोग के प्रवक्ता को देश को इस बारे में सूचित करते रहना चाहिए। गौरतलब है कि इंडिया ब्लॉक की डिनर मीटिंग के दौरान राहुल गांधी ने अपने आवास पर वोट चोरी से जुड़ी एक प्रजेंटेशन दी थी। इससे पहले उन्होंने दावा किया था कि कर्नाटक की महादेवपुरा विधानसभा में 1 लाख से ज्यादा वोटों की चोरी की गई है। उन्होंने चुनाव आयोग से सीधा सवाल करते हुए कहा कि वह भाजपा के साथ मिला हुआ नहीं है तो वह इस बात को साबित करे। राहुल ने महादेव पुरा सीट का हवाला देते हुए कहा कि हमारी तरफ से बार-बार वोटरों का इलेक्ट्रॉनिक डेटा मांगे जाने के बाद भी चुनाव आयोग उसे उपलब्ध कराने में असमर्थ रहा है न ही हमें सीसीटीवी फुटेज दिए जा रहे हैं। इन बातों से स्पष्ट है कि दाल में कुछ काला जरूर है।

उपराष्ट्रपति पद के लिए तीन शख्स ने किया नामांकन... लेकिन हो गया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद अब देशभर में अगले उपराष्ट्रपति के नाम पर चर्चा शुरू हो गई है। एनडीए ने जहां पीएम मोदी और सदन में नेता जेपी नड्डा को जिम्मेदारी सौंपी हैं, तब विपक्ष भी संयुक्त उम्मीदवार उतारने की तैयारी में है। 9 सितंबर को उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं। इस बीच, तीन शख्स के नामांकन भी दाखिल किया, लेकिन उन्हें झटका लगा है। रिपोर्ट के अनुसार, जिन तीन लोगों ने उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया था, उनके नाम तमिलनाडु के सलेम निवासी के. पद्मराजन, दिल्ली के मोती नगर निवासी जीवन कुमार मित्तल और आंध्र प्रदेश के श्रीमुखलिंगम गांव निवासी नायडूगरी राजशेखर थे। हालांकि, उपराष्ट्रपति चुनाव अधिनियम की धारा 5बी की उपधारा (4) के तहत तीनों के नामांकन पेपर खारिज हो गए। पद्मराजन और मित्तल ने अपने-अपने संसदीय क्षेत्रों की मतदाता सूची की प्रमाणित प्रतियां संलग्न कीं, जिसमें पंजीकृत मतदाता के रूप में उनके नाम थे, लेकिन ये चुनाव नोटिफिकेशन जारी होने से पहले की थीं। वहीं, तीसरे शख्स राजशेखर की प्रति निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) द्वारा प्रमाणित नहीं थी। वह 15,000 रुपये की जमानत राशि भी जमा नहीं कर पाए। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचन अधिकारी, राज्यसभा महासचिव पी.सी. मोदी ने तीनों के नामांकन पत्र क्रम में न होने के कारण खारिज किए है। चुनाव आयोग के नोटिफिकेशन के अनुसार, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त है और दस्तावेजों की जांच 22 अगस्त को होगी। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 25 अगस्त है। कोई व्यक्ति उपराष्ट्रपति पद के लिए तब तक निर्वाचित नहीं हो सकता जब तक वह भारत का नागरिक न हो, 35 वर्ष की आयु पूरी न कर चुका हो और राज्यसभा सदस्य के रूप में निर्वाचित होने के योग्य न हो। सत्तारूढ़ एनडीए को उपराष्ट्रपति चुनाव में स्पष्ट बढ़त हासिल है। उपराष्ट्रपति का चुनाव लोकसभा और राज्यसभा के सदस्यों द्वारा होता है, साथ ही उच्च सदन के मनोनीत सदस्य भी मतदान के पात्र होते हैं।

प्रियंका गांधी का चुनाव आयोग से सीधा सवाल... हलफनामा क्यों मांग रहे, जांच क्यों नहीं कर रहे?

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग द्वारा बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जारी विवाद अब और तीखा हो गया है। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के मतदाता सूची में धांधली के आरोपों पर चुनाव आयोग की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में राहुल गांधी से शपथ पत्र (हलफनामा) की मांग की गई थी। इस पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने अपनी प्रतिक्रिया में चुनाव आयोग से सवाल किए हैं और हमला बोल दिया है।

सांसद प्रियंका गांधी ने शुक्रवार को मीडिया से बातचीत के दौरान सवाल उठाते हुए कहा, कि अगर कोई शिकायत करता है तो उसकी जांच होनी चाहिए। यह क्या तरीका है कि आप उल्टा शिकायतकर्ता से हलफनामा मांग रहे हैं?

प्रियंका गांधी ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, कि हमने जो शपथ संसद में ली है, उससे बड़ी कौन सी शपथ होगी? आयोग हमें मतदाता सूची क्यों नहीं दे रहा? अगर जानबूझकर गलती हुई है, तो चुनाव आयोग को जांच करनी चाहिए, न कि हमसे एफिडेविट मांगना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि याचिका के अनुसार हलफनामा देने की अवधि 30 दिन होती है, लेकिन उसके बावजूद आयोग ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है।

सांसद प्रियंका गांधी ने फर्जी वोटर लिस्ट के मुद्दे को लेकर कहा कि राहुल गांधी ने विस्तार से बताया है कि एक लाख से ज्यादा फर्जी वोट बिहार की कुछ विधानसभा सीटों में मौजूद हैं। उन्होंने कहा, जब कोई चुनाव लड़ता है, तब उसे पता चलता है कि एक-एक वोट कितना जरूरी होता है। अगर एक लाख वोट फर्जी हैं, तो उसका असर सीधे नतीजे पर पड़ता है। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए चुनाव आयोग पर तंज कसते हुए कहा, अगर कोई बच्चा क्लास में जाकर कहे कि चीटिंग हो रही है, तो क्या टीचर उसे थप्पड़ मारेगी? या जांच करेगी कि क्या हो रहा है? आयोग को जांच करनी चाहिए, न कि शिकायत करने वालों से एफिडेविट मांगना चाहिए।

क्या होगी आगे की रणनीति?

इंडिया गठबंधन की आगे की रणनीति को लेकर प्रियंका गांधी ने कहा कि सभी दल मिलकर निर्णय लेंगे, लेकिन स्पष्ट है कि इस मुद्दे को लेकर वे पीछे हटने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा, हर वोट की अहमियत होती है। अगर वोटरों को जानबूझकर हटाया जा रहा है, तो यह लोकतंत्र पर सीधा हमला है।

इससे पहले चुनाव आयोग के फैक्ट चेक हैंडल से कहा गया था कि राहुल गांधी द्वारा लगाए गए आरोप भ्रामक हैं। आयोग ने 1960 के वोटर रजिस्ट्रेशन नियम 20(3)(बी) का हवाला भी दिया है और शपथ पत्र मांगा है।

धराली में तबाही ने सब कर दिया बर्बाद, सीएम ने ग्राउंड जीरो पर संभाला मोर्चा

-कहा- राहत शिविरों में भोजन, पानी, दवाई और जरुरी सामान की कमी न हो

देहरादून (एजेंसी)। बादल फटने से हुई तबाह धराली की मलबे में रुंध गईं। आपदा के चलते सड़कों का नाता टूट गया। अलग-थलग पड़ा उच्च हिमालय का कातर को हमदर्द और हौसले की सख्त जरूरत थी। ऐसी विपदा में सीएम पुष्कर सिंह धामी ने दो दिन तक ग्राउंड जीरो पर मोर्चा संभाला। उन्होंने प्रशासनिक क्षमता के साथ प्रदेश के राजनीतिक नेतृत्व के रूप में मजबूत छवि गढ़ी। देहरादून से लेकर उत्तरकाशी तक पूरा तंत्र सक्रिय रहा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आपदाग्रस्त क्षेत्रों में सीएम धामी सबसे पहले पहुंचे तो पीड़ित भी अपने बीच उन्हें पाकर उनके कंधे पर सिर रखा रोने लगे। सांत्वना और विश्वास के रूप में धामी उनके बीच थे। उत्तरकाशी जिले में 2023 के नवंबर माह में सिलक्यारा में निर्माणाधीन सुरंग ढहने से 41 श्रमिक फंस गए थे। आपदा की उस घड़ी में भी धामी ने सरकार के नेतृत्वकर्ता के रूप में मौके पर डेरा डाला था। केंद्र से मिल रहा निरंतर सहयोग उनकी मौके पर मौजूदगी से और प्रभावी बन गया था। तब भी धामी ने प्रशासनिक क्षमता के साथ प्रदेश के राजनीतिक नेतृत्व के रूप में अपनी छवि राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित की थी।

धराली आपदा के मौके पर धामी एक बार फिर उत्तरकाशी जिले में प्रभावितों के बीच पहुंच गए। विगत मंगलवार को आंध्र प्रदेश का दौरा बीच में छोड़कर देर सायं देहरादून लौटे धामी सीधे राज्य आपदा परिचालन केंद्र पहुंचे। राहत को मिशन बनाकर सीएम दो दिन से ग्राउंड जीरो पर हैं। राहत और बचाव कार्यों को युद्ध स्तर पर संचालित करने के साथ-साथ वह पल-पल की जानकारी ले रहे हैं। हर स्तर पर व्यवस्था पर सीएम की नजर है। परिणामस्वरूप आपदा प्रबंधन की पूरी मशीनरी 24 घंटे क्रियाशील है।

शासन के वरिष्ठ अधिकारी देहरादून स्थित राज्य आपदा परिचालन केंद्र के जरिए से सीएम के साथ ही राहत व बचाव दलों के संपर्क में लगातार बने हुए हैं। सड़क संपर्क और पुल से कटे होने के कारण हेली सेवाओं ने राहत व बचाव कार्यों को गति देने में भूमिका निभाई। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना, आइटीबीपी व अन्य केंद्र व राज्य की एजेंसियों के साथ बेहतर समन्वय का प्रभाव साफ दिया।

इस पूरे आपरेशन में वायुसेना के 2 चिनूक, 2 एमआई-17, चार अन्य हेलीकाप्टर, राज्य सरकार के आठ हेलीकाप्टर, एक आर्मी एएलएच और दो चीता हेलीकाप्टर लगाए गए। इस कारण प्रभावितों तक राहत तेजी से पहुंच रही है। जमीनी स्तर पर राजपुताना राइफल्स के 150 जवान, घातक टीम के 12 कमांडो, एनडीआरएफ के 69, एसडीआरएफ के 50 जवान, चार मेडिकल टीमें, 9 फायर टीमें, 130 आईटीबीपी के जवान, और बीआरओ के 15 कर्मियों समेत कुल 479 अधिकारी-कर्मचारी दिन-रात तैनात हैं। इसके अलावा 814 अतिरिक्त जवानों को अन्य क्षेत्रों से सीधे प्रभावित क्षेत्र में तैनात किया गया है।

सीएम धामी ने गंभीर घायलों को एयरलिफ्ट कर देहरादून या एम्स ऋषिकेश भेजने के निर्देश दिए। राहत शिविरों में भोजन, पानी, दवाइयों और अन्य जरुरी सामान की कमी न हो, इस पर नजर रखी जा रही है। प्रभावितों के लिए 2000 से ज्यादा खाने पैकेट भेजे गए। ड्राइ राशन हवाई मार्ग से हर्षिल पहुंचाया जा रहा है, जहां से उसे दूरस्थ गांवों तक पहुंचाया जाएगा। बंद सड़कों को खोलने, इंटरनेट सेवा की बहाली, और बिजली, पेयजल की टूटी लाइन को भी जोड़ा जा रहा है। धामी ने गुरुवार को पौड़ी जिले आपदा प्रभावित नैठा बाजार, सैंजी गांव और बांकुड़ा क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया और माताओं-बहनों से भेंट की।

चीन के विशाल डैम पर हमारी नजर... राज्यसभा में केंद्र सरकार ने दिया जबाव

नई दिल्ली(एजेंसी)। ब्रह्मपुत्र नदी पर चीन तिब्बत के इलाके में जो विशाल डैम बना रहा है, उसपर मोदी सरकार ने सवाल के जवाब में पहली बार संज्ञान लिया है। चीन यह बांध ब्रह्मपुत्र के ऊपरी हिस्से में बना रहा है, इस तिब्बत में यारलुंग त्सांगपो कहते हैं। केंद्र सरकार ने राज्यसभा में एक लिखित सवाल के जवाब में कहा है कि प्रोजेक्ट को पहली बार 1986 में सार्वजनिक किया गया था और तब से चीन ब्रह्मपुत्र नदी पर विशाल बांध बनाने की तैयारियों में लगा है। चीन का यह प्रोजेक्ट इतना विशाल है कि इसकी वजह से भारत, बांग्लादेश और म्यांमार तक में सुरक्षा चिंताएं बढ़ी हुई हैं।

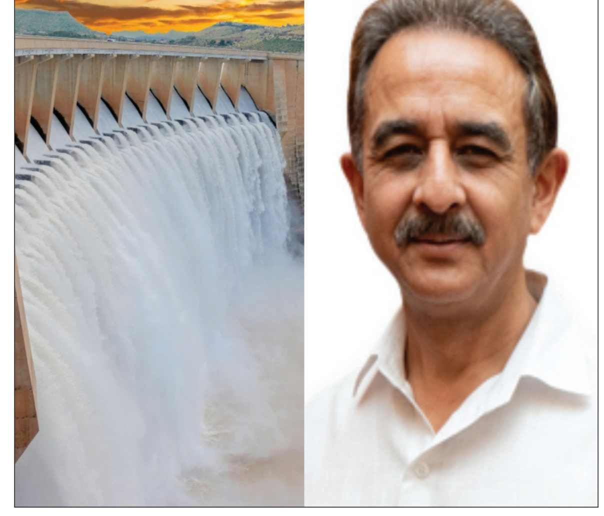

राज्यसभा में विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने बताया कि भारत ने चीन की ओर से तिब्बत में यारलुंग त्सांगपो के निचले क्षेत्र में बनाया जा रहे मेगा डैम प्रोजेक्ट के निर्माण शुरू करने की रिपोर्टों पर संज्ञान लिया गया है। उनके अनुसार चीन 1986 से ही इसकी तैयारियों में जुटा हुआ है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा है कि मोदी सरकार ब्रह्मपुत्र नदी से जुड़ी सभी गतिविधियों पर सावधानीपूर्वक नजर रख रही है। इसके तहत चीन की ओर से हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट बनाने की योजना के साथ-साथ हमारे हितों की सुरक्षा के लिए सभी जरूरी उपाय करना शामिल है। सरकार की ओर से बताया गया हैं कि सीमा पार की नदियों से संबंधित विभिन्न मसलों पर चीन के साथ संस्थागत विशेषज्ञ स्तरीय मेकेनिज्म के तहत चर्चा होती है। इसकी स्थापना 2006 में की गई थी। इसके अलावा राजनयिक स्तर पर भी चर्चा की जाती है। मंत्री ने कहा कि सरकार ने चीन को कहा है कि नदियों के पानी पर हमारा भी हक है। हम निचले क्षेत्र में हैं और यहां के लोगों का भी पानी पर अधिकार है। सरकार ने चीन से कहा है कि वो निचले हिस्से के देशों से भी सलाह करे और यह सुनिश्चित करे कि ऊपर के क्षेत्र की गतिविधियों से निचले हिस्से के क्षेत्रों के हितों को कोई नुकसान न हो। चीन के साथ सीमा पार की नदियों पर सहयोग के मामले में पानी से जुड़ी जानकारी फिर से देना भी शामिल है

खुफिया एजेंसियों ने किया अलर्ट: बांग्लादेश अब भारत में फैलाना चाहता है आतंकी गतिविधियां

नई दिल्ली(एजेंसी)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस अब अपने रंग में आते दिख रहे हैं। पाकिस्तान और तुर्की जैसे आतंकपरस्त देशों से हाथ मिलने वाले यूनुस अब भारत में आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने वाले जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) को फिर से ऑक्सीजन देने में जुटे हैं। इससे नोबेल पुरस्कार विजेता यूनुस का कट्टरपंथी चेहरा बेनकाब हो गया है। भारत की खुफिया एजेंसियों ने इसका खुलासा किया है। इनके अनुसार, बांग्लादेश स्थित प्रतिबंधित आतंकी संगठन जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) एक बार फिर सक्रिय होता नजर आ रहा है। बीते आठ साल से निष्क्रिय हो चुके इस संगठन की फिर से वापसी से भारत की पूर्वोत्तर सीमाओं और पश्चिम बंगाल पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है।

जेएमबी अब अपनी ताकत बढ़ाने के लिए अल-कायदा का भी साथ मांग रहा है, ताकि उसकी विचारधारा का तेजी से प्रसार हो सके। जहां अल-कायदा रणनीतिक दृष्टिकोण से प्रभावी है, वहीं जेएमबी जमीनी स्तर पर काम करने में माहिर है। मोहम्मद यूनुस के अंतरिम सरकार के प्रमुख बनने के बाद पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के कई अधिकारी बांग्लादेश पहुंचे और कट्टरपंथी संगठनों के नेताओं से मुलाकात की। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आईएसआई चाहता है कि जेएमबी, अल-कायदा और अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) मिलकर भारत को निशाना बनाएं और एक-दूसरे के काम में बाधा न डालें। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने चेतावनी दी है कि बांग्लादेश की जेएमबी का बड़े स्तर पर फिर से सक्रिय किया जा रहा है। यह सीधे तौर पर भारत की सुरक्षा के लिए चुनौती बन सकता है। खासकर अवैध घुसपैठियों और शरणार्थियों का उपयोग जेएमबी अपने फुट सोल्जर के तौर पर कर रहा है, जिससे भारत में अस्थिरता फैलाने की साजिशें रची जा रही हैं। शेख हसीना की सत्ता से विदाई के बाद कट्टरपंथी समूहों को खुली छूट मिल गई है। इसी के चलते न केवल जेएमबी, बल्कि कई अन्य आतंकी संगठनों को भी फिर से संगठित किया जा रहा है।

भारत के खिलाफ जेएमबी की साजिश बेहद खतरनाक मानी जा रही है। ये संगठन रोहिंग्या और अवैध प्रवासियों की भर्ती कर रहा है और उन्हें भारत के मुस्लिम बहुल इलाकों में भेजकर वहां छोटे-मोटे उद्योगों में काम करने को कह रहा है, ताकि वे संदेह से बचे रहें। साथ ही, समय-समय पर गुप्त बैठकों के जरिए योजना बनाई जा रही है। गौरतलब है कि 2014 में पश्चिम बंगाल के बर्दवान में हुए विस्फोट में भी जेएमबी का हाथ था, जिसमें एक बम बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड़ हुआ था। तब भी इसमें शामिल अधिकतर लोग अवैध प्रवासी थे। वर्तमान में जेएमबी भारत-बांग्लादेश की पश्चिम बंगाल और असम सीमा की कमजोरी का फायदा उठा रहा है। मौजूदा परिस्थितियों में बांग्लादेश की अस्थिरता और भारत से

ठंडी पड़ी कूटनीतिक रिश्तों के कारण भारत के लिए यह खतरा और भी गंभीर हो गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को इस चुनौती से निपटने के लिए बांग्लादेश सरकार के सहयोग की जरूरत है, जैसा कि शेख हसीना के कार्यकाल में देखने को मिला था। लेकिन, अब यूनुस सरकार का झुकाव पाकिस्तान की ओर अधिक है, जिससे भारत-बांग्लादेश के रिश्तों में तनाव बना हुआ है।

नकली दवा बनाकर बेचने वाले गिरोह का पर्दाफाश

कौमी पत्रिका

दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने जीवन रक्षक नकली दवा बनाकर बेचने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए सरगना समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान मोहम्मद आलम, मोहम्मद सलीम, परमानंद, मोहम्मद जुवैर, प्रेम शंकर प्रजापति और राजेश मिश्रा के रूप में हुई है। यह रैकेट हरियाणा यूपी समेत पूरे उत्तर भारत में फैला हुआ है। नकली दवाइओं के निर्माण और पैकेजिंग के कारखाने जींद, हरियाणा और बद्दी, हिमाचल प्रदेश में लगे हुए हैं। इनके कब्जे से जॉनसन एंड जॉनसन, जीएसके जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों की नकली दवाएं भारी मात्रा में बरामद की गई हैं। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने बताया शाखा में तैनात इंस्पेक्टर पवन कुमार की टीम को खुफिया जानकारी मिली थी। टीम ने जीएसके और जॉनसन एंड जॉनसन के कानूनी प्रतिनिधियों और तकनीकी विशेषज्ञों के साथ कोर्डिनेशन किया। सूचना के बाद पुलिस टीम ने एचपी सीएनजी पेट्रोल पंप, श्यामनाथ मार्ग, सिविल लाइंस में 30 जुलाई को घेराबंदी की। पुलिस टीम यहां से वैगनआर कार में सवार उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद निवासी मोहम्मद आलम और मोहम्मद सलीम कोनकली दवाइयां ले जाते पकड़ा। जॉनसन एंड जॉनसन और जीएसके के प्रतिनिधियों ने पैकेजिंग और स्टैम्पिंग कंपनी के मानकों के अनुरूप नहीं होने की पुष्टि की। प्रयोगशाला परीक्षणों ने भी दवाओं के नकली होने की पुष्टि की। जांच में पता चला कि सिंडिकेट सुसंगठित अंतरराज्यीय नेटवर्क के माध्यम से संचालित होता था। इसमें सोर्सिंग, निर्माण, वितरण

और खुदरा व्यापार शामिल था। नकली दवाओं के कारोबार से शुरुआती संपर्क अक्सर फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से शुरू होता था। आरोपी मोहम्मद आलम और मोहम्मद जुवैर को पोस्ट और संदेशों के माध्यम से नकली दवा आपूर्तिकर्ताओं से परिचित कराया गया था। दवाइयां महराजगंज के अरुण, करनाल के कोमल, गोरखपुर के सुमित और अन्य आपूर्तिकर्ताओं से प्राप्त की जाती थीं। इनमें न केवल अल्ट्रासेट और ऑगमेंटिन शामिल थे, बल्कि ज़ीरो डोल एसपी, पैंटॉप डीएसआर, कनकोर्ट इंजेक्शन और भी बहुत दवाइयां शामिल थीं। सरगना राजेश मिश्रा ने दवा निर्माण में अपने पूर्व अनुभव का इस्तेमाल करके जींद में परमानंद द्वारा महालक्ष्मी नाम से संचालित एक गुप्त इकाई के माध्यम से नकली उत्पादन फिर से शुरू किया था। आरोपी भुगतान का लेनदेन मोबाइल वॉलेट और बारकोड से करते थे। बरामद मोबाइल से ऐसे संपर्कों का पता चला जो कोमल जी करनाल, अमित जैन स्किनशाइन दिल्ली, पप्पी भैया जीकेपी) के साथ सेव किए हुए थे। खुदरा वितरण विश्वसनीय मेडिकल स्टोर, झोलाछापों के जरिए सीधे होता था। आरोपी सुरक्षा एजेंसियों से बचने के लिए वित्तीय लेनदेन रिश्तेदारों के खातों के माध्यम से करते थे। ये कूरियर और निजी वाहनों का इस्तेमाल करते थे। यूपी के गोरखपुर निवासी राजेश मिश्रा सिंडिकेट का सरगना है। पैकेजिंग सामग्री, डाई की आपूर्ति से लेकर नकली दवाओं के निर्माण तक, पूरे ऑपरेशन का साजिशकर्ता है। मोहम्मद आलम दिल्ली एनसीआर में नकली दवाओं के परिवहन में अहम भूमिका निभाता था। मोहम्मद सलीम मोहम्मद आलम का भाई है। वह ज़ब्त की गई वैगनआर गाड़ी का सह-चालक था और नकली दवाओं के रसद और वितरण में सहायता कर रहा था। मुरादाबाद के मैनाठेर स्थित नौसाना शेखूपुर निवासी मोहम्मद जुवैर आलम और सलीम को नकली दवाइयां सप्लाई करता था। यूपी के देवरिया निवासी प्रेम शंकर प्रजापति प्रमुख मध्यस्थ और ट्रांसपोर्टर के रूप में काम करता था। हरियाणा के जींद निवासी परमानंद कारखाना मालिक था और लक्ष्मी मां नाम से फार्मा चलाता था। जहा नकली अल्ट्रासेट टैबलेट असली दिखने वाली पैकेजिंग और हिमाचल प्रदेश के बद्दी से प्राप्त पन्नी का उपयोग करके बनाई जाती थीं। उसके पास दवा की दुकान का लाइसेंस था, लेकिन इन दवाओं के निर्माण का अधिकार नहीं था।

मौसम पल-पल बदल रहा रूप, कभी छांव तो कभी धूप

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में मौसम पल-पल करवट ले रहा है। कभी धूप निकल रही है, तो कभी काले बादलों का डेरा झमाझम बारिश कराने लगता है। रविवार को बादल छाए रहे, जिससे तापमान कम रहा लेकिन उमस से लोग परेशान रहे। अधिकतम तापमान सामान्य से 0.1 डिग्री सेल्सियस कम के साथ 34.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, न्यूनतम तापमान सामान्य से 2.9 डिग्री सेल्सियस कम के साथ 24.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बीते 24 घंटे में हवा में नमी का स्तर 100 से 68 फीसदी रहा। वहीं, मौसम विभाग ने सोमवार को बारिश होने की संभावना जताई है। आसमान में बादल छाए रहेंगे। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 और 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। मौसम विभाग ने 5 अगस्त को दिल्ली-एनसीआर के अलग-अलग हिस्सों में बादल छाए रहने और गरज चमक के साथ बारिश का अनुमान जताया है। इसके बाद 6 से लेकर 9 अगस्त के दौरान छिटपुट बादल छाए रहने और गरज चमक के साथ रुक-रुक फुहारें पड़ने का अनुमान है। मौसम विभाग का कहना है कि इस पूरे हफ्ते फुहारें पड़ती रहने के कारण दिल्ली में अधिकतम तापमान 31 से 35 डिग्री सेल्सियस बने रहने का अनुमान है। मौसम विभाग का कहना है कि मौजूदा समय में कई वेदर सिस्टम एक्टिव हैं। एक मानसूनी ट्रफ अमृतसर, चंडीगढ़, शामली, लखनऊ, छपरा, बांकुरा से दक्षिण-पूर्व की ओर उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी तक गुजर रही है। वहीं एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन उत्तर-पूर्व बिहार, उत्तर-पश्चिम बिहार और उससे लगे उत्तर-पूर्व उत्तर प्रदेश पर स्थित है। पंजाब और आसपास के क्षेत्रों में भी साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना है। इसके साथ ही पश्चिमी विक्षोभ भी देखा जा रहा है।

धड़ाधड़ कैंसल हो रहे हिल स्टेशन के प्लान, हो रहा भारी नुकसान

नई दिल्ली। दिल्लीवासी वीकेंड का लुत्फ उठाने के लिए हिल स्टेशन को अपनी लिस्ट में सबसे ऊपर रखते हैं। ताजी हवा, ठंडी वादियां और सुकून भरा माहौल उनकी थकान मिटाने का जरिया बनता है। ऐसे में इस बार 15 अगस्त के लंबे वीकेंड के लिए भी कई परिवारों और दोस्तों ने उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के हिल स्टेशनों की योजना बनाई थी लेकिन प्रकृति के प्रकोप ने उनकी योजनाओं पर पानी फेर दिया है। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में बादल फटने की घटनाओं से लोग दहशत में हैं। ऐसे में दिल्लीवालों ने हिल स्टेशन यात्राओं की बुकिंग रद्द कर दी हैं। इसके कारण अगस्त और सितंबर में बुकिंग में भारी कमी देखी जा रही है। पिछले साल की तुलना में पर्यटकों की संख्या में 50 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में बादल फटने, भूस्खलन समेत अन्य प्राकृतिक आपदाओं के कारण लोग सुरक्षा को प्राथमिकता दे रहे हैं। कई पर्यटकों ने एडवांस भुगतान के बाद भी त्रासदी को देखते हुए अपनी यात्रा रद्द कर दी है। दिल्ली टैक्सी, टूरिस्ट ट्रांसपोर्ट एंड टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय सम्राट ने बताया कि इस बार मानसून सीजन में दिल्लीवालों ने हिल स्टेशन यात्राओं की बुकिंग रद्द कर दी हैं। इसके कारण अगस्त और सितंबर में बुकिंग में भारी कमी देखी जा रही है। पिछले साल की तुलना में पर्यटकों की संख्या में 50 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में बादल फटने, भूस्खलन समेत अन्य प्राकृतिक आपदाओं के कारण लोग सुरक्षा को प्राथमिकतापर्यटकों की कमी से स्थानीय कारोबार पर भी असर पड़ रहा है। होटल, टैक्सी सर्विस और स्थानीय दुकानदारों को भारी नुकसान हो रहा है। लोग सोशल मीडिया के पोस्ट को देखकर ज्यादा डर रहे है। हालांकि, सरकार की तरफ से कई सड़कों को बंद करने की घोषणा कर दी गई है, ऐसे में स्थिति के ठीक होने का इंतजार है।

पूर्व सरकार के पास 5200 करोड़ की राशि थी: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

प्रथम पृष्ठ का शेष

मुख्यमंत्री ने इस तथ्य पर भी ध्यान दिलाया कि दिल्ली सरकार श्रमिकों के पंजीकरण के लिए 25 रुपये और नवीनीकरण के लिए 20 रुपये वसूलती रही, जबकि केंद्र सरकार यह सेवा पूर्णतः निःशुल्क देती है। इस अतिरिक्त शुल्क के चलते श्रमिकों का वार्षिक डाटा केवल 7 प्रतिशत ही नवीनीकरण हो सका, जबकि केंद्र का डाटा 100 प्रतिशत रिन्यू होता है। मुख्यमंत्री ने इस पूरे मामले को आम आदमी पार्टी की खास मानसिकता का परिचायक बताया और मांग की कि इस मामले को पब्लिक अकाउंट्स कमेटी (PAC) को भेजा जाए तथा दोषी अधिकारियों और मंत्रियों पर कठोर कार्रवाई की जाए।

खाटू श्याम मंदिर के पास झाड़ियों में मिला दिव्यांग का शव, लोग बोले ये भीख मांगता

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित अलीपुर के जींदपुर स्थित खाटू श्याम मंदिर के पास झाड़ियों में एक दिव्यांग व्यक्ति का शव मिला है। उसके शरीर पर कोई चोट का निशान नहीं मिला है। उसके पास से कोई दस्तावेज नहीं मिलने से मृतक की शिनाख्त अभी नहीं हो पाई है। पुलिस ने उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए रखवा दिया है और मृतक की शिनाख्त करने में जुटी है। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि 25 जुलाई को पुलिस को खाटू श्याम मंदिर के पास झाड़ी में एक व्यक्ति का शव पड़े होने की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही अलीपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने देखा कि करीब 40 साल के व्यक्ति का शव पड़ा है। उसके दोनों हाथ नहीं थे। पुलिस ने जांच पड़ताल कर बताया कि उसके शरीर पर कोई चोट का निशान नहीं मिला है। तलाशी के दौरान पुलिस को उसके पास से कोई दस्तावेज नहीं मिला। जिससे उसकी पहचान नहीं हो पाई। शुरुआती पूछताछ में स्थानीय लोगों ने बताया कि मृतक को मंदिर के आस पास भीख मांगते हुए देखा था। लेकिन किसी ने उसके घर और परिवार के बारे में कोई जानकारी मुहैया नहीं करवा पाया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए शव गृह में रख दिया गया है। पुलिस आस पास के इलाके में उसके फोटो लेकर डोर टू डोर उसकी पहचान करने की कोशिश कर रही है। साथ ही पुलिस ने दिल्ली के सभी थाना पुलिस को शव मिलने की जानकारी दे दी है, ताकि परिवार के किसी सदस्य के संपर्क करने पर मृतक की शिनाख्त की जा सके। पुलिस अधिकारी का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही उसके मौत के कारणों का खुलासा हो पाएगा।

न्यूनतम पेंशन बढ़ाने की मांग, जंतर मंतर पर भरी हुंकार

नई दिल्ली। न्यूनतम पेंशन बढ़ाने समेत अन्य मांगों को लेकर ईपीएस 95 राष्ट्रीय संघर्ष समिति ने सोमवार को जंतर मंतर पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी यूपी, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा समेत अन्य राज्यों से बैनर व तख्तियां लेकर पहुंचे थे। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री से लेकर सभी मंत्रियों ने समिति के सदस्यों से मुलाकात में पेंशन 1000 से बढ़कर 7500 रुपये करने, महंगाई भत्ता देने व मुफ्त चिकित्सा सुविधा देने का आश्वासन दिया था। दोनों सदनों में पेंशन बढ़ोतरी के लिए सैकड़ों बार प्रश्न उठाए गए। इसके अलावा संसदीय समिति ने भी पेंशन बढ़ोतरी की सिफारिश की लेकिन वृद्ध पेंशनर पिछले 7-8 वर्षों से दर-दर की ठोकरे खा रहे हैं। इस दौरान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमांडर अशोक राउत ने कहा कि सरकार संवेदनहीन हो गई है इसलिए अब आंदोलन उग्र करना होगा। ऐसे में यह प्रदर्शन जंतर मंतर पर 5 अगस्त को भी जारी रहेगा।

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि गहरवार महाविद्यालय, जय माँ विंध्यवासिनी सेवा संस्थान के माध्यम से, जिसकी प्रबंधक श्रीमती सीमा सिंह पुत्री श्री राधेश्याम सिंह तथा अन्य, ग्राम सेमरी कला, परगना-दीक्षित, तहसील- तरबगंज, जनपद-गोंडा, उत्तर प्रदेश में स्थित गैर-कृषि भूमि क्षेत्रफल 0.2960 हेक्टेयर (खसरा संख्या 1715क एवं 1715ग में से) की स्वामी है (जिसे आगे उक्त संपत्ति कहा जाएगा)। उक्त संपत्ति का स्वामित्व विक्रय विलेख के आधार पर है, जो दस्तावेज़ संख्या 509, पुस्तक संख्या 01, खंड संख्या 3881, पृष्ठ संख्या 271-286, दिनांक 20.01.2016 को उप निबंधक कार्यालय, तरबगंज, गोंडा में पंजीकृत है, तथा सुधार विलेख दस्तावेज़ संख्या 5753, पुस्तक संख्या 01, खंड संख्या 4038, पृष्ठ संख्या 191-200, दिनांक 03.08.2016 को उप निबंधक कार्यालय, तरबगंज, गोंडा में पंजीकृत है। इसके अतिरिक्त, गहरवार महाविद्यालय द्वारा जय माँ विंध्यवासिनी सेवा संस्थान के माध्यम से उपरोक्त संपत्ति को यूनिटी स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड, जिसका पता 102, स्काई हाई, पार्क रोड, हजरतगंज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश ङ्क 226001 है, के पक्ष में ऋण/क्रेडिट सुविधा हेतु बंधक रखा गया है। उक्त संपत्ति पर यूनिटी स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड का भार वर्तमान में भी प्रभावी है। यदि किसी व्यक्ति को संबंधित संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया नोटिस की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति को पंजीकृत डाक के माध्यम से निम्नलिखित पते पर और ई-मेल के माध्यम से भेजा जा सकता है। यदि ऐसा नहीं किया जाता है, तो उपर्युक्त के अनुसार दावा को संबंधित संपत्ति के संबंध में शून्य और अमान्य माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती अंजू रानी एवं श्री योगेश कुमार, वर्तमान मालिक श्री राकेश कथूरिया से आवासीय निर्मित संपत्ति संख्या 4/154 (पुराना नंबर 70-ए/10), क्षेत्रफल 85 वर्ग गज, खसरा संख्या 1077/481, खाता संख्या 1019/1061 से संबंधित, जो कि ग्राम चंद्रावली उर्फ शाहदरा, कॉलोनी-ओल्ड तेजाब मिल, भोला नाथ नगर, इलाका शाहदरा, दिल्ली-110032 में स्थित है संपत्ति क्रय करने का इरादा रखते हैं। श्री राकेश कथूरिया ने उक्त संपत्ति श्रीमती सत्यवंती से एक उपहार विलेख (Gift Deed) के माध्यम से प्राप्त की थी, जो दिनांक 05.06.2014 को दस्तावेज़ संख्या 1986 के रूप में पंजीकृत हुई थी। कृपया ध्यान दें कि संपत्ति के मूल दस्तावेज़ों की श्रृंखला में से एक दस्तावेज़ - अपरिवर्तनीय पावर ऑफ अटॉर्नी (Irrevocable Power of Attorney) -खो गया है, जो कि दस्तावेज़ संख्या 5536, पुस्तक संख्या 01, वॉल्यूम संख्या 240, पृष्ठ संख्या 156-158, दिनांक 23.03.1974 को उप-पंजीयक- दिल्ली के कार्यालय में पंजीकृत हुआ था। इस संबंध में एक ऑनलाइन प्राथमिकी (लॉस्ट रिपोर्ट संख्याः रू 2570260/2025) दिनांक 09.02.2025 को क्राइम ब्रांच, दिल्ली में दर्ज की गई है। कृपया ध्यान दें कि उक्त संपत्ति वर्तमान में GIC हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, शाखाः GF-10 A-E, कंचनजंगा बिल्डिंग, बाराखंभा रोड, नई दिल्ली, द्वारा वित्तपोषित की जा रही है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

PUBLIC NOTICE

be it known that my client sh. ARUN SACHDEVA S/O late BASANT LAL SACHDEVA r/o. B-114,3RD FLOOR, FRONT SIDE, VISHWAS PARK, UTTAM NAGAR, WEST DELHI, DELHI -110059, Sh. JAYANT KUMAR S/O late BASANT LAL SACHDEVA r/o. PLOT NO -78, 3RD FLOOR, BLOCK -A,GALI NO -4 VIJAY NAGAR, MOHAN GARDEN, UTTAM NAGAR,WEST DELHI, DELHI -110059, and Sh PANKAJ SACHDEVA S/O KIRAN KUMAR SACHDEVA r/o. B-35 -B SUBHASH PARK, UTTAM NAGAR, WEST DELHI, DELHI -110059 are filling application in NDMC for appointment of successor-in-interest/substitution of the property no, SHOP NO -21, NEW CENTRAL MARKET, NEW DELHI, DELHI -110001. in the names of the above persons, on the grounds of relinquishment deed, surviving member certificate, copy of Aadhaar Card. if there any objections/ claims from the general public on this application, the same shall be communicated to NDMC with supporting documents through registered post or by visiting NDMC or through an email at so.estateii@ndmc.gov.in within 30 days of publication of this notice.

ADVOCATE
VIJAY AGNIHOTRI Advocate
Ernl No-D-569/2022
Ch No-F-421,
KARKARDOOMA COURT,
DELHI-110032
Email:-
vijayagnihotri971@gmail.com

NAME CHANGE

I, SIVAKAMI mother of NO-14669638L, Rank-NK Name-B BALAJI KANNAN residing at VPO-VEERAPANDI, TEHSIL-KANDACHIPURAM, DIST-VILLUPURAM, TAMIL NADU-605758, have changed my name from SIVAKAMI to SIVAGAMY P for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1969 instead of my correct date of birth as 15/03/1965 Vide Affidavit dated 08/08/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, No. 14845570A Rank-NK/MT Name-DHANANJOY HALDAR Presently residing at VILL-GOBARDHANPUR, PO-CHAPDA, TEH-TAMLUK, DIST-PURBA MEDINIPUR, WEST BENGAL-721154, have changed my father's name from MOHAN CH HALDAR to MOHAN CHANDRA HALDAR for all future purposes vide Affidavit dated 07/08/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, Iqubal Khan s/o Noor Mohd R/O Tauru Road, Near Bye Pass, Ward No.4, Nuh, Mewat, Haryana-122107, have Changed my name to Iqbal Khan permanently

NAME CHANGE

I Urmila Devi Alias Chanchal Bharti W/O Amar Prasad, R/o H. No. 30/5-B, Hari Om Street No. 1, Babar Pur, East Delhi, Delhi – 110032 Adhar No. 8981 7265 7723 and PAN no. ADEPC7580J inform that Urmila Devi Alias Chanchal Bharti is same and one person

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्‌घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **नीरज, पुत्र मामन सिंह निवासी पाइपलाइन के पास, गली नं. 5, लोनी, गाजियाबाद, उ.प्र.** ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 292/2011, भा.द.सं. की धारा 380/511/34 के तहत, थाना शाहदरा, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **नीरज** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **नीरज** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है **कि प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 292/2011, भा.द.सं. की धारा 380/511/34 के तहत, थाना शाहदरा, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **नीरज** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **25.09.2025** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री स्वाति शर्मा
मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, कमरा नं. 59, तृतीय तल
शाहदरा जिला, कड़कड़डूमा कोर्ट्स, दिल्ली
DP/10053/SHD/2025

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सुनील उर्फ अजय, पुत्रः श्री अशोक सिंह, पताः गली नं. 1, आशा राम बाल्मीकि का घर, गढ़, मकानपुर, इंदिरापुरम, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No. 65/16, dated 28.01.2016, U/s 392/411/34 IPC, पुलिस थाना सनलाइट कॉलोनी, नई दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **सुनील उर्फ अजय** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **सुनील उर्फ अजय** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 65/16, dated 28.01.2016, U/s 392/411/34 IPC, पुलिस थाना सनलाइट कॉलोनी, नई दिल्ली** के अभियुक्त **सुनील उर्फ अजय** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **10.09.2025 को 10:00 बजे** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री अदिति राव
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-07
दक्षिण पूर्व जिला, कमरा नं. 508
साकेत कोर्ट, नई दिल्ली
DP/10440/SE/2025

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **शाकिर, पुत्रः** श्री फेमू, **पताः** अमन गार्डन, टंकी वाला रास्ता, अशोक विहार, लोनी, गाजियाबाद (उ.प्र.) ने मुकदमा **FIR No. 114/23, U/s 379/411/34 IPC, थानाः शाहदरा, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **शाकिर** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **शाकिर** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **FIR No. 114/23, U/s 379/411/34 IPC, थानाः शाहदरा, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **शाकिर** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **26.11.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री स्वाति शर्मा
मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी
कमरा सं. 59, तृतीय तल, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली
DP/10050/SHD/2025
(Court Matter)

NAME CHANGE

I, AISHWARYA P is Spouse of No. 15721938A Rank- L/NK Name-PRASATH D, R/o VPO-AGRAHARAM, TEH-NATRAMPALLI, DIST-VELLORE (TAMILNADU)-635651 have changed my name from AISHWARYA P to AISHWARYA M for all future purposes. Vide Affidavit Dated 08/08/2025 Before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

I, JAYASHREE Spouse of No. 2804335H Rank- HAV Name- JADHAV AJIT ASHOK, R/O VILL- GONDI POST- SHERE, TEL-KARAD, DIST-SATARA, STATE MAHARASHTRA, PIN-415108, have changed my name from JAYASHREE To JAYASHRI AJIT JADHAV for all future purposes. Vide affidavit dated 06.08.2025 before Public Notary Delhi.

Lost & Found

LOST ORIGINAL PARTITION DEED BETWEEN SAGAR CHAND CHAWLA AND SUBHASH CHANDER CHAWLA OF PROPERTY NO. 71/34, PREM NAGAR, JANAKPURI, NEW DELHI-110058. If found Contact - 9811451551

Lost & Found

Lost property documents of property no. 5/3, Facility Center, Mayapuri, Phase - 2, New Delhi - 110064 in the name of Satpal Singh s/o Ajit Singh. If found contact 9818521210

NAME CHANGE

I hitherto known as Deepak Kumar S/o Ram Chandra Verma R/o 117, Radha Colony, Lal Kuan, Ghaziabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201002 have changed my name and shall hereafter be known as Shubham Verma.

NAME CHANGE

I, Kushagra Kumar S/o Raju Kumar R/o Flat No 1203, Tower F6, Panchsheel Greens 1, Greater Noida West, Greater Noida, Bisrakh, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201306 have changed the name of my minor son Somik Kushagra aged 04 years and he shall hereafter be known as Avyaan Kushagra.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mr. Narain Das is the owner of Freehold Residential Entire Third Floor with roof/terrace rights in left side, Built-up Property Bearing No. B-210 (WZ-428), area admeasuring 75 Sq. Yds., Situated in the area of Village Bassai Darapur in the Abadi of Janta Colony Raghubir Nagar Know now as Shivaji Vihar, New Delhi- 110027. by virtue of Sale Deed dated 11.10.2021, as Document no. 11277, in Book no. 1, Volume no. 25886, on Pages 69-76, dated 11.10.2021. in the chain document below mentioned document not available i.e. Original Gift Deed dated 28.01.2019 executed by Mr. Mohit Sachdeva S/o Mr. Late. Sanjiv Sachdeva in favour of Mrs. Divya Goswami W/o Mr. Yogesh Sachdeva now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property Sold too be Mrs. Varsha and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Noida Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

RAMGARHIA CO-OPERATIVE BANK LTD.,
1/4, Desh Bandhu Gupta Road, Pahar Ganj, New Delhi – 110 055.

SYMBOLIC POSSESSION NOTICE [SECTION 13(4)
(For Immovable property)

Whereas :
The undersigned being the Authorised Officer of the **Ramgarhia Co-operative Bank Ltd.** under Securitization And Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act, 2002 (Act 54 of 2002 (hereinafter referred to as "the Act") and in exercise of powers conferred under Section 13(2) read with Rule 3 of the Security Interest (Enforcement) Rules 2002, issued a Demand Notice details given as below we had pasted the same notice on the property calling upon the Borrower/Guarantor Borrower/ Co Borrower to repay the amount mentioned in the notice, respectively within 60 days from the date of receipt of the said notice.

The borrower having failed to repay the amount, notice is hereby given to the borrower and the public in general that the undersigned has taken possession of the property described herein below in exercise of powers conferred on him / her under section 13(4) of the said Act, read with Rule 8 & 9 of the said Rule on this **08th day of August of the year 2025.**

S. No	Name of the Borrower/ Guarantor/ Borrower/Co-Borrower	Property Details	Date of issuing 13(2)	Date of issuing 13(4)	Amount
1.	**Sh. Manpreet Singh Guarantor : 1. Smt. Amaninder Kaur 2. Sh. Amarjit Singh**	FIRST FLOOR WITHOUT ROOF/TERRACE RIGHTS CONSISTING OF TWO ROOM SET BUILD ON FREEHOLD PROPERTYNO-WZ-6-A LAND AREA MEASURING 50 SQ. YDS, OUT OF KHASRA NO.12/5 SITUATED IN THE AREA OF VILLAGE CHOUKHANDI SANT NAGAR EXTN., NEW DELHI.	26/02/2025	29/07/2025	**Rs.1,94,766/- (Rupees One Lakh Ninety Four Thousand Seven Hundred Sixty Six only) as on 30/04/2025 + further interest and legal charges**
2.	**Smt. Bala Guarantor : 1. Sh. Dinesh Kumar 2. Sh. Karam Chand**	Second Floor, upto ceiling level only (without roof rights), having its area measuring 90 sq. yds., i.e. 75.25 sq. mtrs., consisting of according to the site, with common rights of stairs, passage & other common facilities, southern side portion of property bearing No. B-2/10, out of Khasra No. 333, situated at village Mustafabad, Nehru Vihar, Dayalpur, Illaqa Shahdara, Delhi- 110094	15/06/2021	30/07/2025	**Rs.10,06,813/- (Rupees Ten Lakh Six Thousand Eight Hundred Thirteen) as on 31/05/2021 + further interest and legal charges**

The borrower's attention is invited to the provisions of Section 13(8) of the Act, in respect of time available, to redeem the secured assets.

Authorized Representative
Phone : 011- 40192447, 011- 45595302
E-mail : rcbl_ho@ramgarhiabank.com

Delhi Branch

BOMBAY MERCANTILE COOPERATIVE BANK LTD. (SCHEDULED BANK)

36, NETAJI SUBHASH MARG, DARYA GANJ, NEW DELHI-110002 PH:23273786, 23266869, 47199100, FAX: 2325979

PUBLIC NOTICE FOR SALE

The undersigned being the Authorised Officer of Bombay Mercantile Co-operative Bank Ltd., Under Securitisation & Reconstruction of Financial Assets & Enforcement of Security Interest Act, 2002 respect of immoveable properties which will be sold by public auction on **"AS IS WHERE IS AND WHAT IS"** basis invites sealed Bids/Tenders from interested parties for purchasing the following secured assets under provisions of Securitisation & Reconstruction of Financial Assets & Enforcement of Security Interest Act, 2002 and rules made there under.

DETAILS OF PROPERTIES

Name of the Borrower : **Smt. Ekta Rani**
1. Secured Debt to be : Rs.30,52,756.00 due as on 06.12.2022 and further interest recovered thereon till realization

S. No	Description of the Property :	Area	Reserve Price
1.	Property Upper Ground Floor Flat, Having Super Covered Area 100.33 Sq. mtr i.e. 120 Sq. Yds i.e. 1080 Sq. Ft Out of Stilt Plus Three Storied Residential Building, Built up on Property No. D-415, Building Known as "Park View Apartment", situated at Indraprastha Colony, Ghaziabad, Distt.-Ghaziabad Uttar Pradesh	100.33 Sq.mtrs.	Rs.28,00,000/-

2. The sealed Bids/ Tenders shall be accepted with **EARNEST MONEY** 10% of Reserve Price with application each proposed property by way of Demand Draft / Payorder in favour of the **Authorised Officer, Bombay Mercantile Cooperative Bank Ltd.,** payable at Delhi. The bids/ tenders without Earnest Money shall not be entertained.
3. The inspection of the property/plot will be made available on 20th August, 2025 from 11. a.m. to 4.00 p.m.
4. The submission of Bids/Tenders/Offers shall be received by Authorized Officer/ Branch Manager in a sealed envelope/cover alongwith Demand Draft/ Payorder for the Earnest Money favouring **"Authorised Officer, Bombay Mercantile Cooperative Bank Ltd."** Payable at Delhi on or before 26th August, 2025 at the bank premises at 36, Netaji Subhash Marg, Daryaganj, New Delhi.
5. The Tenders received from bidders will be opened at 11.00 a.m. on 26.08.2025 at the bank premises 36, Netaji Subhash Marg, Daryaganj, New Delhi 110 002. Thereafter an auction shall be held and Bidders shall be allowed to improve their offer.
6. The bidders shall have to bear Stamp Duty, Transfer Charges, Electricity dues, Water dues, Cess, Society dues, all other Government dues and taxes if any & all other incidental cost, charges including all taxes and taxes and rates and outgoings relating to the property.
7. The successful bidders shall be required to pay immediately an amount equal to 25% of the bid amount (including Earnest Money Deposit already paid) of the Secured Assets in respect of immoveable property he has submitted in his bid. The balance amount shall be deposited within 15 days from the date of letter of acceptance of the tender. On default in the payment of such deposit the previous deposit would stand forfeited and Authorised Officer may put up again the Secured Assets for sale/resale at its discretion.
8. The Authorised Officer is not bound to accept the highest offer or any or all offer and reserve the right to accept or reject any or all the tender's without assigning any reason whatsoever thereof or postpone the date & Time of opening the tenders of sale confirmation. In case all the tenders are rejected, Authorised Officer can negotiate with any of the tenderers or other parties for sale of the secured assets in private treaty.
9. The interested parties may contact for further details to the undersigned or Branch Manager at Bombay Mercantile Cooperative Bank Ltd., 36, Netaji Subhash Marg, Daryaganj, New Delhi 110 002 Telephone No. 011-**23259794 and 23273786**

Place : Delhi
Date : 9.08.2025

(Aziz Ur Rehman Khan)
AUTHORIZED OFFICER/BRANCH MANAGER

NAME CHANGE

I, SUDHIR KUMAR SHARMA S/O MUKESH KUMAR SHARMA R/O BLOCK K-II HOUSE NO.2/38A GALI NO 2, SANGAM VIHAR, DEOLI, SOUTH DELHI, DELHI-110062 have changed my name from SUDHIR to SUDHIR KUMAR SHARMA for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mrs. Gurvinder Kaur W/o Mr. Kulbir Singh is the owner of Freehold Residential First Floor without terrace rights area measuring 80 Sq. Yds i.e. 66.88 sq. mtrs. built on Property No. 1410-F Gali No. 13 out of Khasra no. 600/93, situated at Govindpuri, Kalkaji, New Delhi-110019. by virtue of Gift Deed dated 04.11.2024 duly registered in the office of S.R. South East Mehrauli, as Doc no. 2024/10/I/7760, Book no. 1, Vol no. 18258, Pages 163-178, dated 11.11.2024. in the chain document below mentioned document i.e. SMC of Late Sh. Swarn Singh now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same has been finance by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch: Kalkaji Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

DATE OF BIRTH CHANGE

I, AVTAR SINGH Father of No-13700681 Rank-ALD Name-SUKHJINDER SINGH Presently residing at PATI TANGER, VILL & PO-VAIN POIN, DISTT-TARN TARAN, PUNJAB-143401, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 26/04/1967 instead of my correct date of birth as 01/01/1969 vide Affidavit dated 08/08/2025 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE

I, NINDER KAUR Mother of No-13700681 Rank-ALD Name-SUKHJINDER SINGH Presently residing at PATI TANGER, VILL & PO-VAIN POIN, DISTT-TARN TARAN, PUNJAB-143401, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 05/08/1969 instead of my correct date of birth as 01/01/1970 vide Affidavit dated 08/08/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, DIPTI DEVI W/O RATTAN LAL R/O A-485, GHAROLI DAIRY FARM, MAYUR VIHAR PH-3, DELHI-110096, have Changed my name to DIPTI for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given owner of House/Flat No. 1538/LIG/GF, Situated at Housing Board Colony, Sector-29, Faridabad Haryana "Said Property", vide the General public on behalf of our client i.e. ICICI Home Finance Co. Ltd. that Mr. Mukesh Mittal is the Transfer Deed dated 27.08.2024 registration No. 5255 executed by Mr. Rajender Kumar alias Rajender Mittal, has lost/misplaced Original Sale deed dated 09.04.2010 registration No. 422 with respect of the said property. All persons are hereby informed not to deal or carry out any transaction with anyone on the basis of the said missing document. If anyone has out any transaction, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 14 days of the present. has already carried out or being carried

For Kumar & Associates
Advocates & Consultants)
200, Second Floors, Shivaji Marg,
Moti Nagar, New Delhi-15
legal@knalegal.com,
011-41112527-28

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

दवाईयों की दुकानों पर लगे सीसीटीवी की हो नियमित जांच

एजेंसी

जींद। जिले में नशा मुक्त हरियाणा अभियान को जमीनी स्तर पर प्रभावी एवं परिणामोन्मुखी बनाने के उद्देश्य से डीसी मोहम्मद इमरान रजा की अध्यक्षता में लघु सचिवालय स्थित सभागार में को नारको कोऑर्डिनेशन कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक कुलदीप कुमार, एडीसी विवेक आर्य सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे। डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करते हुए नशे के खिलाफ ठोस एवं निर्णायक कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जिले में संचालित समस्त दवा विक्रेताओं की दुकानों पर लगे सीसी टीवी कैमरों की नियमित जांच की जाए ताकि उनकी कार्यशीलता बनी रहे और किसी भी अवैध गतिविधि पर समय रहते अंकुश लगाया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रत्येक दवा दुकान पर वैध लाइसेंस की प्रति स्पष्ट रूप से चस्पा की जाए। जिससे पारदर्शिता बनी रहे और आमजन को भरोसा मिले कि दवा विक्रय कानूनी दायरे में हो रहा है। शिक्षा विभाग सभी स्कूलों, कॉलेजों और अन्य शिक्षण संस्थानों में नशे के दुष्परिणामों को लेकर निरंतर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करते रहें। डीसी ने निर्देश दिए कि किसी भी सरकारी विभागीय भूमि, स्कूल या कॉलेज परिसर में यदि कैनाबिस (भांग) के पौधे उग हों तो उन्हें तुरंत प्रभाव से नष्ट किया जाए। सभी संबंधित विभाग इस संबंध में नियमित निरीक्षण करें और मासिक रिपोर्ट निर्धारित प्रारूप में जिला प्रशासन को प्रेषित करें।

रोडवेज चालक संघ ने महाप्रबंधक से मुलाकात कर बताई मांगें

हिसार। हरियाणा रोडवेज चालक संघ ने हिसार डिपो महाप्रबंधक राहुल मित्तल से मुलाकात की। चालक संघ ने महाप्रबंधक के समक्ष चालकों की समस्याएं रखीं, जिन्हें उन्होंने दूर करने का आश्वासन दिया।चालक संघ के हिसार डिपो प्रधान अमित जुगलान व हांसी सब डिपो प्रधान सतीश बामल के नेतृत्व में कर्मचारियों ने महाप्रबंधक राहुल मित्तल से मुलाकात की। मिलने वालों में उपरोक्त के अलावा सूरजमल पाबड़ा, सत्यवान, जगबीर यादव, सुशील माढ़ा व धर्मवीर सहित अन्य भी थे। सभी ने जीएम को फूलों का गुलदस्ता देकर उनका स्वागत किया और उन्हें चालक वर्ग की समस्याओं से अवगत करवाया। चालक संघ ने कहा कि विभाग को आगे बढ़ाने में चालक संघ हरसंभव सहायता करेगा। महाप्रबंधक ने चालक संघ को आश्वासन दिया कि कर्मचारियों को उनके ?उचित लाभ दिए जाएंगे।

स्वास्थ्य सेवाओं में गोहाना अस्पताल को सर्वश्रेष्ठ बनाएंगे : डॉ अरविंद शर्मा

सोनीपत। गोहाना में सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत और पर्यटन मंत्री अरविंद शर्मा ने बरोदा रोड स्थित उपमंडल नागरिक अस्पताल का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने फार्मेसी, आपातकालीन सेवाओं और ओपीडी का दौरा करते हुए अस्पताल में मौजूद खामियों पर चिंता जताई। निरीक्षण के दौरान पता चला कि अस्पताल की पुरानी अल्ट्रासाउंड मशीन खराब है और अल्ट्रासाउंड रेडियोलॉजिस्ट उपलब्ध नहीं है। पैथालॉजी विभाग में भी विभिन्न श्रेणी के सामान की आपूर्ति अनियमित पाई गई। इसके अलावा, मरीजों को एक्सरे मशीन के डिजिटल प्रिंट नहीं मिल रहे थे, जिसका कारण कंप्यूटर और यूपीएस की कमी सामने आया। इन समस्याओं को देखते हुए मंत्री ने तुरंत स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव से फोन पर चर्चा की और नई अल्ट्रासाउंड मशीन, रेडियोलॉजिस्ट की नियुक्ति तथा पैथालॉजी सामग्री की नियमित आपूर्ति की मांग की। स्वास्थ्य मंत्री ने शीघ्र समाधान का भरोसादिया। कैबिनेट मंत्री ने अस्पताल के एसएमओ को निर्देश दिए कि चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ और अन्य कर्मचारियों के सहयोग से अस्पताल की सेवाएं प्रदेश में सर्वोत्तम बनें। उन्होंने यह भी घोषणा की कि एक्सरे प्रिंट की समस्या को दूर करने के लिए वे अपने कोटे से कंप्यूटर और यूपीएस उपलब्ध कराएंगे।

गोहाना छोड़कर हरियाणा में वकील लौटे काम पर

सोनीपत। हरियाणा में पुलिस और वकीलों केबीच हुए विवाद के बाद बंद किए गए वकालत कार्य को वकीलों ने फिर से शुरू कर दिया है। हालांकि, गोहाना में वकीलों का धरना तब तक जारी रहेगा, जब तक दोषियों के खिलाफ ममाला दर्ज नहीं हो जाता। गोहाना बार एसोसिएशन के प्रधान संदीप पुनिया ने बताया कि पुलिस आयुक्त से हुई बैठक सकारात्मक रही, जिसमें वकीलों को निष्पक्ष जांच और कार्रवाई का आश्वासन मिला। उन्होंने कहा कि प्रदेश भर में वकील काम पर लौट आए हैं, लेकिन गोहाना में प्रदर्शन तब तक चलेगा जब तक दोषियों पर मामला दर्ज नहीं होता और सख्त कार्रवाई नहीं होती। विवाद की पहली शिकायत गुरुद्वारा रोड पर वकील अंकित मलिक के साथ बाजार में हुई मारपीट से जुड़ी है, जिसकी जांच के आदेश दिए गए हैं। दूसरी शिकायत उस समय की है, जब कुछ वकील सिटी थाने पहुंचे थे और पुलिसकर्मियों ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया। इस मामले में पूर्व प्रधान संदीप, रिंकू हुड्डा, कुलदीप हुड्डा, तरुण सैनी और अंकित मलिक शामिल थे। पुलिस आयुक्त ममता सिंह को दी पहली शिकायत में मामला दर्ज करने और दूसरी की जांच के बाद कार्रवाई का भरोसा दिया है।

आधुनिक तकनीक के साथ हरियाणा और इजरायल मिलकर करेंगे काम - मुख्यमंत्री

एजेंसी

चंडीगढ़। सिंह सैनी ने कहा कि अनुसंधान, स्वास्थ्य, कृषि प्रौद्योगिकी, उन्नत सिंचाई प्रणाली, कृत्रिम बुद्धिमता, वेस्ट वाटर सहित अन्य क्षेत्रों में आधुनिक तकनीक से हरियाणा और इजराइल मिलकर काम करेंगे और आगे बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से संत कबीर कुटीर चण्डीगढ़ में भारत में इजराइल के राजदूत रूवेन अज़ार ने शिष्टाचार मुलाकात कर आपसी सहयोग के साथ अन्य विषयों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दौरान हरियाणा में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने पर जोर दिया गया। इसके अलावा, इंटीग्रेटेड एविएशन हब हिसार, ओवरसीज प्लेसमेंट अधिक काम करने पर बल दिया गया। हरियाणा विदेश सहयोग विभाग के तहत ओवरसीज प्लेसमेंट के माध्यम से अब तक 180 से अधिक

युवा इजराइल में नौकरी कर रहे है। इसके अलावा, स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए इजराइल से पांच हजार नर्सों को नौकरी देने की मांग देशभर में आई है। जिसमे हरियाणा और भागीदारी बढ़ाना चाह रहा है। इसके अतिरिक्त, प्रदेश में ग्लोबल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सेंटर स्थापित करने को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। ताकि युवाओं को आधुनिक एआई कौशल में प्रशिक्षण देना और राज्य में तकनीकी नवाचार को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने बताया कि हरियाणा राज्य इजराइल के साथ और विभिन्न क्षेत्रों में भागीदारी बढ़ाना चाहता है। हरियाणा में वेस्ट वाटर को सिंचाई में प्रयोग करने व पानी को कृषि योग्य एवं पीने योग्य बनाने के लिए इजराइल के साथ नई तकनीक पर कार्य करेंगे। ताकि वेस्ट वाटर का उपयोग किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार ने विदेशों में रोजगार के अवसर तलाशने, दूसरे देशों से रिश्तों को और मजबूत करने के लिए विदेश सहयोग विभाग बनाया है। विदेशों में हरियाणा के युवाओं को रोजगार मिले और निर्यात को दोगुना बढ़ाने के लिए विदेशी सहयोग विभाग निरंतर कार्य कर रहा है।

जींद में सीजेएम ने नशा मुक्ति केंद्र का किया निरीक्षण

एजेंसी

जींद। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) मोनिका ने जींद के नागरिक अस्पताल में स्थित नशा मुक्ति केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने नशे की परिभाषा, प्रकार, प्रतिबंधित पदार्थों, और चेतावनी युक्त नशे पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि भारत में 1985 से लागू नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) एक्ट के तहत नशे से संबंधित अपराधों को अमानवीय माना जाता है और इसमें कठोर दंड का प्रावधान है। प्राधिकरण सचिव ने केंद्र में रह रहे व्यक्तियों को दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी ली और जरूरी दिशा-निर्देश देते हुए उनके रहने-खाने के बारे में विस्तार से जानकारी ली। प्राधिकरण सचिव ने निर्देश दिए कि व्यक्तियों की देखरेख में कोई कमी नहीं आनी चाहिए तथा उनके स्वास्थ्य से संबंधित कोई भी लापरवाही ना की जाए।

सीजेएम ने बताया कि हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार, कानूनी जानकारी के लिए नालसा पोर्टल (nalsa.gov.in) और राष्ट्रीय विधिक सहायता हेल्पलाइन नंबर 15100 उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि आगामी 13 सितम्बर 2025 को न्यायिक परिसर जींद, नरवाना व सफीदों में राष्ट्रीय लोक अदालत लगाई जाएगी तथा प्रत्येक कार्य दिवस को स्पेशल लोक अदालत लगाई जाती है। प्राधिकरण सचिव ने उपस्थित लोगों को बताया कि सड़क पर सुरक्षित यात्रा के लिए यातायात नियमों का पालन करना जरूरी है। दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना और गाड़ी चलाते समय सीट बेल्ट लगाना अनिवार्य है।

हर वर्ग के उत्थान में मील का पत्थर का साबित हो रही सरकार की नीतियां : भव्य बिश्नोई

एजेंसी

हिसार। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के प्रदेश प्रभारी भव्य बिश्नोई ने कहा है कि केन्द्र और प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी के 11 साल विकसित भारत का अमृत काल रहा है। इसमें सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण की दिशा में नीतियां लागू की गई जो की हर वर्ग के उत्थान में मील का पत्थर साबित हो रही हैं। भव्य बिश्नोई गुरुवार को हिसार स्थित पार्टी कार्यालय व आदमपुर आवास पर जनसमस्याएं सुनकर उनका मौके पर ही अधिकारियों से बातचीत करके निपटारा करके लोगों से बातचीत करते हुए कही। इस दौरान उन्होंने पार्टी के आगामी कार्यक्रमों जैसे तिरंगा यात्रा, विभाजन विभिषिका दिवस को लेकर कार्यकर्ताओं को आवश्यक निर्देश दिए। भव्य बिश्नोई इसके उपरांत आदमपुर के आधा दर्जन गांवों में अपनों के सुख दुख में शिरकत की। भव्य बिश्नोई ने कहा कि केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत देश भर में चार करोड़ मकान बनाए गए। हर घर जल योजना के अंतर्गत 15 करोड़ से ज्यादा ग्रामीण परिवारों को नल से जल मिला। प्रधानमंत्री सुरक्षा

योजना के तहत 51 करोड़ लोगों को सुरक्षा कवरेज मिला। 68 लाख रेहड़ी पटरी वालों बिना जमानत के ऋण उपलब्ध करवाया। किसानों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं जैसे फसल बीमा योजना, किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड शुरू किया। इसी तरह प्रदेश सरकार भी हर क्षेत्र और हर वर्ग के समान विकास के लिए बिना किसी भेदभाव कर रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार युवाओं को रोजगार देने के मामले में अग्रणीय भूमिका निभा रही है। आज प्रतिभावान युवाओं को सरकारी नौकरियां उनकी योग्यता के आधार पर मिल रही है न कि पूर्व की सरकार की तरह पर्ची-खर्ची के आधार पर। भाजपा ने पर्ची-खर्ची के सिस्टम को बंद करके युवाओं को सरकारी नौकरियां देने का काम किया है जिससे प्रदेश का युवा वर्ग सरकार से खुश है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पूरे प्रदेश में बिना किसी भेदभाव के विकास कार्य करवा रहे हैं और वे प्रदेश में विकास के नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। इस दौरान बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जैन संत सेठ प्रकाश चंद को श्रद्धांजलि के बाद निकाली नगर परिक्रमा

एजेंसी

सोनीपत। गोहाना में दिवंगत जैन संत गच्छाधिपति सेठ प्रकाश चंद महाराज के अंतिम दर्शन के लिए हजारों श्रद्धालु उमड़े। संत का जीवन विचार, तप और सर्वधर्म सद्भाव का प्रतीक रहा, जिसे लंबे समय तक स्मरण किया जाएगा। कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा ने संत को श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। अरविंद शर्मा ने कहा कि उनका जीवन राष्ट्र व समाज को सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ाने का संदेश देता रहेगा। उन्होंने बताया कि 18 जुलाई को संत के साथ भविष्य की योजनाओं पर चर्चा हुई थी, जिनमें समाज को एकजुट करने की प्रेरणा थी। मंत्री ने कहा कि वे एक अलौकिक दिव्य पुंज की भांति सदैव प्रेरणा देते रहेंगे। उनके दिखाए मार्ग पर हम सभी को मिलकर चलना है। तपोधनी पब्लिक स्कूल परिसर में अंतिम दर्शन के उपरांत नगर परिक्रमा निकाली गई, जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। और सद्भाव की विचारधारा समाज के लिए हमेशा प्रेरणा का स्रोत रहेगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने भी संत को श्रद्धांजलि दी और शोभायात्रा में भाग लिया। उन्होंने कहा कि समाज ने गुरुदेव के देवलोकगमन से एक अलौकिक आध्यात्मिक प्रकाश खो दिया है। उनका सादा जीवन, प्रेम, अहिंसा बड़ौली ने गन्नौर में स्व. नफे सिंह वशिष्ठ की सत्रहवीं रस्म पगड़ी पर भी पहुंचकर श्रद्धांजलि दी और परिजनों से भेंट कर सांत्वना दी। संत की विदाई ने समाज को शोकग्रस्त किया, लेकिन उनके विचार मार्गदर्शक बने रहेंगे।

हर जिले में बनेगा महिला छात्रावास,पहले चरण में चार जिलों में निर्माण प्रक्रिया जारी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार लखपति दीदी योजना को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ा रही है। उन्होंने अधिकारियों को मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के अंतर्गत विशेष शिविर आयोजित कर महिला लाभार्थियों को स्वरोजगार के लिए बैंक ऋण की सुविधा सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ग्रह संकल्प पत्र की प्रगति को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार भी उपस्थित रहे। आज की बैठक में चार विभागों- विकास एवं पंचायत, ग्रामीण विकास, महिला एवं बाल विकास और खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभागों के संकल्पों की समीक्षा की गई।मुख्यमंत्री ने

अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सरकार जनता से किए गए वायदों के प्रति पूरी तरह गंभीर है और सभी संकल्प समयबद्ध तरीके से लागू किए जाएं ताकि जनता को वास्तविक लाभ मिल सके। बैठक में बताया गया कि अब तक 'लखपति दीदी' योजना के तहत राज्य में 1 लाख 6 हजार से अधिक महिलाएं लखपति-दीदी बन चुकी हैं। चालू वित्त वर्ष में 25 हजार से अधिक महिलाओं को लखपति दीदी बनाने की प्रक्रिया चल रही है। बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि हरियाणा में कामकाजी महिलाओं को सुरक्षित आवास प्रदान करने के उद्देश्य से सरकार की हर जिले में महिला छात्रावास स्थापित करने की योजना है। पहले चरण में चार जिलों- पंचकूला, फरीदाबाद, गुरुग्राम और सोनीपत में महिला छात्रावास का निर्माण प्रक्रियाधीन है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इन महिला छात्रावासों को सौर ऊर्जा से जोड़ा जाए और इन भवनों में वातानुकूलित सुविधा भी प्रदान की जाए। साथ ही, अगले चरण में मानेसर व पानीपत जैसे इंडस्ट्रियल एरिया को प्राथमिकता देते हुए वहां महिला छात्रावास स्थापित किए जाएं। मुख्यमंत्री ने 'सक्षम आंगनवाड़ी' योजना की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि वर्ष 2025-26 में 2000 आंगनबाड़ियों को सक्षम आंगनबाड़ी केंद्रों में अपग्रेड किया जाए और इनमें सभी आवश्यक सुविधाएं शीघ्र उपलब्ध कराई जाएं। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने विभिन्न अनुसूचित जातियों के लिए बनाए जाने वाले सामुदायिक भवनों को लेकर निर्देश दिए कि इन भवनों को सौर ऊर्जा और वातानुकूलन जैसी आधुनिक सुविधाओं से युक्त किया जाए।

छात्राओं ने सैनिकों के लिए भेजीं 1500 राखियां

एजेंसी

सोनीपत। रक्षाबंधन के अवसर पर देश की सीमाओं की रक्षा में तैनात जवानों की कलाई सूनी न रहे, इस भावना के साथ भारत विकास परिषद गन्नौर शाखा ने लगभग 15 स्कूलों की छात्राओं द्वारा बनाई गई 1500 राखियां सैनिकों को भेजीं। ये राखियां छात्राओं ने अपने हाथों से प्रेम, सम्मान और देशभक्ति की भावना के साथ तैयार कीं। परिषद शाखा अध्यक्ष संदीप सिंघल ने बताया कि स्कूलों की छात्राओं को प्रेरित कर यह अभियान चलाया गया, ताकि वे देश की रक्षा कर रहे सैनिकों के प्रति अपने कर्तव्य और सम्मान की अभिव्यक्ति कर सकें। छात्राओं ने उत्साहपूर्वक स्नेहसूत्र तैयार कर उनके साथ मंगल कामनाएं भी प्रेषित कीं। परिषद सदस्य नरेंद्र पतंजलि ने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि सैनिक सीमा पर चट्टान की तरह अडिग रहकर देश की रक्षा कर रहे हैं। ऐसे में छात्राएं उनका मनोबल बढ़ाने और रक्षाबंधन का उत्सव उनके साथ बांटने का कार्य कर रही हैं, जो एक सराहनीय पहल है। यह रक्षा सूत्र कार्यक्रम भारत विकास परिषद गन्नौर नगर शाखा और विश्व हिंदू परिषद धर्म प्रसार विभाग गन्नौर खंड के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। इन राखियों को सीआरपीएफ के असिस्टेंट कमांडेंट हनुमान सिंह को नरेंद्र भारतीय (प्रांत परिवर्तन प्रमुख) और विकास (जिला ढाबा प्रमुख) द्वारा सौंपा गया। कमांडर हनुमान सिंह ने कहा कि हम सभी सैनिक रक्षासूत्र राखी पाकर काफी प्रसन्न हैं।

हरियाणा राज्य सीनियर एवं जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप शुरू

एजेंसी

हिसार। एचपीएसजी नर्सरी, विद्युत नगर में 58वीं योनेक्स सनराइज हरियाणा राज्य सीनियर एवं जूनियर (अंडर-19) बैडमिंटन चैंपियनशिप-2025 का आगाज हुआ। इस प्रतियोगिता का उद्घाटन मंडल आयुक्त एवं बिजली निगम के प्रबंध निदेशक अशोक गर्ग ने किया। इस अवसर पर हरियाणा बैडमिंटन एसोसिएशन के सचिव अजय सिंघानिया व वाइस प्रेसिडेंट बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया की भी विशेष उपस्थिति रही। इस आयोजन में प्रदेशभर के खिलाड़ी अपनी श्रेष्ठ क्षमता का प्रदर्शन कर रहे हैं। मुख्य अतिथि अशोक गर्ग ने कहा कि इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में सभी जिलों के 500 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं यह प्रतियोगिता चार दिन चलेगी तथा इसमें विजेता खिलाड़ियों का रैंक के आधार पर नेशनल चैंपियनशिप के लिए चयन होगा। उन्होंने सभी बैडमिंटन खिलाड़ियों व उनके प्रशिक्षकों को उनकी मेहनत और समर्पण के लिए बधाई दी तथा विश्वास जताया कि इस चैंपियनशिप में खिलाड़ियों के

बीच कड़ा मुकाबला होगा और हमें नए प्रतिभाशाली खिलाड़ी देखने को मिलेंगे। उन्होंने आयोजन समिति को इस प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए व खिलाड़ियों को अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी तथा बिजली निगम द्वारा दी गई सुविधाओं जैसे वातानुकूलित बैडमिंटन हॉल, वातानुकूलित जिम हाल व अन्य सुविधाओं के उचित प्रयोग पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम खेलों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है तथा यहां पर बैडमिंटन के खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के सात वुडन कम सिंथेटिक कोर्ट, योनेक्स फेदर शटल्स, अंतरराष्ट्रीय सत्र के कोच सुरेंद्र व वीरेंद्र कुमार वरिष्ठ लेखा अधिकारियों को खिलाड़ियों की एडवांस ट्रेनिंग के लिए नर्सरी में अप्वाइंट किया हुआ है। उन्होंने आश्वासन दिया की विभाग आगे और भी सुविधाओं का विस्तार करेगा ताकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हरियाणा तथा विभाग का नाम रोशन हो।

अवैध कालोनियों में चला प्रशासन का पीला पंजा, भारी पुलिस रहा तैनात

एजेंसी

रोहतक। जिले में अवैध कालोनियों को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह से सख्त है। जिला प्रशासन की टीम गांव भैयापुर व मकडौली कच्चा-पक्का रोड़ नेटवर्क, सीवरेज सिस्टम, एक चारदीवारी, दो निर्माणाधीन स्ट्रक्चर व टोयवाल रोड नेटवर्क को तोड़ा गया। उपायुक्त धमेन्द्र सिंह ने साफ कहा कि जिला

खुर्द पहुंची और लगभग 13.5 एकड़ में विकसित की जा रही दो अवैध कॉलोनियों में किए गए निर्माण कार्य को तोड़ा गया। इस दौरान भारी पुलिस बल भी मौके पर तैनात रहा। गांव भैयापुर एवं मकडौली खुर्द में अवैध कॉलोनियों में बिजली के खंबे, में अवैध निर्माण अथवा अवैध कॉलोनियों को नहीं पनपने दिया जाएगा और यह अभियान लगातार जारी रहेगा। साथ ही उन्होंने नागरिकों का आह्वान किया है कि वे अपने जीवन की कमाई को अवैध निर्माण या कॉलोनी में निवेश न करें।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस को ऐतिहासिक और यादगार बनाएंगे प्रदेश के लोग : सुभाष सुधा

एजेंसी

फरीदाबाद। हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री एवं पंचनद स्मारक ट्रस्ट के प्रदेशाध्यक्ष सुभाष सुधा ने कहा कि कुरुक्षेत्र की पावन धरा से विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस का ऐतिहासिक और यादगार आगाज किया गया था। इस बार चौथा राज्य स्तरीय कार्यक्रम 14 अगस्त को सुबह 11 बजे एनआईटी दशहरा ग्राउंड फरीदाबाद में मनाया जा रहा है। इस स्मृति दिवस पर 1947 भारत-पाक बंटवारे के दर्दनाक लम्हों को स्मरण किया जाएगा। इस स्मृति दिवस पर लगभग 10 लाख लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी और मुख्यमंत्री नायब सिंह स्वयं विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करने के लिए पहुंचेंगे। इस कार्यक्रम में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल भी शिरकत करेंगे। हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा फरीदाबाद में पंचनद स्मारक ट्रस्ट की गवर्निंग बॉडी के सदस्यों से बातचीत कर रहे थे। इससे पहले पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने पंचनद स्मारक ट्रस्ट के सदस्यों से कार्यक्रम स्थल में बैठने की व्यवस्था,सुरक्षा, यातायात, पार्किंग, पेयजल, साफ सफाई,

बिजली की व्यवस्था, बैराकेटिंग, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों सहित अन्य व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की है। अहम पहलू यह है कि पंचनद स्मारक ट्रस्ट, भारतीय जनता पार्टी एवं प्रदेश सरकार के तत्वाधान में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस का चौथा प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम 14 अगस्त को फरीदाबाद जिले में मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद कार्यक्रम में पंडाल को राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के रंग में रंग कपड़े के साथ सजाया जाएगा। इतना ही नहीं फरीदाबाद कार्यक्रम स्थल के प्रवेश द्वारों से लेकर कार्यक्रम स्थल तक हवा में लहराते और वीरों की कहानी को ब्यां करते राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को देखा जा सकेगा। इसके अलावा सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग द्वारा प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। पूर्व राज्य मंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री नायब सिंह के नेतृत्व में चहुंमुखी विकास के पथ पर है। पूर्व राज्यमंत्री कहा कि फरीदाबाद में 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका दिवस के राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में देश-प्रदेश से लोग बड़ी संख्या में पहुंचेंगे। इस मौके पर पंचनद स्मारक ट्रस्ट के सदस्य सुरेन्द्र कुमार गुलाटी, एचएस चावला, श्याम बजाज, चरणजीत अरोड़ा, रामकृष्ण गांधी, सुरेन्द्र खुल्लर, प्रमोद सलुजा, अशोक चौधरी, प्रेम घेरा, पप्पु जी, दीपक सतीजा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

हरियाणा के सीएम नायब सैनी ने जिला अस्पतालों की समीक्षा की

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के प्रयासों को सुदृढ़ करने के लिए डॉक्टरों के 450 रिक्त पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया जल्द से जल्द शुरू की जाए मुख्यमंत्री चंडीगढ़ में जिला सिविल अस्पतालों के संबंध में विभागीय अधिकारियों की बैठक ले रहे थे। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाली बैठक में अधिकारियों ने बताया कि सिविल अस्पतालों के बुनियादी ढाँचे के नवीनीकरण पर केंद्रित योजना पर काम शुरू हो चुका है, जिसमें शौचालय की मरम्मत से लेकर सफेदी और रंग-रोगन शामिल है। पंचकूला, जींद, गुरुग्राम, कैथल, मांडीखेड़ा (नूंह), रेवाड़ी, सिरसा और कुरुक्षेत्र सहित आठ सिविल अस्पतालों में विशेष मरम्मत और नवीनीकरण का कार्य शुरू हो चुका है। इसके अलावा, अंबाला, भिवानी, पलवल, करनाल, पानीपत, सोनीपत, झज्जर, नारनौल, फतेहाबाद, फरीदाबाद, रोहतक, हिसार और चरखी दादरी सहित 13 जिला अस्पतालों में भी जल्द ही कार्य शुरू किया जाएगा। इस योजना के तहत बिजली की मरम्मत, बेहतर लाइटिंग व्यवस्था और रोगी देखभाल तथा कर्मचारियों की कार्यकुशलता में सुधार के लिए विश्वसनीय एयर कंडीशनिंग आदि आवश्यक सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण शामिल है। आंतरिक सड़कों की मरम्मत और अस्पताल के संकेतों को ठीक करने जैसे व्यावहारिक सुधारों से आवागमन आसान होगा और आगंतुकों और स्वास्थ्य कर्मियों, दोनों के लिए एक बेहतर वातावरण तैयार होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिविल अस्पतालों में आने वाले हर मरीज को सभी ज़रूरी सेवाएं मिलें,ताकि लोगों को इलाज के लिए निजी अस्पतालों में न जाना पड़े। मुख्यमंत्री ने जिला अस्पतालों में मरीज़ों के लिए उपलब्ध निजी कक्ष, सीटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड, एमआरआई, एक्सरे, स्वचालित प्रयोगशालाओं, ब्लड बैंक और एक्स-रे मशीनों के संबंध में रिपोर्ट ली। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जिला अस्पतालों में संचालित जन औषधि केंद्रों को 24 घंटे संचालित किया जाए।

जुलाई में घर की थाली हुई सस्ती: सब्जियों और दालों की कीमतें गिरी

नई दिल्ली ।

जुलाई 2025 में घरेलू शाकाहारी और मांसाहारी थाली की लागत में क्रमशः 14 और 13 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। यह गिरावट मुख्य रूप से सब्जियों, दालों और ब्रॉयलर चिकन की कीमतों में आई नरमी के कारण हुई है। शाकाहारी थाली की लागत में कमी का सबसे बड़ा कारण टमाटर, प्याज और आलू की कीमतों में तेज गिरावट है। टमाटर की कीमतें 36 फीसदी घटकर 66 से 42 रुपए प्रति किलो हो गईं। इसी तरह प्याज और आलू की कीमतों में भी क्रमशः 36 और 30 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। पिछले वर्ष मौसम और बीमारियों के कारण आलू का उत्पादन घटा था, जिससे कीमतें बढ़ी थीं, लेकिन इस वर्ष उत्पादन बेहतर रहा। प्याज का उत्पादन भी 18-20 फीसदी अधिक होने से कीमतों में गिरावट आई। दालों की कीमतों में भी 14 फीसदी की कमी देखी गई, जो अधिक उत्पादन और पर्याप्त स्टॉक के चलते संभव हो सका। चावल की लागत में भी 4 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। मांसाहारी थाली की लागत में गिरावट का मुख्य कारण ब्रॉयलर चिकन की कीमतों में 12 फीसदी की कमी है, जो मांसाहारी थाली की कुल लागत का लगभग आधा हिस्सा

होता है। हालांकि, कुछ आवश्यक वस्तुएं महंगी हुई हैं। वनस्पति तेल की कीमतें 20 फीसदी बढ़ीं, भले ही कच्चे खाद्य तेलों पर सीमा शुल्क घटाया गया हो। वहीं रसोई गैस (एलपीजी) की कीमतों में भी 6 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जिससे थाली की लागत में गिरावट पर कुछ हद तक असर पड़ा। फिर भी, उपभोक्ताओं के लिए यह राहत की खबर है कि अधिकांश आवश्यक खाद्य वस्तुएं सस्ती हुई हैं।

सोना-चांदी की चमक बढ़ी: सोना 1.02 लाख और चांदी 1.14 लाख के पार

नई दिल्ली ।

घरेलू व अंतरराष्ट्रीय बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी के वायदा भाव में जोरदार तेजी देखने को मिली। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना और चांदी दोनों ने नया रिकॉर्ड बनाया। निवेशकों के सुरक्षित निवेश के चलते कीमती धातुओं की मांग में इजाफा हुआ है। एमसीएक्स पर अक्टूबर डिलीवरी वाला सोना 482 रुपये की तेजी के साथ 1,01,950 प्रति 10 ग्राम पर खुला। यह 691 रुपये की तेजी के साथ 1,02,159 पर कारोबार कर रहा था। इसने 1,02,151 का उच्चतम और 1,01,456 का न्यूनतम स्तर छुआ। इस साल यह 1,02,169 के भाव पर अब तक का ऑल

टाइम हाई छू चुका है। चांदी के सितंबर वायदा कॉन्ट्रैक्ट की शुरुआत भी तेजी के साथ 1,14,641 पर हुई, जो पिछले बंद भाव 1,14,286 से 355 रुपये अधिक था। यह अभी 1,14,700 पर ट्रेड कर रही है। आज का उच्चतम स्तर 1,14,876 रहा। इस साल चांदी 1,16,641 प्रति किलो तक पहुंच चुकी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी तेजी जारी है। कॉमेक्स पर सोना 3,487.90 प्रति औंस पर खुला और 3,488.80 पर ट्रेड कर रहा है, जो 35.10 डॉलर की तेजी है। वहीं चांदी 38.46 प्रति औंस पर कारोबार कर रही है। कीमती धातुओं में यह तेजी आर्थिक अनिश्चितता और निवेशकों की सुरक्षित संपत्तियों में रुचि का संकेत है। आने वाले दिनों में भी इनमें मजबूती बनी रह सकती है।

झींगा मछली की कीमतों में 6 से 19 प्रतिशत तक गिरावट

- आंध्र प्रदेश और ओडिशा के पालकों को नुकसान का खतरा

मुंबई ।

पिछले एक सप्ताह के दौरान झींगा मछली की कीमतों में 6 से 19 प्रतिशत तक गिरावट दर्ज की गई है। व्यापारियों और विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिका द्वारा भारत से होने वाले झींगा निर्यात पर भारी शुल्क लगाने की आशंका के कारण यह गिरावट हुई है। खासतौर पर पिछले दो दिनों में कीमतों में तेज कमी आई है, जिससे आंध्र प्रदेश और ओडिशा के झींगा पालकों को बड़ा नुकसान हो सकता है। ये दोनों राज्य झींगा पालन के प्रमुख केंद्र हैं, इसलिए यहां के किसान और व्यापारी इस गिरावट से सीधे प्रभावित हो रहे हैं।

भारत मुख्यतः अमेरिका को 50 काउंट या उससे कम काउंट वाले झींगे निर्यात करता है। 50 काउंट का अर्थ होता है कि एक किलोग्राम में 50 झींगे होते हैं, जिनका वजन लगभग 20 ग्राम होता है। वहीं, बड़े काउंट (कम वजन वाले झींगे) जैसे 60, 70, 80, 90, 100 काउंट की झींगा मछली चीन, यूरोपीय संघ, दक्षिण पूर्व एशिया, जापान और अन्य एशियाई बाजारों को निर्यात की जाती है। इन सभी वर्गों की झींगा मछली की कीमतों में गिरावट देखी गई है। व्यापारियों के आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका को निर्यात की जाने वाली सबसे आम 40 काउंट झींगा मछली की कीमत लगभग 19 प्रतिशत घटकर 365 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई है। इसके अलावा, झींगे से बने चारे और दानों की कीमतों में भी कमी आई है। आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों ने इस प्रकार के चारे बेचने वाली कंपनियों से झींगा पालकों के हित में कीमतें कम करने की मांग की है।

रक्षाबंधन पर 17 हजार करोड़ के व्यापार की उम्मीद

पिछले साल 12,000 करोड़ का कारोबार हुआ था

नई दिल्ली ।

रक्षाबंधन का त्योहार नजदीक आते ही देशभर के बाजार पूरी तरह सज चुके हैं। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के अनुसार इस बार राखी पर लगभग 17,000 करोड़ रुपये के व्यापार की संभावना है। 2024 में जहां 12,000 करोड़ का कारोबार हुआ था,

वहीं इस बार 22.5 फीसदी की वृद्धि संभावित है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री ने बताया कि 9 अगस्त को रक्षाबंधन के साथ-साथ भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ भी है, जिससे इस बार भाई-बहन के प्रेम के साथ देशभक्ति की भावना भी जुड़ गई है।

उन्होंने बताया कि मिठाई, फल, गिफ्ट आदि के रूप में लगभग 4,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार अनुमानित है। इस बार बाजार में इनोवेशन वाली राखियों की धूम है। 'वोकल फॉर लोकल', डिजिटल राखी, मोदी राखी, जय हिंद, वंदे मातरम और विकसित भारत जैसे थीम वाली राखियों को ग्राहकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। इसके अलावा इको-फ्रेंडली राखियां मिट्टी, बीज, बांस, खादी और कपास से बनी राखियां भी खूब बिक रही हैं। हर प्रदेश की अपनी थीम वाली राखियां भी आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। मधुबनी राखी (बिहार), जूट राखी (कोलकाता), बांस राखी (झारखंड) जैसी राखियां न सिर्फ पारंपरिक कला को बढ़ावा दे रही हैं, बल्कि महिला उद्यमियों और स्थानीय कारीगरों को भी रोजगार का मौका दे रही हैं। इस रक्षाबंधन पर बाजारों में सिर्फ खरीदारी नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति और आत्मनिर्भरता की झलक भी देखने को मिलेगी।

अमेरिका का 50 फीसदी टैरिफ भारत की जीडीपी वृद्धि को कर सकता है धीमा

- जीडीपी वृद्धि अनुमान में 40 से 60 आधार अंक की गिरावट आ सकती है

नई दिल्ली ।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की तरफ से भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा से भारत की आर्थिक वृद्धि पर नकारात्मक प्रभाव पड़ने की संभावना जताई जा रही है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इससे चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी वृद्धि दर में 35 से 60 आधार अंक तक की कमी आ सकती है, जिससे देश की आर्थिक प्रगति धीमी पड़ सकती है। एचडीएफसी बैंक की एक प्रधान अर्थशास्त्री के अनुसार, यदि 50 फीसदी शुल्क लागू होता है तो 6.3 प्रतिशत के जीडीपी वृद्धि अनुमान में 40 से 60 आधार अंक की गिरावट आ सकती है। वहीं, मॉर्गन स्टैनली की रिसर्च रिपोर्ट में कहा गया है कि निर्यात पर लगाए गए इस टैरिफ का प्रत्यक्ष प्रभाव 60 आधार अंक तक हो सकता है, और अप्रत्यक्ष प्रभाव भी लगभग इतना ही रहेगा। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि नकारात्मक प्रभाव जारी रहने पर सरकार को घरेलू वृद्धि को सहारा देने के लिए नीतिगत कदम उठाने पड़ सकते हैं। वित्त वर्ष 2025 में भारत से अमेरिका को कुल 86.5 अरब डॉलर का निर्यात हुआ था, जो देश के जीडीपी का लगभग 2.2 फीसदी है।

कई विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप की यह घोषणा स्थायी नहीं रहेगी और दोनों देशों के बीच जल्द ही समझौता हो सकता है। लेकिन फिलहाल, टैरिफ की वजह से भारत की आर्थिक वृद्धि प्रभावित हो सकती है। सरकार को इस चुनौती से निपटने के लिए त्वरित और प्रभावी नीतिगत कदम उठाने की जरूरत होगी।

डालमिया सीमेंट को रिटर्न देरी पर ब्याज और जुर्माने की पूरी छूट

नई दिल्ली । डालमिया भारत की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड को जीएसटीआर-3बी रिटर्न दाखिल करने में हुई देरी के कारण लगाए गए ब्याज 4,89,008 और जुर्माना 75,000 की पूरी छूट मिली है। इस छूट का आदेश झारखंड के धनबाद डिवीजन के राज्य कर (अपील) के अतिरिक्त आयुक्त के कार्यालय द्वारा दिया गया है, जिसमें कुल 5,64,008 की राशि शामिल है। यह जुर्माना और ब्याज झारखंड वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 और केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 की धारा 75 के तहत राज्य कर के सहायक आयुक्त, बोकारो सर्किल, बोकारो द्वारा जुलाई और नवंबर 2017 के लिए जारी किया गया था। देरी डालमिया सीमेंट ईस्ट लिमिटेड द्वारा हुई थी, जो बाद में डीसीबीएलमें विलय हो गया। इस छूट से कंपनी को वित्तीय राहत ली है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया तीन पैसे गिरावट के साथ ही 87.61 पर बंद हुआ। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करते हुए पांच पैसे टूटकर 87.63 पर आ गया। व्यापारिक अनिश्चितता और मजबूत अमेरिकी डॉलर के कारण रुपया दबाव में है। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, भारतीय रिजर्व बैंक रुपये को लगभग 87.95 के स्तर पर बनाए रखने का प्रयास कर रहा है, लेकिन विदेशी निवेशकों द्वारा निरंतर पूंजी निकासी से स्थानीय मुद्रा कमजोर हो रही है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 87.56 पर खुला और कारोबार के दौरान 87.63 के निचले स्तर पर पहुंचा। जो पिछले बंद भाव 87.58 के मुकाबले गिरावट दिखाता है। पिछले दिन रुपये ने अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 14 पैसे की मजबूती दर्ज की थी। हालांकि, विदेशी मुद्रा बाजार में अब भी अनिश्चितता बनी हुई है, जिससे रुपये पर दबाव बना हुआ है। अमेरिकी डॉलर की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.27 प्रतिशत गिरकर 98.13 पर आ गया है। इस दौरान घरेलू शेयर बाजारों में भी कमजोरी देखी गई। वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि विदेशी पूंजी निकासी और वैश्विक बाजार की अनिश्चितता के चलते रुपये की स्थिति फिलहाल कमजोर बनी रहेगी। निवेशकों को सतर्क रहना होगा क्योंकि वैश्विक आर्थिक परिस्थितियां रुपये के लिए चुनौतियां पेश कर रही हैं।

अमेरिका के शुल्क बढ़ाने से भारत के वस्त्र निर्यात उद्योग संकट में

नई दिल्ली । अमेरिका द्वारा भारत से वस्त्र एवं परिधान आयात पर शुल्क बढ़ाने के फैसले से भारतीय निर्यात उद्योग में संकट पैदा हो गया है। अमेरिकी बड़ी कंपनियों जैसे वॉलमार्ट, टारगेट, एमेजॉन, गैप, एचएंडएम आदि ने भारत के आपूर्तिकर्ताओं को बताया है कि शुल्क स्थिति स्पष्ट होने तक नए ऑर्डर न भेजें। कंपनियां पहले से प्राप्त ऑर्डर को 27 अगस्त से पहले पूरा करने में जुट गई हैं, ताकि खरीदारों पर अतिरिक्त शुल्क का प्रभाव न पड़े। बाइंग एजेंट्स एसोसिएशन के एक अधिकारी ने कहा कि खरीदारों ने फिलहाल कोई नया बिल बनाने और ऑर्डर से जुड़ी पूछताछ पर रोक लगा दी है। भारत अमेरिका का सबसे बड़ा वस्त्र निर्यातक है, जनवरी-मई 2025 में 4.59 अरब डॉलर का निर्यात हुआ, जो पिछले वर्ष के मुकाबले 13 फीसदी अधिक है। पूरे 2025 में भारत से अमेरिका को करीब 10.8 अरब डॉलर के वस्त्र निर्यात हुए। विशेषज्ञों का कहना है कि बांग्लादेश, वियतनाम, चीन जैसे देशों पर अमेरिका ने कम शुल्क लगाए हैं, जिससे ऑर्डर वहां जाने की संभावना बढ़ गई है। भारत के लिए यह चुनौती है कि वह वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अपने बाजार को सुरक्षित रख सके। फिलहाल वैश्विक कंपनियां भारत से नाता तोड़ने की स्थिति में नहीं हैं, लेकिन अनिश्चितता बनी हुई है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 765 , निफ्टी 232 अंक गिरा

मुंबई ।

अमेरिका के साथ टैरिफ विवाद के बीच ही भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही ऑटो, फार्मा व बैंकिंग शेयरों में बिकवाली हावी रहने से आई है। आज बीएसई मिडकैप व स्मालकैप के शेयर भी गिरे।। इसके अलावा बीएसई के सभी सेक्टरों में भी गिरावट रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 765.47 अंक टूटकर 79,857.79 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी निफ्टी 232.85 अंक नीचे आकर 24,363.30 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एनएसई पर आज 3,038 शेयरों में कारोबार हुआ। इनमें से 984 शेयरों में तेजी रही। वहीं 1,969 शेयरों में गिरावट रही जबकि 85 शेयरों पर कोई प्रभाव नहीं नहीं पड़ा।

आज सबसे अधिक नुकसान भारती एयरटेल के शेयरों को हुआ और ये 64 रुपये की गिरावट के साथ ही 1,858.60 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। वहीं अदानी एंटरप्राइज़ का शेयर 71.70 रुपये नीचे आकर 2,178.10 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। श्रीराम फाइनेंस का शेयर 17.70 रुपये की गिरावट के साथ 609.65 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। इंडसइंड बैंक का शेयर 24.90 रुपये की गिरावट के साथ 782.45 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। महिन्द्रा एंड महिन्द्रा के शेयर में 66.90 रुपये की गिरावट आई और ये 3,144.20 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ था।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार कमजोर रुख के साथ खुला। शुरुआती कारोबार में आईटी और फाइनेंशियल सेक्टर में दबाव देखा गया। सुबह सेंसेक्स 272.30 अंक गिरकर 80,350.96 पर और निफ्टी 75.60 अंक टूटकर 24,520.55 पर कारोबार कर रहा था। बाजार विश्लेषकों के अनुसार, निफ्टी के लगातार कमजोर स्तर बाजार की तकनीकी कमजोरी को दर्शाते हैं। बुनियादी तौर पर भी वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनियों की आय में कोई बड़ा उछाल नजर नहीं आ रहा है। बाजार के जानकारों ने कहा कि भारत-अमेरिका टैरिफ तनावों के कारण विदेशी निवेशकों (एफआईआई) बिकवाली जारी रही।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक को मिला यूनिवर्सल बैंक का दर्जा

नई दिल्ली । शुक्रवार को एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के शेयरों में करीब 8 फीसदी की जोरदार तेजी देखने को मिली। यह उछाल भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बैंक को यूनिवर्सल बैंक का दर्जा देने की सैद्धांतिक मंजूरी मिलने के बाद आया है। यह मंजूरी एयू को देश का पहला स्मॉल फाइनेंस बैंक बनाती है, जिसे आरबीआई की अप्रैल 2024 में जारी 'ऑन-टैप' लाइसेंसिंग पॉलिसी के तहत यह दर्जा मिला है। एयू ने सितंबर 2024 में यूनिवर्सल बैंक बनने के लिए आवेदन किया था और लगभग 11 महीने बाद इस मंजूरी को हासिल किया। इस कदम से न केवल एयू, बल्कि अन्य स्मॉल फाइनेंस बैंक जैसे उज्जीवन और जना को भी उम्मीद जगी है, जो इसी लाइसेंस के लिए आवेदन कर चुके हैं। यूनिवर्सल बैंक बनने के बाद, एयू बैंक बड़े पैमाने पर काम कर सकेगा और ग्राहकों को अधिक सेवाएं प्रदान कर पाएगा। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक देश का सबसे बड़ा स्मॉल फाइनेंस बैंक है, जिसकी लोन बुक 1 लाख करोड़ रुपए से अधिक है। जून तिमाही में इसकी लोन बुक में साल-दर-साल 23 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई है।

नालको ने पहली तिमाही में 78 फीसदी बढ़ाया मुनाफा

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी नेशनल एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड (नालको) ने वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 1,049.48 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ अर्जित किया है, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही के 588 करोड़ रुपये से 78 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने हाल ही में यह वित्तीय परिणाम जारी किया। नालको की आय भी इस दौरान 35 प्रतिशत बढ़कर 3,930.45 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वर्ष की तिमाही में यह 2,916.62 करोड़ रुपये थी। रसायन कारोबार से राजस्व में 91 प्रतिशत की जबरदस्त वृद्धि दर्ज की गई, जो 1,628.11 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। वहीं एल्युमिनियम कारोबार से राजस्व 7 प्रतिशत बढ़कर 2,708.34 करोड़ रुपये रहा। हालांकि, इस अवधि में कंपनी के खर्च भी बढ़कर 2,501.18 करोड़ रुपये हो गए, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही के 2,099.61 करोड़ रुपये से अधिक है।

भारत ने रूसी सस्ते कच्चे तेल की खरीद से बचाए 15 अरब डॉलर

नई दिल्ली ।

भारत ने जनवरी 2022 से जून 2025 के बीच रूस से सस्ते कच्चे तेल की खरीद से लगभग 15 अरब डॉलर (करीब 1.25 लाख करोड़) की बड़ी बचत की है। सूत्रों के आधार पर यह जानकारी मिली है। इस बचत का महत्व इसलिए भी है क्योंकि इसे इस साल की 1.2 लाख करोड़ की यूरिया सब्सिडी पूरी तरह चुकाने में इस्तेमाल किया जा सकता है। 2023 में सबसे अधिक बचत हुई, लगभग 7 अरब डॉलर, जब जी7 देशों ने रूस पर तेल की कीमत सीमा (प्राइस कैप) लगाई थी। इस कारण रूस ने भारत को तेल प्रति बैरल 15-20 डॉलर सस्ता बेचने का विकल्प दिया। हालांकि, अब यह छूट घटकर 2 डॉलर से भी कम रह गई है, जिससे जनवरी से जून 2025 के बीच बचत घटकर 1.8 अरब डॉलर रह गई। तेल विशेषज्ञ के मुताबिक, अमेरिकी टैक्स के प्रभाव का अंदाजा अभी लगाना मुश्किल है। आने वाले हफ्तों में ट्रैड टॉक्स, क्वाड बैठक, विदेश मंत्री की रूस यात्रा और एससीओ

शिखर बैठक के बाद इस पर स्पष्टता आएगी। साबित हो रही है, खासकर वैश्विक तेल बाजार में अस्थिरता के बीच।दूसरी ओर, अगर भारत को खाड़ी देशों या अमेरिका से तेल खरीदना पड़ा, तो रिफाइनिंग मार्जिन 2-3 डालर प्रति बैरल तक कम हो सकता है, जिससे लागत बढ़ने की संभावना है। भारत ने रूस से तेल खरीद कर इराक, सऊदी अरब, नाइजीरिया, यूएई और अमेरिका जैसे अन्य बड़े सप्लायरों के तेल की मात्रा कम की है।

सिल्वर कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स ने आईपीओ लाने सेबी के पास जमा किए दस्तावेज

नई दिल्ली । राजकोट स्थित सिल्वर कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (एससीईएल) ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष 1,400 करोड़ रुपये जुटाने के उद्देश्य से आईपीओ के लिए प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए हैं। इस आईपीओ में कंपनी 1,000 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी करेगी और 400 करोड़ रुपये की ऑफर फॉर सेल होगी। कंपनी आईपीओ से जुटाई गई राशि में से 865 करोड़ रुपये कर्ज चुकाने में, 35 करोड़ रुपये अपनी अनुषंगी कंपनी बीएपीएल के कर्ज भुगतान में और बाकी राशि सामान्य कॉर्पोरेट कार्यों में खर्च करेगी। सिल्वर कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स पंप, मोटर, सोलर पंप, पंखे तथा कृषि उपकरण जैसी विद्युत टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादन करती है। इस कदम से कंपनी अपनी वित्तीय स्थिति मजबूत कर बाजार में अपनी उपस्थिति बढ़ाना चाहती है।

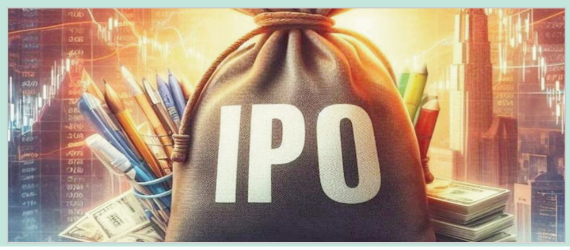

रक्षाबंधनः नारी रक्षा का संकल्प, एक सामाजिक चेतना

ललित गर्ग

राखी का पर्व हमें मानवीय रिश्तों की फिर से व्याख्या करने का अवसर देता है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि हर स्त्री हमारी बहन है, समाज की, संस्कृति की, मानवता की। उसकी रक्षा केवल सामाजिक कर्तव्य नहीं, बल्कि मानवीय धर्म है। जब हर पुरुष स्त्री के प्रति अपने कर्तव्य को राखी की तरह पवित्र समझेगा, जब हर बहन अपने भाई में केवल उपहार देने वाला नहीं, बल्कि एक मूल्य-धारी रक्षक देखेगी, तब रक्षाबंधन केवल एक पर्व नहीं, एक क्रांति का आरंभ बनेगा।

भारत की सांस्कृतिक परंपराओं और त्योहारों की भूमि पर रक्षाबंधन एक ऐसा पर्व है जो केवल भाई-बहन के रिश्ते तक सीमित नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज में आत्मीयता, कर्तव्यबोध, और नैतिक मूल्यों के पुनसंर्वेदन का पर्व है। यह पर्व नारी अस्मिता, समानता, सुरक्षा और प्रेम की भावनाओं का प्रतिनिधित्व करता है। राखी का धागा जितना कोमल दिखता है, उतनी ही उसमें गहराई और दृढ़ता होती है, यह एक ऐसा लौकिक बंधन है, जो प्रेम, आदर्शों और जिम्मेदारियों से बंधा होता है। रक्षाबंधन कोई साधारण पर्व नहीं, यह आदर्शों का हिमालय है, संकल्पों का सोपान है। यह पर्व सिर्फ भाई-बहन के प्रेम की रस्म नहीं, बल्कि पुरुष समाज द्वारा नारी को आश्वस्त करने, उसका मान-सम्मान बनाए रखने की शपथ का दिन है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि नारी केवल स्नेह की पात्र नहीं, वह शक्ति, श्रद्धा और समाज की दिशा तय करने वाली एक सशक्त प्रेरणा भी है।

आज जब महिलाएं समाज के हर क्षेत्र में बुलंदियों को छू रही हैं, सेना से लेकर विज्ञान, शिक्षा से लेकर खेल तक तब रक्षाबंधन उन्हें केवल भावनात्मक सुरक्षा नहीं, सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक सम्मान दिलाने का भी माध्यम बनता है। रक्षाबंधन की महत्ता को समझने के लिए उसके ऐतिहासिक संदर्भों को जानना आवश्यक है। भविष्य पुराण में उल्लिखित कथा के अनुसार जब देव-दानव युद्ध में दानव भारी पड़ने लगे, तब इंद्राणी ने अपने पति इन्द्र की रक्षा हेतु रेशम का धागा मंत्रों के साथ उनके हाथ पर बांधा, जिससे इंद्र विजयी हुए।

मुगल काल में रानी कर्मवती ने जब चितौड़ पर संकट देखा, तो बादशाह हुमायूं को राखी भेजकर रक्षा की याचना की। हुमायूं ने धर्म, संप्रदाय और सत्ता से ऊपर उठकर उस धागे की लाज रखी और चितौड़ की रक्षा में अपनी ताकत झोंक दी। महाभारत में जब भगवान श्रीकृष्ण की उंगली से रक्त बहा, द्रौपदी ने अपनी साड़ी का पल्लू फाड़कर पट्टी बांध दी। श्रीकृष्ण ने उस प्रेम को जीवन भर निभाया और चीरहरण के समय द्रोपदी की रक्षा की। यह केवल ऋण चुकता नहीं था, यह आदर्शों की प्रतिज्ञा थी। इसी तरह सिकंदर और पुरू की कथा इस बात को दशार्ती है कि राखी का एक धागा युद्ध भूमि में भी जीवनदान का कारण बन सकता है। ये प्रसंग हमें बताते हैं कि राखी केवल प्रेम का प्रतीक नहीं, बल्कि रक्षा, आदर्श और सम्मान की जीवंत प्रतिमा है।

रक्षाबंधन आज सिर्फ पारंपरिक पर्व नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक आंदोलन जैसा है। लेकिन दुख इस बात का है कि इस पर्व की आत्मा धीरे-धीरे खोती जा रही है। आज बहनों के लिए यह पर्व सजने-संवरने और उपहार पाने का माध्यम बनता जा रहा है, जबकि भाइयों के लिए यह केवल एक औपचारिकता बनकर रह गया है। राखी के धागों की वह पवित्रता, भावनाओं की वह गहराई, अब कम होती जा रही है। यह पर्व अब बाजारवाद और दिखावे के जाल में उलझता नजर आ रहा है। इस बदलती सोच को थामना और मूल भावनाओं को पुनः प्रतिष्ठित करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इस पर्व का मूल उद्देश्य नारी के प्रति श्रद्धा, सुरक्षा और कर्तव्य का निर्वहन है, न कि केवल उपहार और दिखावे का आदान-प्रदान। भाइयों को चाहिए कि वे बहन की रक्षा की शपथ केवल शब्दों में नहीं, जीवन के प्रत्येक व्यवहार में निभाएं। बहनें भी राखी को केवल संबंध या औपचारिकता न समझें, बल्कि इस पर्व को नारी स्वाभिमान और सामाजिक बदलाव के एक माध्यम के रूप में लें।

आज जब समाज में महिलाओं के साथ अपराध बढ़ रहे हैं, जब बच्चियों से लेकर वृद्धाओं तक को भय और असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है, तब रक्षाबंधन एक ऐसा अवसर है जब हम केवल बहन नहीं, संपूर्ण नारी समाज की रक्षा का संकल्प लें। एक ऐसा संकल्प जो केवल राखी तक सीमित न हो, बल्कि जीवन भर के आचरण में झलके। यह पर्व हमें यह संदेश देता है कि नारी केवल स्नेह की नहीं, सम्मान की अधिकारिणी है। रक्षाबंधन भारत के विभिन्न अंचलों में अलग-अलग नामों से मनाया जाता है। उत्तर भारत में यह भाई-बहन के रिश्ते का पर्व है, वहीं महाराष्ट्र में नारली पूर्णिमा के रूप में समुद्र देवता को नारियल अर्पण कर मछुआरे समुद्र से अपने रिश्ते की रक्षा की प्रार्थना करते हैं। दक्षिण भारत में ह्यअवनी अविट्टमह्ण के रूप में यह ब्राह्मणों का यज्ञोपवीत संकल्प का पर्व है। वहीं स्कन्द पुराण और श्रीमद्भागवत में उल्लिखित वामन अवतार की कथा में रक्षाबंधन को ह्यबलेवह्ण के रूप में जाना जाता है, जब भगवान विष्णु ने तीन पग भूमि मांगकर राजा बलि का अभिमान तोड़ा था। इन सब कथाओं में एक ही संदेश है - अहंकार के स्थान पर समर्पण, दंभ के स्थान पर रक्षा, और स्वार्थ के स्थान पर सेवा।

आज रक्षाबंधन जैसे भावनात्मक और सांस्कृतिक पर्व भी कृत्रिम बुद्धिमता एवं संचार-क्रांति की आंधी में अपनी मूल आत्मा और संवेदना खोते जा रहे हैं। उपहारों की होड़, ब्रांडेड राखियों का प्रदर्शन, सोशल मीडिया पर दिखावे की होड़ ने इस पर्व को एक उपभोक्तावादी उत्सव में बदल दिया है। जहाँ पहले राखी एक भावनात्मक संबंध का प्रतीक थी, वहीं आज यह अधिकतर लेन-देन और औपचारिकता का माध्यम बनती जा रही है। इस प्रवृत्ति से पर्व की आत्मा, जिसमें बहन के प्रेम और भाई की जिम्मेदारी का गहन बोध निहित था, वह पीछे छूटता जा रहा है। इसलिए आवश्यक है कि हम रक्षाबंधन की प्रासंगिकता को केवल उपहारों और खर्च की दृष्टि से नहीं, बल्कि नारी सम्मान, आत्मीय रिश्तों और सामाजिक जिम्मेदारियों के दृष्टिकोण से समझें और मनाएं।

राखी का पर्व हमें मानवीय रिश्तों की फिर से व्याख्या करने का अवसर देता है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि हर स्त्री हमारी बहन है, समाज की, संस्कृति की, मानवता की। उसकी रक्षा केवल सामाजिक कर्तव्य नहीं, बल्कि मानवीय धर्म है। जब हर पुरुष स्त्री के प्रति अपने कर्तव्य को राखी की तरह पवित्र समझेगा, जब हर बहन अपने भाई में केवल उपहार देने वाला नहीं, बल्कि एक मूल्य-धारी रक्षक देखेगी, तब रक्षाबंधन केवल एक पर्व नहीं, एक क्रांति का आरंभ बनेगा। रक्षाबंधन कोई मंच या मंचन नहीं है। यह प्रदर्शन का नहीं, आत्मचिंतन का पर्व है। हमें इस पर्व को बाजारवाद और औपचारिकता से निकालकर पुनः उसकी असली पहचान देना होगा। यह प्रेम और कर्तव्य के बीच की एक खूबसूरत कड़ी है। इस बार राखी के धागों को केवल कलाई तक न सीमित रखें, इन्हें हृदय से बाँधें, ताकि यह पर्व भाई-बहन के रिश्तों से आगे बढ़कर पूरे समाज में एक सशक्त और सुरक्षित वातावरण का निर्माण कर सके। तभी राखी के ये धागे सच्चे अर्थों में आदर्श बनेंगे और संकल्पों का सोपान।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

ट्रंप टैरिफ का दंश

अपने दूसरे कार्यकाल में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ वॉर का दांव चल कर दुनिया के तमाम देशों को निशाने पर ले रहे हैं। भारत पर पच्चीस फीसद टैरिफ लगाने का फैसला पहले ही सुना चुके हैं। अब चौबीस घंटों के भीतर इससे कहीं ज्यादा टैरिफ लगाने की उनकी घोषणा एक और चेतावनी है। ट्रंप ने भारत के रूस से तेल खरीदने को वॉर मशीन की मदद करने सरीखा बताया है। भारत ने तत्काल इसे तर्कहीन बताया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका भी रूस से परमाणु उद्योग के लिए यूरेनियम, हेक्साफ्लोराइड और इलेक्ट्रिक वाहन इंडस्ट्री के लिए पैलेडियम, उर्वरक और रसायन आयात करता है। कड़े प्रतिबंधों के बावजूद अमेरिका ने तकरीबन साढ़े तीन अरब डॉलर का रूसी गुड्स ट्रेड किया है। भारत सरकार ने भी स्पष्ट किया कि वैश्विक बाजार को स्थिर करने के लिए अमेरिका द्वारा रूस से तेल खरीदते रहने को प्रोत्साहित किया गया था। मोदी को मित्र बता कर गलबहियां करने वाले ट्रंप के बदलते तेवर कूटनीतिक रूप से हताशा भरे माने जा सकते हैं। उन्होंने भारत को अच्छा व्यापारिक साझेदार न बता कर संदेह को भी बढ़ाने का काम किया है। रूस से सिर्फ तेल खरीद ही असल मुद्दा नहीं है। अमेरिका को भारत का रूसी सैन्य उपकरण लेना भी अखरता रहा है। अमेरिका के दबदबे को घुड़की देकर भारत ने वैश्विक समुदाय के समक्ष पश्चिमी देशों की पाखंड वाली नीति पर प्रश्न चिह्न लगाने में भी गुरेज नहीं किया। यूक्रेन में रूस के खिलाफ प्रॉक्सी वॉर कर रहे गुटों की बात की जाए या व्यापार की तो इसकी किसी पारदर्शी योजना का अब तक खुलासा नहीं हुआ है। साल के अंत में रूसी राष्ट्रपति की भारत यात्रा संभावित है। तब भी अमेरिका अपनी आक्रामकता पर काबू करने में विफल रहने वाला है। खुद को शांति दूत के तौर पर पेश करने की ट्रंप की तमाम कोशिशों को दुनिया भली-भांति देख रही है। भारत न सिर्फ विशाल बाजार है, बल्कि उसे अन्य मुल्कों के साथ साझीदारी/व्यापार करने से रोक पाना आसान नहीं है। उसे अपनी बढ़ती अर्थव्यस्था की गति को स्थिर रखने और घरेलू दबावों के चलते अपने रुख पर कायम रहना होगा। ट्रंप की भभकी का असर अधिक इसलिए भी नहीं रह जाता क्योंकि वे अस्थिर व्यक्ति हैं। उनके बयानों/विचारों में ढुलमुलाहट के चलते घबराने की तनिक आवश्यकता नहीं है।

चिंतन-मनन

व्यक्तिगत चेतना का विस्तार

दूसरों के सुख-दुख का भागी बनने से हमारी व्यक्तिगत चेतना विकसित होकर विश्व चेतना बन जाती है। समय के साथ जब ज्ञान की वृद्धि होती है, तब उदासीनता संभव नहीं। तुम्हारा आंतरिक स्रोत ही आनन्द है।अपने दुःख को दूर करने का उपाय है विश्व के दुख में भागीदार होना और अपनी खुशी को बढ़ाने का उपाय है विश्व के आनन्द में सहभागी होना। जब सभी लोग इस विचार से आएंगे कि वे समाज को अपना क्या योगदान दें, तो वह दैवी समाज होगा।हम सबको अपनी व्यक्तिगत चेतना को शिक्षित और शिष्ट करना है ताकि समय के साथ ज्ञान की वृद्धि हो, परिवर्तन आए। यदि ध्यान में तुम्हें गहन अनुभव न हो रहे हों तो और सेवा करो- ध्यान में अधिक गहराई आएगी।ध्यान तुम्हारी मुस्कान वापस लाता है। कई व्यक्ति सेवा करना छोड़ देते हैं जब वे अपनी छवि, प्रतिष्ठा, सम्मान, सुविधा और आराम को लक्ष्य की प्राप्ति से अधिक महत्व देने लगते हैं। कई बार लोग सेवा से कतराने लगते हैं, जब उन्हें कोई पद नहीं मिलता या जब वे अपमानित महसूस करते हैं। जब उन्हें अपेक्षानुसार कम मिलता है या जब वे लक्ष्य की प्राप्ति को चुनौती न समझकर संघर्ष समझते हैं। इसीलिए, संसार में कुछ ही लोग लक्ष्य तक पहुंचने में कामयाब होते हैं।

जब ऐसा कुछ करना है जो तुम नहीं कर सकते, तब विश्राम नहीं कर सकते और तब भी विश्राम नहीं कर सकते जब लगता है कि तुम्हें वह बनना है जो तुम नहीं हो। ऐसा कुछ नहीं करना जो तुम नहीं कर सकते। तुमसे वह देने के लिए नहीं कहा जाएगा जो तुम नहीं दे सकते। जितना तुम कर सकते हो, केवल वही तुम्हारे हिस्से की सेवा है।यह समझ गहरा विश्राम देती है। यदि तुममें आकांक्षा या आलस्य है, तुम विश्राम नहीं कर सकते।दोनों ही गहरे विश्राम के विरुद्ध हैं। एक आलसी व्यक्ति रात भर करवटें बदलेगा, बेचैन रहेगा और एक आकांक्षी व्यक्ति अंदर ही अंदर जलेगा।गहन विश्राम तुम्हारी कलाओं और योग्यताओं को उभारता है और तुम्हें अपने स्वरूप के समीप लाता है।थोड़ा सा भी यह आभास कि ईश्वर तुम्हारे साथै है, गहरा विश्राम लाता है।प्रार्थना, प्रेम तथा ध्यान गहन विश्राम के विशिष्ट रस हैं।

संस्थान में लालच से नहीं ईमानदारी से काम करें

संजय गोस्वामी

यदि हम किसी संस्थान में काम करते हैं तो ईमानदारी जरुरी है आज हमें अपने बारे में नहीं संस्थान के बारे में सोचना चाहिए किसी भी चीज को तोड़ना आसान होता है जोड़ना मुश्किल इसी तरह की एक घटना मेरे आँखों के सामने घटी जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है बात करता हूँ एक संस्थान जो चैर्टीबल संस्था थी उसमें पहले सरकार से हिंदी में विज्ञान के प्रचार हेतु अच्छा फंड मिलता था जो अब बन्द होने के कगार पर है ऐसे तो सरकारी संस्था विज्ञान प्रसार तो बन्द हो गई लेकिन हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद अभी जिन्दा है लेकिन हैंगिंग अवस्था में है इसमें दो गुट बन गए जो दुर्भाग्यपूर्ण है दरअसल 2021 में कोरोना का संकट आया और परिषद के साथ एक लोकल इंजीनियरिंग कॉलेज की संस्था विवेकानंद मॅनॅग्मेंट कॉलेज, चेम्बूर से एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन होना था जो बन्द हो गया लेकिन उसकी पुरी तैयारी कर ली गई बाद में सचिव ने कोषाध्यक्ष से कोई चेक ले लिया और खर्ज कर देने का दावा किया और जो बैग आनेवाला था वो आ गया ऐसा बताया गया लेकिन कोषाध्यक्ष ने बाद में बैग को देखने की इच्छा जताई लेकिन यह कहकर की बैग को डिस्पोजल कर दिया इसपर कोषाध्यक्ष को पैसा गमन करने का आरोप लगाया और दोनों में काफी खींचातानी हुई हालांकि उनका रुख मेरे प्रति एक जगह काम करने से काफी नरम रहा लेकिन उन्होंने इस हेतु ऑनलाइन आमसभा बुलाई और उसमें अधिकतर लोगों ने यह मान ली की बैग डिस्पोजल हो गया उधर एक अलग ही ड्रामा चालू हुआ कि अगले चुनाव में अध्यक्ष के लिए खड़ा होंगे अगले चुनाव में लेकिन लोगों ने समझाया भाई बहुत साल तक आप परिषद में हैं अतः आप खुशी खुशी निकल जाए और दूसरों को मौका दें दरअसल परिषद में लोगों को आने जाने और बड़े बड़े लोगों के साथ बैठने में दिलचस्पी हुई और अब ऐसी स्थिति आई कि एक पद के लिए दो क्या दो से अधिक उम्मीदवार ने नामांकन भरा और बाद में आम सभा में 2016 में पहली बार चुनाव हुए और उस चुनाव में एक कोषाध्यक्ष थे जो तीन टर्म तक थे एक सचिव के लिए जो खड़े थे उन्होंने उसकी भरी सभा में बेइज्जती की कहा आप 2या तीन टर्म तक रहें हैं अतः आप उसी पद के लिए नहीं खड़ा हों लेकिन उन्होंने नहीं सुना, और चुनाव अधिकारी ने भी देखते हुए कहा आप तीन बार खड़ा हों चूंके हैं अतः आप नहीं हों सकते लेकिन चुनाव अधिकारी के साथ मुझे आमसभा ने मदद करने को कहा उस समय मैंने चुपके से कहा की चुनाव अधिकारी जी कहने से नहीं होता सबूत के आधार पर फैसला होता है तभी उन्होंने अपनी कुर्सी का महत्व समझते हुए उन्होंने उनसे सबूत माँगा और अचानक सबूत जुटाना मुश्किल था क्योंकि उसे कहाँ पता था कि इतनी जल्दी कोई सबूत भी मांग लेंगे और आमसभा ने चुनाव अधिकारी के फैसला को सही मानते हुए उसे चुनाव में खड़ा होने की अनुमति दि बाद में मुझे लगा उनकी संख्या बल कमजोर है क्योंकि जो सचिव के लिए खड़ा होने वाले थे वो उस उम्मीदवार का समर्थन कर दिया जिसने उनके खिलाफ कोषाध्यक्ष के खड़ा होने पर सवाल उठा दिए थे और फिर जैसे तैसे लास्ट मिनट में एक मित्र आया और उनके पक्ष में वोट कर दिया और मैच हों गया टाई अब वहाँ अध्यक्ष को निर्णय लेना था वो किसे चुनता है बाद में अध्यक्ष ने कोषाध्यक्ष को अपना समर्थन दिया और पुनः कोषाध्यक्ष बने लेकिन जिसने आम सभा में उसके खिलाफ खुब गरजा वो सचिव के लिए चुना गया और परिषद में दो फाड़ हो गए और कार्यकाल कुल मिलाकर बहुत कष्टदायक रहा क्योंकि जहाँ कलह होती है समझ ले उसका पतन होना तय है बाद में रायपुर में परिषद द्वारा एक संगोष्ठी का आयोजन हुआ तो उनका नाम ही उड़ा दिया तब उनको गुस्सा आया और चुनाव की तैयारी में जुट गए बाद में जब अध्यक्ष और कोषाध्यक्ष में बबाल हुआ तो किसी के बदले उन्हें जाने का मौका मिला मुझे भी पूछा गया लेकिन अपनी इज्जत को समझते हुए हमने नाम वापस ले लिया क्योंकि कुछ दिन पहले ही एक वैज्ञानिक पत्रिका को लेकर व्यवस्थापक का नाम नहीं

से सचिव ने डिस्पैच करने से रोक दिया फिर एक महानुभाव जो व्यवस्थापक भी थे संपादक में भी नाम जुड़वा लिया और जबकी नया व्यवस्थापक की नियुक्ति हुई थी बाद में दोनों में क्या बात हुआ मैंने व्यवस्थापक मंडल के सदस्य होने के नाते डिस्पैच की अनुमति मांगी क्योंकि वेंडर बहुत दिनों तक घर पर नहीं रख सकता था अतः हमने डिस्पैच को लेकर व्यवस्थापक से क्लियर करा लिया यह बात सचिव महोदय डॉ कुलवंत जी को इतना खराब लगा कि उन्होंने हरामी शब्द का प्रयोग कर दिया तब मैंने इस्तीफा की पेशकश की और अध्यक्ष ने कहा हमने खुब डांटा सही कहा या गलत इसका निर्णय के लिए गुरुगोविन्द सिंह जी ने सोने के समय अंतरआत्मा को जगाया की तुरंत मीटिंग में जाओ और वहाँ पता लग जायेगा कि हकीकत में उसने तुमसे झुठ बोला हैं और जैसे ही अध्यक्ष महोदय मिश्रा जी ने अध्यक्षता की तो मेरे मन से हमने नहीं गुरु जी ने अंदर से पूरा डर निकाल दिया और उसको उसने खुब सुनाया गुरूजी बार बार सपने में आते और कहते उसका दिन जब खत्म होगा तब तुम्हे न्याय मिलेगा और जब 2018 में चुनाव की तारीख तय हुई तो एक नया नियम आ गया कि कोई भी उम्मीदवार खास पदों के लिए दो बार से अधिक नहीं खड़ा हो सकता हैं तब कोषाध्यक्ष ने सचिव पद पर उम्मीदवारी के लिए नामांकन कर दिया जो उसके लिए अपनी योग्यता के बल पर पात्र नहीं था और मैंने कहा चुनाव जितना है तो मेहनत करना होगा और अपनी गाड़ी से सब जगह सदस्यों के पास एक मित्र के साथ सबसे मिलने गया फिर भी मुझे यकीन नहीं था कि चुनाव में उसे जीत मिलेगी लेकिन उस रात गुरूजी ने सपने में दिखा दिया जीत पक्की है क्योंकि उसका घमंड मुझे तोड़ना है और सुबह ईश्वर की ऐसी मर्जी हुई जिसे नहीं भी बुलाया था वो भी वोट देने फेवर में आ गए और बाद में वह सज्जन 35 वोट से हार गया और टीम की जीत हुई लेकिन पूर्व सचिव महोदय बहुत मुश्किल से सदस्य में निचले पैदान में आए और घमंड टुटा और इस तरह परिषद 2920 तक अच्छे से चली उसके बाद चुनाव के लिए पूर्व सचिव ने परिषद पर प्रेशर बनाया और कोरोना आ गया जब चुनाव आने वाले थे बाद में वही कोरोना काल में बैग पर जो आपत्ति हुई उसको लेकर उस समय के सचिव अपने लोगों से हट कर सेवानिवृत होने के बाद भी अध्यक्ष पद के लिए खड़ा हुए कोरोना को देखते हुए चुनाव पर रोक का नोटिफिकेशन आया लेकिन चुनाव अधिकारी उसके खास थे उन्होंने कुछ भी नहीं सुना और सारे नियम कानून को हाथ में लेते हुए अध्यक्ष पद हेतु जो उम्मीदवार उसके खिलाफ खड़ा था उसका बाईपास सर्जरी होना था मैं ही पहला बन्दा था कि रोकने के लिए कहा क्योंकि ऐ संदेश भी मुझे गुरूजी ही ने दिए थे क्योंकि मानवता से बड़ा कोई धर्म नहीं होता अतः अस्पताल में एक तरफ ऑपरेशन में जिंदगी और मौत से कोई जूझ रहा हो और उसे पल पल की खबर मिल रही थी उसके दिल पर क्या गुजरी होगी वह वही जनता होगा लेकिन बीमारी का फायदा उठाकर उसने जो वैलेट पेपर बनाए थे उसे बाहर ही रखा जो नियमानुसार वह उसका मत पत्र होता है उसे पता नहीं किसने बाहर रखने की अक्ल दि जिसने व्हाट्सप्प को एक अश्लील पोस्ट करना चालू रखा और लोगों पर खुद ही अमर्यादित होने का हकीकत भी दिखा दि चुनाव में कोविड नियम को जानते हुए और डिपार्टमेंट द्वारा रोक के बाबजूद नहीं माना और चुनाव भी बीमार उम्मीदवार की गैर हजारी में हुआ अतः डिपार्टमेंट ने मान्यता नहीं दि क्योंकि वह चैयरिटी कमीशनर के दायरे में आता है और फिर डिपार्टमेंट ने इससे किनारा कर लिया और जो सचिव ने त्यागपत्र ईमेल से दिए थे उन्होंने बड़ी चालाकी से हैंडओवर मीटिंग बुला लीं मुझे भी वहाँ जाने का खुब प्रलोभन मिला लेकिन मेरे गुरूजी ने मुझे बिल्कुल मना कर दिए और जब मैं टस से मस नहीं हुआ तो उसने मेरे बालकोनी में बैग रखने का आरोप लगा दिया और मैं खुब खुलकर लिखा तब गलती का अहसास हुआ औ? माफी मांगी उसके बाद परिषद में सभी अपना अपना पोस्ट पकड़ लिए और मेरे गाड़ी में प्रशन मंच का एक पूरा अटैची मेरे गाड़ी में पड़ा रहा बाद में अनाधिकृत तरीके से छल से मिश्राजी को यह बताया कि मैं खड़ा हो रहा हूँ आप मत खड़ा हो क्योंकि उसे भी उसकी ताकत का अंदाज था और इसतरह वह बिना चुनाव को चुन लिए गए लेकिन प्रस यह है कि किसने चुना चुनाव अधिकारी सिर्फ चुनाव के लिए मान्य होता है ना की बिना वोट वाले उम्मीदवार को चुन सकता है यह अधिकार सिर्फ आम सभा को है जो बुलाया ही नहीं गया इसतरह परिषद का सत्यनाश हो गया क्योंकि उसके बाद जो उनके विरोध में कमिटी बनी कोई खास काम नहीं किआ हाँ इतना जरूर किया खाता सील हो गया अब,3साल बाद फिर नई कार्यकारिणी के लिए मुश्किल से एक ग्रुप बना लेकिन कोई खास प्रगति देखने को नहीं मिल रही अतः अब सिर्फ व्हाट्सप्प चल रहा है कोई खोल कर देखता भी नहीं है क्योंकि खाता फ्रीज होने के बाद कौन अपनी जेब से पैसा लगाऐगा अतः सभी हिंदी प्रेमियों इसका साथ दें।

पैरोल या फरलोः कानून या विशेषाधिकार!

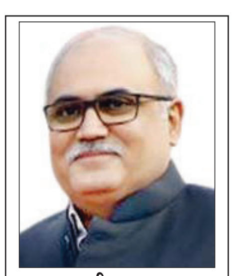

रजनीश कपूर

भारत में कानून की समानता का सिद्धांत संविधान का एक आधारभूत तत्व है। संविधान का अनुच्छेद 14 स्पष्ट कहता है कि कानून के समक्ष सभी समान हैं। लेकिन जब हम समाज के प्रभावशाली और ताकतवर लोगों का व्यवहार देखते हैं तो यह सिद्धांत कई बार मजाक बन कर रह जाता है। डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख गुरमीत राम रहीम का मामला इसका जीवंत उदाहरण है, जहां बार-बार दी जाने वाली पैरोल और फरलो ने न केवल कानूनी व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं, बल्कि आम जनता के विश्वास को भी हिला कर रख दिया है। गुरमीत राम रहीम को 2017 में दो साध्वियों के साथ रेप के मामले में 20 साल की सजा सुनाई गई थी और बाद में पत्रकार रामचंद्र छत्रपति और डेरा के पूर्व प्रबंधक रंजीत सिंह की हत्या के लिए आजीवन कारावास की सजा मिली थी।

पिछले कुछ वर्षों में ये बार-बार जेल से बाहर निकले हैं। 2020-25 तक उन्हें कम से कम 14 बार पैरोल या फरलो दी गई है, जिसमें कुल मिला कर 326 दिन जेल के बाहर बिताए गए हैं। हाल में अगस्त, 2025 में उन्हें 40 दिन की पैरोल दी गई जो उनकी सजा के सात साल के भीतर उनकी तीसरी रिहाई थी। यह पैटर्न न केवल कानूनी प्रक्रिया पर सवाल उठाता है, बल्कि यह भी दशार्ता है कि कैसे रसूखदार लोग कानून को अपने पक्ष में मोड़ लेते हैं। पैरोल और फरलो का प्रावधान हरियाणा गुड कंडक्ट प्रिजनर्स (टेम्परेरी रिलीज) एक्ट, 2022 के तहत किया गया है। इस कानून के अनुसार, एक साल की सजा पूरी करने के बाद कोई भी कैदी प्रति वर्ष 10 सप्ताह की पैरोल और 21 दिन की फरलो का हकदार है। फरलो को कैदी का अधिकार माना जाता है, जो सामाजिक-पारिवारिक संबंध बनाए रखने के लिए दी जाती है, जबकि पैरोल के लिए विशिष्ट कारणों की आवश्यकता होती है। लेकिन राम रहीम के मामले में ये रिहाइयां अक्सर बिना किसी ठोस कारण के दी गई हैं।

राम रहीम का डेरा सच्चा सौदा हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, दिल्ली जैसे राज्यों में लाखों अनुयायियों के साथ एक प्रभावशाली संगठन है। अनुमान के अनुसार, डेरे के 90-95 लाख अनुयायी हैं, जो किसी भी राजनीतिक दल के लिए एक बड़ा वोट बैंक हो सकते हैं। 2022 में पंजाब विधानसभा चुनाव, 2023 में राजस्थान विधानसभा चुनाव और 2024 में हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले उनकी रिहाई ने राजनीतिक प्रभाव की आशंकाओं को बल दिया है। सवाल उठता है कि क्या ये रिहाइयां कानूनी प्रक्रिया का हिस्सा हैं, या राजनीतिक लाभ के लिए सुनियोजित कदम? हरियाणा के जेल मंत्री रंजीत सिंह चौटाला और अन्य नेताओं ने दावा किया है कि राम रहीम को दी गई रिहाइयां कानून के दायरे में हैं, और अन्य कैदियों को भी ऐसी सुविधाएं दी जाती हैं। लेकिन 2023 के सरकारी आंकड़ों के अनुसार, हरियाणा की जेलों में 5,832 कैदियों में से 2,801 को ही अस्थायी रिहाई मिली थी। सवाल उठता है कि क्या सभी कैदियों को इतनी बार और इतने लंबे समय के लिए रिहाई दी जाती है, जितनी राम रहीम को दी गई हैं? शिरोमणि गुरु द्वारा प्रबंधक समिति (एसजीपीसी) ने उनकी लगातार रिहाइयों के खिलाफ पंजाब एंड़ हरियाणा हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी, लेकिन कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया। यह कहते हुए कि रिहाई का निर्णय कानूनी ढांचे के भीतर लिया गया है। लेकिन यह तर्क उस धारणा को कमजोर करता है कि कानून सबके लिए समान है। पत्रकार रामचंद्र छत्रपति के बेटे अंशुल छत्रपति ने इसे 'कानून का मजाक' करार दिया है। कहते हैं कि अगर कोई कैदी हर साल 90 दिन जेल से बाहर रह सकता है, तो सजा का क्या अर्थ रह जाता है?

राम रहीम की रिहाइयों का प्रभाव केवल कानूनी नहीं, बल्कि सामाजिक-नैतिक भी है। उनकी सजा के बाद 2017 में हरियाणा और पंजाब में हुई हिंसा में 40 लोगों की मौत हुई थी और करोड़ों की संपत्ति का नुकसान हुआ था। ऐसे व्यक्ति को बार-बार रिहा करना न केवल पीड़ित परिवारों के लिए अपमानजनक है, बल्कि उन गवाहों के लिए भी खतरा पैदा करता है जो अभी भी उनके खिलाफ लंबित मामलों में गवाह हैं। सिरसा आश्रम में नपुंसकता मामले में अभी मुकदमा चल रहा है, और उनकी मौजूदगी गवाहों पर दबाव डाल सकती है। यह मामला एक व्यक्ति की कहानी भर नहीं है, बल्कि ऐसी व्यवस्था की कमजोरी उजागर

करता है, जहां सत्ता और प्रभाव कानून के ऊपर हावी हो जाते हैं।

पैरोल और फरलो जैसे प्रावधानों का उद्देश्य कैदियों के पुनर्वास और सामाजिक एकीकरण को बढ़ावा देना है, लेकिन जब इनका दुरु पयोग विशिष्ट लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए किया जाता है, तो यह पूरी प्रणाली की विश्वसनीयता को कमजोर करता है। इस समस्या के समाधान के लिए राजनीतिक प्रभाव को कम करने के लिए चुनाव के समय में ऐसी रिहाइयों पर रोक लगाने जैसे उपाय किए जा सकते हैं। समय की मांग है कि हमारी कानूनी व्यवस्था इस तरह के दुरुपयोग को रोकने के लिए कठोर कदम उठाए ताकि कानून की गरिमा और विश्वसनीयता बरकरार रहे।

अमेरिका 32.5 करोड़ डॉलर की रूसी सुपरयाट अमाडिया की कर रहा नीलामी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका एक बहुत ही महंगी लग्जरी सुपरयाट अमाडिया की नीलामी कर रहा है, जिसकी कीमत 32.5 करोड़ डॉलर है। यह सुपरयाट रूस की है। अमेरिका ने इसे यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद जब्त कर लिया था। यह पहली रूसी सुपरयाट है, जिसे अमेरिका अब बेच रहा है।

यह नीलामी 10 सितंबर तक चलेगी। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर युद्ध समाप्त करने का दबाव बना रहे हैं। अमेरिका ने कहा है कि वह अपने सहयोगियों के साथ मिलकर रूस के अमीर लोगों पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है, जिनमें से कुछ राष्ट्रपति पुतिन के करीबी हैं और उनकी सुपरयाट जब्त कर ली गई हैं। अमेरिका चाहता है कि वे पुतिन को युद्ध रोकने के लिए मजबूर करें।

348 फीट लंबी याट में आठ राजकीय कक्ष

रूसी सुपरयाट अमाडिया को अमेरिका ने तीन साल पहले जब्त किया था। यह याट वर्तमान में सैन डिएगो में खड़ी है, जो 348 फीट लंबी है। इस याट का निर्माण जर्मन कंपनी लुर्सेन ने 2017 में विशेष रूप से किया था। इस सुपरयाट को फ्रांस्वा जुरेट्टी ने डिजाइन किया था। इसका अंदर का हिस्सा संगमरमर का है। इस याट में आठ राजकीय कक्ष, एक ब्यूटी सैलून, एक स्पा, एक जिम, एक हेलीपैड, एक स्वीमिंग पूल और एक लिफ्ट है। इसमें 16 मेहमानों और 36 चालक दल के सदस्यों के रहने की व्यस्था है।

याट का असली मालिक कौन?: अमेरिका द्वारा जब्त की गई अमाडिया का असली मालिक कौन है, यह अभी साफ नहीं है। यह केमैन द्वीप में स्थित मिलमारिन इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के नाम पर रजिस्टर्ड है। अमेरिका का कहना है कि याट के असली मालिक अर्थशास्त्री और पूर्व रूसी राजनेता सुलेमान केरीमोव हैं, जिन पर 2018 से अमेरिकी प्रतिबंध लगे हैं। लेकिन सरकारी नियंत्रण वाली रूसी तेल और गैस कंपनी रोसनेफ्ट के पूर्व अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी एडुआर्ड खुदैनाटोव इस याट के मालिक होने का दावा कर रहे हैं।

याट की जब्ती के खिलाफ कोर्ट में अपील कर रहे खुदैनाटोवत्न अमेरिकी अभियोजकों का कहना है कि खुदैनाटोव इस याट के एक छद्म मालिक हैं, जिनका उद्देश्य याट के असली मालिक केरीमोव को छिपाना है। खुदैनाटोव इस याट की जब्ती के खिलाफ कोर्ट में अपील कर रहे हैं। उनके वकील एडम फोर्ड का कहना है कि याट की नीलामी गलत है और इसका कानूनी रूप से विरोध किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

पाक सेना को लगातार निशाना बना रहे बलूच विद्रोही

इस्लामाबाद, एजेंसी। बलूच विद्रोहियों ने मंगलवार रात आइइडी हमले में एक मेजर समेत तीन पाकिस्तानी सैनिकों की हत्या कर दी। तीन अन्य सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गए। बलूच लिबरेशन आर्मी ने हमले की जिम्मेदारी ली है। हमले में मारे गए सैनिकों की हुई पहचान घटना स्थानीय समयानुसार रात लगभग 8ः00 बजे हुई। एक बुलेटप्रूफ सैन्य वाहन पर इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आइईडी) से हमला किया गया। हमले में मारे गए सैनिकों की पहचान मेजर रिजवान, नायब सूबेदार अमीन और लांस नायक यूनिस के रूप में हुई है। पाकिस्तानी सेना ने अभी नहीं दी कोई प्रतिक्रिया बीएलए प्रवक्ता जीयंद बलूच ने कहा कि समूह ने इलाके में एक खुफिया जानकारी पर आधारित अभियान चलाया गया। मेजर रिजवान के काफिले को निशाना बनाने के लिए रिमोट कंट्रोल से नियंत्रित आइईडी का इस्तेमाल किया गया था। पाकिस्तानी सेना ने अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया जारी नहीं की है। जुलाई के मध्य से अब तक कई हमले हुए द बलूचिस्तान पोस्ट के अनुसार, जुलाई के मध्य से अलग-अलग घटनाओं में मेजर रैंक के चार सैन्य अधिकारी मारे गए हैं। वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को लगातार निशाना बनाना इस बात का संकेत है कि बलूच विद्रोही ने संचालनात्मक और खुफिया क्षमताएं बढ़ा ली हैं। हमलों का उद्देश्य पाकिस्तानी सेना पर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाना है।

आयरलैंड के वाटरफोर्ड में 6 साल की भारतीय मूल की बच्ची पर हमला

डबलिन, एजेंसी। आयरलैंड के वाटरफोर्ड में भारतीय मूल की छह साल की बच्ची पर लड़कों ने बेरहमी से हमला किया। हमलावरों ने चिल्लाते हुए कहा, भारत वापस जाओ। बच्ची के निजी अंग पर भी वार किया। आयरलैंड में भारतीय मूल की किसी बच्ची पर यह पहला नस्लभेदी हमला है। हालांकि, देश में पहले अन्य भारतीयों के खिलाफ ऐसे हमले हो चुके हैं। बच्ची सोमवार शाम घर के बाहर दोस्तों के साथ खेल रही थी, तभी हमला हुआ। मां ने बताया कि हमलावरों में आठ साल की लड़की और 12-14 साल के लड़के थे। डबलिन स्थित समाचार एजेंसी द आयरिश मिरर को मां ने बताया कि मैंने उससे कहा था कि मैं बच्ची को दूध पिलाने के बाद वापस आ जाऊंगी, लेकिन बेटी एक मिनट बाद ही परेशान होकर घर आ गई। वह बहुत अधिक डरी थी। रो रही थी और बोल भी नहीं पा रही थी। आयरिश मिरर की रिपोर्ट के अनुसार, उसकी सहेली ने उसकी मां को बताया कि उनसे बड़ी उम्र के लड़कों ने उसके निजी अंगों पर साइकिल से वार किया और उनमें से पांच ने उसके चेहरे पर मुक्के मारे। उन्होंने कहा, गंदे भारतीय, भारत वापस जाओ। उसके बाल भी मरोड़े। महिला आठ साल से आयरलैंड में रह रही है। वह नर्स है। हाल में आयरिश नागरिक बनी है।

पाकिस्तान ने बलूचिस्तान में इंटरनेट बंद किया, सुरक्षा कारणों का हवाला दिया

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने बलूचिस्तान प्रांत में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं पूरी तरह से बंद कर दी हैं। पाकिस्तान टेलीकम्युनिकेशन अथॉरिटी के आदेश पर यह कदम उठाया गया है। इसके पीछ सुरक्षा कारणों का हवाला दिया गया है। यह जानकारी द बलूचिस्तान पोस्ट ने दी है। इंटरनेट बंद होने का असर लाखों लोगों पर पड़ा है। पढ़ाई, ऑनलाइन काम, कारोबार और सोशल मीडिया तक पहुंच पूरी तरह ठप हो गई है। खासकर छात्र और इंटरनेट से कमाई करने वाले लोग सबसे ज्यादा परेशान हैं। हालांकि रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यह फैसला संभावित सुरक्षा खतरे के चलते लिया गया है। लेकिन सरकार ने अब तक इन खतरों के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि इंटरनेट सेवाएं कब तक बहाल होंगी। बलूचिस्तान सरकार पहले ही सार्वजनिक सभाओं पर पाबंदी लगा चुकी है। 'द बलूचिस्तान पोस्ट' के मुताबिक, राज्य के गृह विभाग ने 1 अगस्त से 15 दिनों के लिए धारा 144 लागू कर दी है। इसके तहत चार या उससे ज्यादा लोगों के इकट्ठा होने पर रोक है।

तकनीकी गड़बड़ी के चलते यूनाइटेड एयरलाइन्स ने अचानक से रोकीं कई उड़ानें

लॉस एंजिलिस, एजेंसी। अमेरिका की प्रमुख एयरलाइन यूनाइटेड एयरलाइन्स की कई उड़ानों को बुधवार को अचानक रोक दिया गया, जिससे हजारों यात्रियों को देरी और असुविधा का सामना करना पड़ा। कंपनी ने बताया कि यह कदम एक तकनीकी गड़बड़ी के कारण उठाया गया है। इस मामले में यूनाइटेड एयरलाइन्स ने बयान जारी कर बताया कि तकनीकी समस्या की वजह से हमने अपनी मुख्य उड़ानों को उनके डिपार्चर एयरपोर्ट पर रोक दिया है। हमें उम्मीद है कि शाम को और भी उड़ानों में देरी हो सकती है। यात्रियों की सुरक्षा हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। हम उन्हें गंतव्य तक पहुंचाने की पूरी कोशिश करेंगे।

एफएए ने भी जारी किए आदेश: अमेरिका की उड़ानों को नियंत्रित करने वाली संस्था संघीय विमानन प्राधिकरण (एफएए) ने भी यूनाइटेड की उड़ानों पर रोक लगाने के आदेश दिए हैं। यह रोक डेनवर, न्यूआर्क, ह्यूस्टन और शिकागो जैसे बड़े एयरपोर्ट्स पर लागू की गई है। बता दें कि यह कोई पहली बार नहीं है जब अमेरिका की एविएशन सेवाओं में दिक्कत आई हो। अलास्का एयरलाइंस की तकनीकी गड़बड़ी के कारण उसकी फ्लाइट्स घंटों रुकी रहीं। इस साल कई बार नेवार्क एयरपोर्ट पर एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम फेल हो चुका है। जनवरी में वॉशिंगटन के पास एक यात्री विमान और मिलिट्री हेलिकॉप्टर की टक्कर में दर्जनों लोगों की जान चली गई थी।

रूस-अमेरिका परमाणु संतुलन पर खतरा! परमाणु संधियां टूटीं और भरोसा टूटा, अंतिम कड़ी 'न्यू स्टार्ट' भी तोड़ रही दम

वाशिंगटन, एजेंसी। कभी परमाणु हथियारों की दौड़ पर नियंत्रण के लिए अमेरिका और सोवियत संघ (अब रूस) के बीच कई ऐतिहासिक संधियाँ हुई, लेकिन अब वे लगभग समाप्त हो चुकी हैं। वर्तमान में 'न्यू स्टार्ट' इकलौती संधि है जो दोनों देशों के बीच परमाणु हथियार नियंत्रण को लेकर बची है, और वह भी 2026 में समाप्त होने वाली है।1987 में की गई इंटरमीडिएट रेंज न्यूक्लियर फोर्सेज (ढ्ढहस्न संधि, जो 500 से 5,500 किमी तक की परमाणु मिसाइलों पर रोक लगाती थी, पहले अमेरिका (2019) और फिर अब रूस द्वारा छोड़ दी गई है। अमेरिका ने रूस पर संधि के उल्लंघन का आरोप लगाया था, वहीं रूस ने इसे नकारा और अब औपचारिक रूप से इससे बाहर निकल चुका है।

'न्यू स्टार्ट' संधि जिस पर 2010 में हस्ताक्षर हुए थे, केवल 2026 तक लागू है। यूक्रेन युद्ध के बाद रूस ने इस संधि में अपनी भागीदारी ÷स्थगित÷ कर दी है, जिससे निरीक्षण प्रक्रिया बाधित हो गई है। हालांकि, रूस का कहना है कि वह अब भी निर्धारित सीमाओं का पालन करेगा।विशेषज्ञों का मानना है कि अब अमेरिका-रूस के बीच कोई नई परमाणु संधि जल्द होती नहीं दिखती, क्योंकि आपसी विश्वास पूरी तरह खत्म हो चुका है। अमेरिका अब अपने रणनीतिक ध्यान को चीन और ईरान जैसे अन्य देशों की ओर मोड़ रहा है। अमेरिका यह भी मानता है कि पूर्ववर्ती परमाणु संधियाँ जैसे ढ्ढहस्न, चीन जैसी शक्तियों को शामिल नहीं करतीं, जबकि आज के परिप्रेक्ष्य में चीन एक प्रमुख परमाणु शक्ति बन चुका है। इससे नई हथियार दौड़ की संभावना और बढ़ गई है।

दबाव के आगे झुका रूस? वाइट हाउस का दावा, जंग खत्म करने के लिए ट्रंप से मिलना चाहते हैं पुतिन

न्यूयॉर्क , एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध की वजह से वैश्विक राजनीति में लगातार उथल-पुथल मची हुई है। बुधवार को वाइट हाउस की तरफ से दावा किया कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने युद्ध को खत्म करवाने के लिए जल्द से जल्द अपने अमेरिकी समकक्ष से मिलने की इच्छा जताई है। अमेरिका भी इस मुलाकात के लिए पहले से ही तैयार है। ऐसे में इन दोनों राष्ट्राध्यक्षों की मुलाकात जल्द ही हो सकती है। यह बयान उन मीडिया रिपोर्ट्स के बाद आया है, जिनमें कहा जा रहा था कि ट्रंप अगले हफ्ते ही अपने रूसी और यूक्रेनी समकक्ष से मिल सकते हैं। उनकी इस मुलाकात में एक नए सिरे से युद्ध को खत्म करने की शुरुआत होगी।

इन तीनों राष्ट्र प्रमुखों की अगली मुलाकात के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब वाइट हाउस की प्रवक्ता कैरोलीन लैविट ने दिया। उन्होंने कहा,रूसियों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलने की इच्छा जताई है... और राष्ट्रपति ट्रंप पुतिन और जेलेंस्की दोनों से मिलने के लिए तैयार हैं। इसके अलावा एएफपी ने एक वरिष्ठ यूक्रेनी सूत्र के हवाले से कहा है अमेरिकी दूत विटकॉफ की मॉस्को यात्रा के बाद ट्रंप की जेलेंस्की से फोन पर बात हुई। इस बातचीत में दोनों नेताओं के अलावा नाटो प्रमुख, ब्रिटेन, जर्मनी और फिनलैंड के नेता शामिल थे। इस फोन कॉल के दौरान तीनों नेताओं की जल्द से जल्द मुलाकात की संभावना पर भी चर्चा की गई।

इससे अलग न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक इस जंग को खत्म करने की एक और कोशिश करने के लिए ट्रंप इस हफ्ते के आखिर तक राष्ट्रपति पुतिन से मिलने और इसके ठीक बाद वह दोनों नेताओं से एक साथ मिलने की योजना बना रहे हैं। हालांकि अभी तक यूक्रेनी या नाटो अधिकारियों ने इस मीटिंग की पुष्टि नहीं की है।

गौरतलब है कि तीनों नेताओं के बीच यह मुलाकात के कयास अमेरिकी दूत विटकॉफ की मॉस्को यात्रा के बाद से लगाए जा रहे हैं। बुधवार को राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने दूत विटकॉफ और पुतिन के बीच हुई इस बातचीत को बेहतर बताया था। आपको बता दें कि ट्रंप और पुतिन के बीच होने वाली यह मुलाकात भारत के लिए भी महत्वपूर्ण हो जाती है। क्योंकि कल ही राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत के ऊपर रूसी तेल खरीदने की वजह से 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। इस बढ़े हुए टैरिफ की वजह से अब अमेरिका पहुंचने वाली भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ 50 फीसदी तक पहुंच गया है।

पाक आर्मी चीफ मुनीर इस हफ्ते अमेरिका जाएंगे-दो महीने में दूसरा वॉशिंगटन दौरा; राष्ट्रपति ट्रम्प से मुलाकात संभव

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के आर्मी चीफ फील्ड मार्शल असीम मुनीर इस हफ्ते अमेरिका के दौरे पर जाएंगे। वह सेंट्रल कमांड के नए प्रमुख की नियुक्ति समारोह में शामिल होंगे। यह दो महीने में उनकी अमेरिका की दूसरी यात्रा होगी। इससे पहले वे 14 जून को वॉशिंगटन डीसी में अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ के जश्न में शामिल हुए थे। इसके अलावा मुनीर ने राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ व्हाइट हाउस में दो घंटे की लंच मीटिंग की थी। यह बैठक बंद कमरे में हुई थी। यह पहली बार था जब किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने पाकिस्तान के आर्मी चीफ की मेजबानी की। मुनीर ने ट्रम्प को मई में भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकवाने का क्रेडिट दिया था। साथ ही ट्रम्प को नोबेल पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया है।

पाकिस्तान ने अमेरिका के सेंट्रल कमांड प्रमुख जनरल माइकल कुरिल्ला को देश के सबसे बड़े सैन्य सम्मान निशान-ए-इम्तियाज से नवाजा है। यह सम्मान पिछले महीने इस्लामाबाद में राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में

राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने दिया गया। जनरल कुरिल्ला को यह सम्मान क्षेत्रीय शांति को बढ़ावा देने और पाकिस्तान-अमेरिका सैन्य संबंधों को मजबूत करने के लिए दिया गया। जनरल कुरिल्ला ने पाकिस्तान के राष्ट्रपति जरदारी और सेना प्रमुख असीम मुनीर से मुलाकातें कीं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस सम्मान के जरिए पाकिस्तान, अमेरिका के लिए अपनी वफादारी जाहिर कर रहा है।

क्रिप्टो बिजनेस की कमान संभालेंगे आर्मी चीफ मुनीर आर्मी चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर संभालेंगे। ट्रम्प ने मुनीर के साथ डिनर डिप्लोमेसी के तहत क्रिप्टो डील को फाइनल की है। पाक क्रिप्टो काउंसिल ने पाकिस्तान के 17,000 करोड़ रुपए के क्रिप्टो बिजनेस का ट्रम्प परिवार के दबदबे वाली वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल से करार किया है। पाक सरकार ने क्रिप्टो बिजनेस के अनुकूल नीतियों में बदलाव भी शुरू कर दिए हैं। भारत से संघर्ष के बाद आसिम मुनीर को फील्ड मार्शल बनाया गया पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर को पिछले मई में प्रमोट करके फील्ड मार्शल बनाया गया है। फील्ड मार्शल पाकिस्तान सेना में सर्वोच्च पद है। मुनीर का ये प्रमोशन भारत के खिलाफ ऑपरेशन बुनयान-उम-मार्सूस के दौरान आर्मी को लीड करने की वजह से किया गया। इससे पहले 1959 में अयूब खान ने पाकिस्तान में सत्ता परिवर्तन करने के बाद खुद को पहला फील्ड मार्शल घोषित किया था।

सुनिश्चित करेंगे दोबारा न हो ऐसी त्रासदी..., हिरोशिमा परमाणु बम हमले की 80वीं बरसी पर बोले पीएम इशिबा

हिरोशिमा, एजेंसी। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने हिरोशिमा पर परमाणु हमले की 80वीं बरसी पर उन लोगों को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने इस हमले में अपनी जान गंवाई थी। उन्होंने हिरोशिमा में आयोजित एक स्मृति समारोह में भाग लिया और फिर मीडिया से बातचीत में कहा कि उनकी सरकार शांति बनाए रखने और परमाणु हथियारों को खत्म करने के लिए लगातार काम करती रहेगी। प्रधानमंत्री इशिबा ने यह भी स्पष्ट किया कि जापान का नाटो जैसे किसी परमाणु साझेदारी समझौते में शामिल होने का कोई इरादा नहीं है। युद्ध के बाद अमेरिका जापान का सबसे करीबी सहयोगी बन गया है। इस बारे में उन्होंने किसी बदलाव की संभावना खारिज किया। एक्स पर पोस्ट करते हुए प्रधानमंत्री इशिबा ने कहा, मैंने आज हिरोशिमा शहर के शांति स्मारक पार्क में आयोजित स्मृति समारोह में भाग लिया। आज से 80 साल पहले हिरोशिमा पर परमाणु बम गिराया गया था, जिससे यह शहर पलभर में राख में बदल गया। मैंने उन सभी आत्माओं को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने इस त्रासदी में अपनी जान गंवाई। प्रधानमंत्री ने आगे लिखा, समारोह के बाद मैंने एक बार फिर शांति स्मारक संग्रहालय का दौरा किया। हम दुनिया का एकमात्र ऐसा देश हैं, जो परमाणु बम के भयावह अनुभव को दूसरों तक पहुंचा सकता है। हम इस दुखद अनुभव की याद को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाएंगे और यह सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रयासों की अगुवाई करेंगे कि फिर कभी ऐसी कोई त्रासदी न हो। हिरोशिमा में परमाणु हमले में बचे हुए पीड़ितों के प्रतिनिधियों से बातचीत में मैंने परमाणु हथियारों से मुक्त दुनिया बनाने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों, 'हिरोशिमा एक्शन प्लान', पीड़ितों के लिए सहायता योजनाएं और संग्रहालय के विस्तार पर चर्चा की।

अमेरिका के जॉर्जिया में सैन्य अड्डे में घुसा हमलावर, पांच सैनिकों को मारी गोली; बेस किया गया सीज

त्बिलिसी, एजेंसी। अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में स्थित फोर्ट स्टीवर्ट आर्मी बेस में बुधवार को उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक सक्रिय शूटर (हमलावर) की सूचना के बाद बेस के कई हिस्सों को सीज कर दिया गया। इस घटने के दौरान पांच सैनिकों को हमलावर ने अपनी गोली का निशाना बनाया। अमेरिकी समाचार एजेंसी एपी को फोर्ट स्टीवर्ट के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल एंजेल टॉमको ने बताया कि मौके पर गोलीबारी की पुष्टि हुई है और स्थिति को लगातार मॉनिटर किया जा रहा है। फोर्ट स्टीवर्ट ने अपने आधिकारिक फेसबुक पेज पर लिखा कि कई हताहतों की खबर है और स्थिति अभी भी नियंत्रण में नहीं आई है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि ये हताहत केवल घायल हैं या किसी की मौत भी हुई है। सेना के अधिकारियों ने बताया कि स्थिति को गंभीरता से लिया गया है और हरसंभव सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं। आर्मी बेस के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर यह अलर्ट जारी किया गया है कि सभी लोग तत्काल अपने-अपने स्थानों पर रहें, खिड़कियां और दरवाजे बंद कर लें और जब तक अगला निर्देश न मिले, बाहर न निकलें। पूरी चौकसी के साथ आर्मी पुलिस और अन्य एजेंसियां हमलावर की तलाश में जुटी हुई हैं।

घाना में हेलिकॉप्टर क्रैश, रक्षा और पर्यावरण मंत्रियों समेत आठ की मौत

अकारा, एजेंसी। घाना में एक सैन्य हेलिकॉप्टर हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में रक्षा मंत्री एडवर्ड ओमाने बोआमाह और पर्यावरण, विज्ञान व प्रौद्योगिकी मंत्री इब्राहिम मुर्तला मुहम्मद भी शामिल थे। इसमें तीन अन्य अधिकारी और तीन वायुसेना कर्मी भी शामिल थे।

घाना सशस्त्र बलों के अनुसार, जेड9 हेलिकॉप्टर बुधवार सुबह राजधानी अकारा से ओबुआसी के लिए रवाना हुआ, लेकिन रडार से संपर्क टूट गया। घाना के राष्ट्रपति व सरकार ने शोक संवेदना व्यक्त की है। राज्य मीडिया के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त जेड-9 हेलीकॉप्टर एक यूटिलिटी हेलिकॉप्टर था। जिसका उपयोग आमतौर पर परिवहन और चिकित्सा निकासी के लिए किया जाता है।

राष्ट्रपति जॉन माहामा के चीफ ऑफ स्टाफ जूलियस डेबराह ने बताया कि हादसा दक्षिणी अशांति नाम की जगह पर हुआ। उन्होंने इसे राष्ट्रीय त्रासदी बताया। राष्ट्रपति जॉन महामा के चीफ ऑफ स्टाफ जूलियस डेबरा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- राष्ट्रपति और सरकार इस दुखद हादसे में जान गंवाने वाले हमारे साथियों के परिवारों के लिए अपनी संवेदना जाहिर करती है। अगली सूचना तक देशभर में झंडे आधे झुकाए जाएंगे।

बुधवार की यह दुर्घटना पिछले एक दशक से अधिक समय में घाना की सबसे भीषण विमान दुर्घटनाओं में से एक मानी जा रही है। मई 2014 में एक सेवा हेलीकॉप्टर समुद्र तट के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। जिसमें कम से कम तीन लोगों की मौत हुई थी। 2021 में अकारा में एक मालवाहक विमान रनवे से फिसलकर एक यात्रियों से भरी एक बस से टकरा गया था। जिससे कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई थी।

देशभर में झंडे आधे झुकाए जाएंगे: राष्ट्रपति जॉन महामा के चीफ ऑफ स्टाफ जूलियस डेबरा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- राष्ट्रपति और सरकार इस दुखद हादसे में जान गंवाने वाले हमारे साथियों के परिवारों के लिए अपनी संवेदना जाहिर करती है।अगली सूचना तक देशभर में झंडे आधे झुकाए जाएंगे। घाना की सेना के मुताबिक, हेलिकॉप्टर बुधवार सुबह राजधानी अकरा से उड़ान भरने के बाद रडार से गायब हो गया था। हादसे की वजहों का अभी तक पता नहीं चल सका है।

हादसे की जांच शुरू: हेलिकॉप्टर में सत्तारूढ़ पार्टी नेशनल डेमोक्रेटिक कांग्रेस के उपाध्यक्ष और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार भी सवार थे। घाना सरकार ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि यह हादसा देश के लिए एक बड़ा झटका है। दुर्घटना का शिकार हुआ हेलिकॉप्टर एक जेड-9 यूटिलिटी हेलिकॉप्टर था, जिसका इस्तेमाल आमतौर पर ट्रांसपोर्ट और मेडिकल सुविधा के लिए किया जाता है। हादसे की जांच शुरू कर दी गई है और सरकार ने पीड़ित परिवारों के लिए संवेदना जताई है।

परदों से संवरा आपका घर

घर की खूबसूरती में जितना महत्व दीवारों पर लगे रंगों का है, उतना ही महत्व दरवाजों खिड़कियों पर लटकते परदों का है। आप चाहें तो कपड़े खरीद कर खुद से भी परदे सिलवा सकते हैं या फिर किसी भी मार्केट से रेडीमेड परदे खरीदे जा सकते हैं। इसके अलावा बाजार में ब्रांडेड परदे भी मौजूद हैं।

परदों के मामले में भी अब लोग काफी चूजी होने लगे हैं। वे अब परदों में भी स्टाइल और ट्रेंड्री लुक देखने लगे हैं। इसकी वजह परदों को लेकर बदली मानसिकता है। पहले जहां परदों का इस्तेमाल सिर्फ अपनी प्राइवेसी को बनाए रखने के लिए होता था, वहीं परदे अब इंटीरियर का एक खास हिस्सा बनने लगे हैं। यही कारण है कि जिस तरह फर्नीचर या घर की अन्य चीजों की खरीददारी पर ध्यान दिया जाता है, इसी तरह परदों की खरीददारी को अहमियत दी जाती है। परदों के चयन में वैसे तो सबकी अलग-अलग रुचि हो सकती है, पर इस मामले में घर की दीवारों के रंगों का ध्यान सभी रखते हैं। परदे दीवारों के रंगों से मिलते-जुलते हो सकते हैं या फिर कॉन्ट्रास्ट कलर के भी हो सकते हैं। मौसम के अनुसार भी परदे सिलवाए जा सकते हैं। गर्मी में लाइट ब्लू, ग्रीन आदि शांतिदायक रंगों का इस्तेमाल करें जबकि जाड़े के दिनों के लिए लाल, नारंगी और पीले रंगों के प्रयोग को अच्छा माना जाता है। मौसम के अनुसार परदे लगाने की जरूरत का ही परिणाम है कि पहले जहां एक ही तरह के परदे पूरे साल लटके रहते थे, वहीं अब बेडशीट की तरह परदे भी कुछ-कुछ अंतराल पर बदल दिए जाते हैं। रंगों के चयन के बाद बारी आती है कपड़ों के चयन की। इस उद्देश्य मुख्यत: सूती और जॉर्जेट फैब्रिक का ही इस्तेमाल होता है। दोनों ही फेब्रिक में डिजाइन की कोई कमी नहीं है। आप अपनी इच्छानुसार प्रिंट का चयन कर सकते हैं। हां, जॉर्जेट सूती परदों के मुकाबले महंगा जरूर आता है। वैसे तो अभी तक बाजार से कपड़े खरीद कर परदे सिलवाने का ही चलन था, पर अब रेडीमेड परदों से भी बाजार भरा पड़ा है। अब यह आपकी जरूरत है और इच्छा पर निर्भर करता है कि आप परदे सिलवाते हैं या सिले सिलाए परदे ही बाजार से ले आते हैं। आजकल लोगों के पास समय की कमी है यही कारण है कि रेडीमेड परदों की मांग बढ़ने लगी है। इससे आपका समय बचता है और सिलवाने की माथापच्ची भी नहीं करनी पड़ती। इसके अलावा इन परदों को दुकान में टांग कर ही उनकी खूबसूरती का आकलन किया जा सकता है। कुछ दुकानदार तो ट्रायल के लिए परदों को घर ले जाने की भी इजाजत दे देते हैं इस तरह सिले सिलाए परदों से घर को सजाना अब लोगों को अधिक भाने लगा है। आप चाहें तो सिंगल परदे लगवा सकते हैं और चाहें तो डबल, ताकि आपकी प्राइवेसी और बेहतर बनी रहे। सिर्फ परदे ही नहीं, इससे संबंधित एक्सेसरीज की भी बाजार उत्पाद भी है और ब्रांडेड भी। उदाहरण के लिए ब्रांडेड करेंट एक्सेसरीज में आल्प्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड एक जाना माना नाम है, जिसके उत्पाद विस्टा नाम से बाजार में है।

मस्करा कैसे लगाएं

- अगर आप नकली आई लैशेज के बिना उन्हें घना दिखाना चाहती है तो मस्करा वैंड से अतिरिक्त मस्करा निकाल दें।
- वैंड को सीधे पकड़े और धीरे-धीरे जड़ से सिरे तक घुमाते हुए लगाएं।
- कर्ल को सेट करने के लिए वैंड को आई लैसेज के सिरे पर कुछ सेकेंड के लिए लगाये रखें।
- पहला कोट सूखने के बाद ही दूसरा कोट लगाएं, जिससे मस्करा जमा होकर चिपके नहीं।
- जब तक मस्करा गीला है, आई लैश ब्रश से उन्हें शेप दें। इससे पलकों का बाल-बाल अलग होगा।
- मस्करे में कीटाणु बहुत जल्दी लगते हैं। तीन माह में इसे बदल दें चाहे, आपने इसका इस्तेमाल किया हो या नहीं।
- रात को सोने से पहले मस्करा साफ करना न भूलें। ऐसा न करने से यह आंखों के आस-पास फैल सकता है।

आप भी बन सकती हैं अच्छी कुक

- सलाद काटने से पहले सब्जियां कुछ समय पहले फ्रीजर में रखें, फिर काटें। सलाद आसानी से और अच्छा कटेगा।
- दही-बड़े बनाने के लिए पिसी हुई दाल में थोड़ी-सी सूजी भी फेंट लें। बड़े अधिक नर्म बनेंगे।
- उबले चावलों को खुशबूदार बनाने हेतु चावल उबालते समय एक तेज पत्ता डाल दें।
- रायते को अधिक स्वादिष्ट बनाने हेतु रायता बनाते समय दही में थोड़ा-सा ठंडा दूध डालें। रायता खट्टा नहीं बनेगा।
- चाय बनाते समय चाय की पत्ती को पानी में अधिक देर तक न उबालें। देर तक उबले पानी की चाय का स्वाद अच्छा नहीं आता।
- भिंडी गलने के बाद थोड़ा दही या नींबू का रस मिला कर पकाने से अधिक स्वादिष्ट बनेगी।
- भरवां करेले में बचा हुआ आम के आचार का मसाला मिला कर भरने से करेले स्वादिष्ट बनते हैं।
- नान बनाते समय उसमें थोड़ी-सी अजवाइन डालें।
- भिंडी, पालक, मेथी, बथुआ आदि बिना ढंते बनाएं। सब्जी का रंग हरा बना रहेगा।
- सैंडविच काटने के लिए जिस चाकू का प्रयोग करें उसे हल्का सा गर्म कर लें। गर्म चाकू से सैंडविच आसानी से कट जाते हैं।
- कचौंड़ी को अधिक खस्ता बनाने के लिए आटा गूंधते समय उसमें मोयन के साथ एक-दो चम्मच दही डालें।

फोटो मेकअप का बढ़ा क्रेज

खास मौके को खास तस्वीर के रूप में सहेजना चाहती हैं लड़कियां

गर्ल्स की परफैक्ट और खूबसूरत दिखने की चाहत ब्यूटी इंडस्ट्री में कई बदलाव ला रही है। ब्राइड के मेकअप से लेकर मॉडल्स को बेहतरीन लुक देने के लिए ब्यूटी एक्सपर्ट्स काफी मेहनत करते हैं। ऐसे में कस्टमर को ऐसा मेकअप और ऐसा मेकओवर देना जो उन्हें उम्र भर याद रहे इन ब्यूटी एक्सपर्ट्स की पहली प्रैफरेंस रहती है। एंगेजमेंट से लेकर शादी के लिए ब्राइड्स को तैयार करने के लिए ब्यूटी एक्सपर्ट्स खास तरह के प्रोडक्ट यूज करते हैं ताकि उनकी लुक फोटो में अच्छे से उभर कर आए। इस मेकअप को फोटो मेकअप भी कहा जाता है। ब्यूटी एक्सपर्ट्स की माने तो गर्ल्स अपनी लुक को लेकर इतनी चूजी हो गई हैं कि वक्त के साथ-साथ मेकअप में भी काफी बदलाव लाने की जरूरत पड़ रही है। इसके अलावा स्किन को खास तौर पर ध्यान में रखते हुए प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल किया जाता है ताकि किसी प्रकार का साइड-इफैक्ट न हो।

इंटरनैशनल ब्रांड्स का इस्तेमाल

सिलवीज के ऋषि बताते हैं कि फोटो मेकअप के लिए खास तौर पर इंटरनैशनल ब्रांड्स जैसे मैक, बॉबी-ब्राउन का यूज किया जाता है। इन ब्रांड्स के साथ किया हुआ मेकअप ज्यादा देर तो रहता है साथ ही फोटोज भी अच्छी आती है। आम मेकअप में फोटोज में पैच नजर आते हैं, लेकिन इन प्रोडक्ट्स की मदद से किए गए मेकअप से परफैक्ट फोटो आती हैं।

थोड़ा-सा महंगा है

किल्योपेट्रा की डॉ. श्रुति बताती हैं कि इस मेकअप की कीमत आम मेकअप से थोड़ी ज्यादा है। जहां आम मेकअप 7000 रुपए तक किया जा सकता है, वहीं इस मेकअप की कीमत 12,000 रुपए या इससे ज्यादा हो सकती है। हर सैलून में पैकेज के अनुसार कीमत में फर्क हो सकता है।

मॉडल्स की खास पसंद

मॉडल्स के लिए भी फोटो मेकअप यूज किया जाता है ताकि फोटो में वे बेहतरीन लग सकें। इसके अलावा ईलीट क्लास खास तौर पर इसी मेकअप को प्रैफर करती है। ब्यूटी एक्सपर्ट्स के मुताबिक सैंसटिव स्किन वाले कस्टमर के लिए यही मेकअप बैस्ट रहता है, क्योंकि इसमें यूज किए जाने वाले प्रोडक्ट स्किन को नुकसान नहीं पहुंचाते। इसके साथ-साथ शादी जैसे महत्वपूर्ण दिन को फोटो के जरिए ही लोग याद रखते हैं। और फोटो बेहतरीन हो, इसके लिए इंसान का बेहतरीन लगना जरूरी है। इसी वजह से कस्टमर कीमत चुकाकर अपने स्पैशल दिन को हमेशा के लिए खास बनाना ही प्रैफर करते हैं।

नारियल मसाला डोसा

सामग्री : 1 कप ताजा नारियल कसा हुआ, 1 आलू उबाल कर चौरस टुकड़ों में कटा, 2 हरी मिर्च बारीक कटी, थोड़े से करी पत्ते, 1 बड़ा चम्मच सांबर मसाला, एक छोटा चम्मच साबुत सरसों, थोड़ी-सी चना दाल, 150 ग्राम उड़द दाल, स्वादानुसार नमक और तेल।

विधि : उड़द दाल व चावल को 8-10 घंटे के लिए पानी में भिगो दें। मिक्सी में पीस कर खमीर उठने के लिए रख दें व इसमें नमक भी मिला दें। कड़ाही में 2 बड़े चम्मच तेल डाल कर गर्म करें और इसमें सरसों, चना, दाल, सूखी मिर्च व करी पत्ता चटकाएं व इसमें नारियल, आलू और सांबर पाऊडर मिला दें और कुछ देर तक पकाएं। तवा गर्म करें व घोल डालकर डोसा तैयार करें। 2 चम्मच नारियल मसाला डाल कर डोसा फोल्ड करें व नारियल की चटनी संग परोसें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान की कोशिश करेगा। शुभांक-4-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-3-5

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। शुभांक-2-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानीयां स्वत: ही दूर होती प्रतीत होगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करे। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-3-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
जीवनसाथी अथवा दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 2560

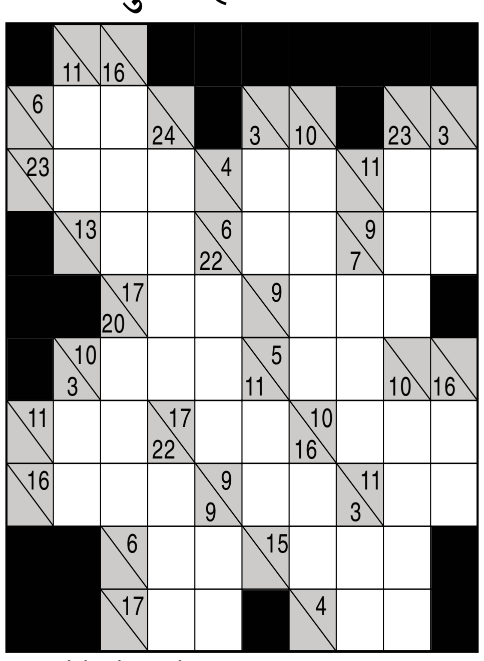

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

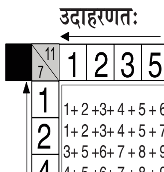

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 2559 का हल

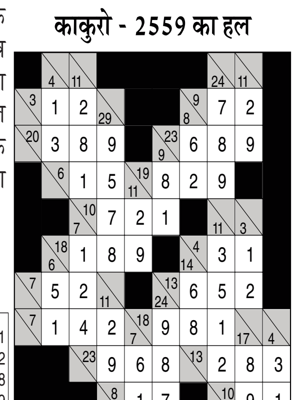

लॉफिंग ज़ोन

रामलाल बहुत घबराया हुआ थाने पहुंचा. थानेदार ने जब घबराहट का कारण पूछा तो वह बोला, 'मेरी पत्नी मायके गई हुई है.'

मैं आज सुबह जब सो कर उठा तो देखा मेरे कमरे की अलमारी खुली थी. मेरा कीमती सामान व रूपए चोरी हो चुके थे. सब कुछ अस्त-व्यस्त था, 'संदूक टूटे हुए मिले. मेरे तो हाथों के तोते ही उड़ गए.'

थानेदार ने कलम उठाई और तुरंत बोला, 'कुल कितने तोते थे.'

☺ ☺ ☺

मीना (सीमा से) - तुम्हें नहीं लगता कि लगातार नीद की गोलियां खाने से इनकी आदत पड़ जाती है.

सीमा - बिल्कुल नहीं, मैं तो पिछले आठ साल से खा रही हूं. मुझे तो इनकी आदत नहीं पड़ी?

☺ ☺ ☺

प्रेमिका (प्रेमी से) - तुम जल्दी से बताओ कि मुझसे शादी करोगे कि नहीं?

प्रेमी (प्रेमिका से) - मैं इतनी जल्दी कुछ नहीं कह सकता.

प्रेमिका (प्रेमी से) - मुझे अभी जवाब चाहिए, क्योंकि आज ही मुझे औरों से भी यही सवाल करना है.

☺ ☺ ☺

फिल्म वर्ग पहेली - 2560

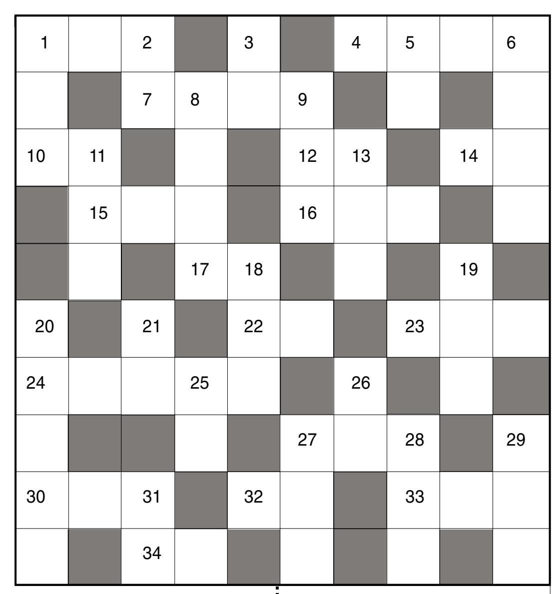

बायें से दायें:-

१. 'तू सामने जब आता' गीत वाली शाहरूख, माधुरी की फिल्म-३
४. शाहरूख, ट्विंकल की 'आशिक हूँ मैं कातिल भी' गीतवाली फिल्म-४
७. 'आके चली बांके चली' गीत वाली संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर, शबाना आजमी की फिल्म-४
१०. 'दिल चीज क्या है' गीत वाली 'उमराव जान' की नायिका-२
१२. राजेंद्र कुमार, माला की 'जिसके सपने हमें' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'मैं तुझ से मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२
१५. अक्षयकुमार, रवीना की 'टिप टिप बरसा पानी' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'संभाला है मैं ने' गीत वाली मिथुन, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१७. जैकी, रति अग्निहोत्री की 'छोड़ो मुझे छोड़ों' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'हुतूतू' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी?-२
२३. 'ये रेशमी जुल्फे' गीत वाली राजेश, मुमताज की फिल्म-१,२
२४. मिथुन, चंकी, रितुपर्णा, सोमी अली की १९९४ की एक फिल्म-३,२
२७. 'बनाके क्यूँ बिगाड़ा रे' गीत वाली अमिताभ, जया की फिल्म-३
३०. जीतेंद्र, रामेश्वरी की 'काहे बिंदिया लगाई' गीतवाली फिल्म-३
३२. 'एक लड़की जिसके होठों' गीत वाली संजय, जैकी, शिल्पा की फिल्म-२
३३. सनी, संजय, रवीना, दिव्या की 'दिल ना किसी का' गीत वाली फिल्म-३
३४. 'तू प्यार का सागर है तेरी इक बूंद के प्यासे हम' गीत वाली बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'तन्हा तन्हा दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. 'कहना है तुमसे कहना' गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-२
३. फिल्म 'मिलन' में मनीषा कोईराला के साथ नायक का नाम-२
५. 'दिल ही दिल में' गीत वाली विवेक ओबेराय, दिया की फिल्म-२
६. बॉबी, अक्षय, अमीषा की 'दिल ने कर लिया' गीत वाली फिल्म-४
८. 'ठहरो तो सही सोचो तो' गीत वाली गोविंदा, मनीषा की फिल्म-४
९. ऋषि, श्रीदेवी की 'भूली बिसरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-३
११. राजेश खन्ना, धर्मेंद्र, वहीदा की फिल्म-३
१३. 'हसीना गोरी गोरी' गीत वाली फिल्म-३
१८. फिल्म 'खानदान' की नायिका कौन थी-३
१९. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३
२०. 'हम साथ साथ हैं' में सोनाली के पिता की भूमिका किसने की थी?-३,२
२१. 'इन आँखों को आशिक' गीत वाली राजेश, सुलक्षण की फिल्म-२
२५. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की एक सस्पेंस फिल्म-२
२६. 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२७. फरदीन, उर्मिला की फिल्म-३
२८. 'गोरी जो मटके' गीत वाली फिल्म-३
२९. सनी, मीनाक्षी की 'सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-३
३१. संजीवकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की १९८१ की एक फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2559

कु	बा	न		व	जू	द		आ	शा
बा		सी	मा		ही	रा		शि	
नी	ल	म		ग		र	क्ष	क	
	म्हे		खु	दा	र		त्रि		अ
स		ग	द	र		ज	य	रा	ज
हे	मा		ग		सो	मी		जा	न
ली		क	र्ज			र	वि		बी
	ज	या		म	धु		दा	ग	
बा		म	र्या	दा		भा	ई		जू
जी	न	त		री		भी		डो	ली

सूडोकु -2560

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2559 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

शब्द पहेली - 2560

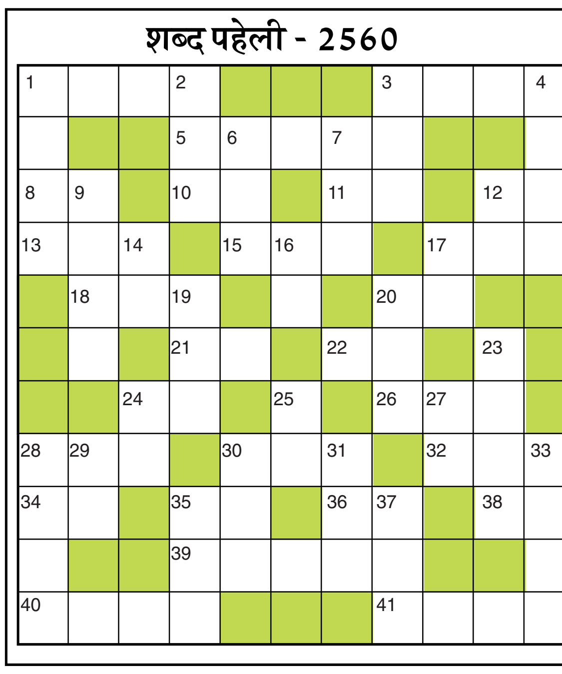

बाएँ से दाएँ

1.पक्षियों का शोर-4
3.मुठभेड़,भिड़ंत-4
5.क्रोधित होवा-5
8.लाश,पार्थिव देह-2
10.नवीन-2
11.सरिता-2
12.संजय दत्त, मंदाकिनी अभिनीत फिल्म-2
13.दोजख,नर्क-3
15.नमकीन लवण-3
17.बेकार-3
18.आंचल-3
20.फायदा,लाभ-2
21.चिट्ठी,पत्र-2
22.जी,चित-2
24.संपूर्ण-2
26.कुचलना,दबाना-3
28.दाड़म,एक फल-3
30.सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
32.खिचड़ी,पुलाव-3
34.मां,आई-2
35.भाग्य (अंग्रेजी-2)
36.सौतन-2
38.लीन-2
39.चमकीला-5
40.नसीब,किस्मत-4
41.चुनौती-4

ऊपर से नीचे

1.दलाली-4
2.स्वदेश,जन्मभूमि-3
3.दौंडी पीटना-3
4.बेमिसाल-4
6.इसमें तलवार रखते हैं-3
7.मापदंड,आदर्श-3
9.इच्छित वस्तु-4
12.जीरक,कणिका-2
14.थोड़ा,जरा-2
16.आनंद-2
17.क्रोधित,रुष्ट-2
19.अदा-3
20.पति की बहन-3
23.मन को हरने वाला-4
24.निष्कर्ष-2
25.उम्मीद-2
27.वोट,अभिमत-2
28.धरोहर,थाती-4
29.रिश्ता-2
30.नकद राशि,रोकड़-3
31.संधिपत्र,मसविदा-3
33.रीति अनुसार-4
35.अदृढ,तर्कहीन-3
37.द्रव पदार्थ-3

शब्द पहेली -2559 का हल

	स	ला	म	त		म	हा	व	र	
का	म		ही	र		म	सि		थ	ल
फी		शा	न		वं		ल	ब		क्ष्य
		य		म	हा	न		र		
	फ	र	मा	न		र	स	खा	न	
का	की		ल				न		र	ति
	र	नि	वा	स		ह	म	द	म	
		य		र	ज	क		स्त		
जा		म	जा		हां		श	क		का
न	शा		य	म		पा	प		सा	या
	म	हा	का	ल		ल	थ	प	थ	

भारत सरकार ने घाना में हुई हेलीकॉप्टर दुर्घटना पर दुख जताया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत सरकार ने घाना में वायु सेना के एक हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने पर गहरा दुख व्यक्त किया है। इस दुर्घटना में रक्षा मंत्री डॉ एडवर्ड कोफी ओमान बोआमाह और पर्यावरण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अल्हाजी डॉ. इब्राहिम मुर्तला मुहम्मद सहित कई लोगों की जान चली गई थी। विदेश मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में कहा कि हम राष्ट्रीय शोक की इस घड़ी में घाना सरकार और जनता के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं शोक संतप्त परिवारों और इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना से प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करे।

राष्ट्रीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे यूपी के 33 ग्राम प्रधान

लखनऊ। 15 अगस्त को नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में उत्तर प्रदेश के 33 ग्राम प्रधानों को विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। यह गौरवपूर्ण अवसर उत्तर प्रदेश के लिए ऐतिहासिक है, क्योंकि ये ग्राम प्रधान लाल किले पर ध्वजारोहण कार्यक्रम में देश के अन्य प्रेरणादायी व्यक्तित्वों के साथ शामिल होंगे। ये 33 ग्राम प्रधान उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से चुने गए हैं, जिन्होंने अपने पंचायत क्षेत्रों में योगी सरकार द्वारा संचालित योजनाओं जैसे, ग्रामीण विकास, स्वच्छता, महिला सशक्तीकरण, डिजिटल पंचायत सचिवालय, और सामुदायिक भागीदारी जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य किया है। इनकी कार्यशैली ने न केवल उनके गांवों में सकारात्मक बदलाव लाया, बल्कि ग्रामीण शासन की नई छवि को भी राष्ट्रीय मंच पर स्थापित किया है। कई प्रधानों को पहले ही राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कारों और सरकारी मान्यता से सम्मानित किया जा चुका है। प्रदेश के इन ग्राम प्रधानों की उपलब्धियां आने वाले दिनों में अन्य पंचायतों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेंगी। उनके अनुभव ग्रामीण भारत के विकास में नए रास्ते खोलेंगे और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देंगे। लाल किले पर इन ग्राम प्रधानों की उपस्थिति न केवल उनके व्यक्तिगत योगदान को रेखांकित करेगी, बल्कि पूरे ग्रामीण भारत के प्रति देश का विश्वास भी सुदृढ़ करेगी। पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कह कि यह उत्तर प्रदेश के लिए गर्व का क्षण है।

विशाखापत्तनम में गैस सिलेंडर विस्फोट, तीन लोगों की मृत्यु, कई घायल

विशाखापत्तनम। फिशिंग हार्बर इलाके में एक गैस सिलेंडर फटने से तीन लोगों की मौत हो गई और चार अन्य गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार वन टाउन पुलिस स्टेशन क्षेत्र के अंतर्गत हिमालय बार के पास एक स्क्रैप की दुकान में बिल्डिंग करते समय गैस सिलेंडर का विस्फोट हुआ है। शुरुआती अनुमान लगाया जा रहा है कि वेल्डिंग सिलेंडर फटने से ऐसा हुआ होगा। तीन लोगों की मौत होने की आधिकारिक पुष्टि हुई है। घटनास्थल पर पहुंचे पुलिस कमिश्नर ने हादसे की जानकारी ली। अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि मृतक इस हादसे की चपेट में कैसे आए। हालांकि, स्थानीय लोगों का कहना है कि कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, इसलिए मृतकों की संख्या और बढ़ने की संभावना है। स्टील सिटी में गैस सिलेंडर विस्फोट की घटना से काफी हंगामा मचा हुआ है। अब तक शवों की पहचान नहीं हो पा रही है। बचाव दल और एम्बुलेंस घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है।

उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय ने मंगोलदोई-मजिकुची सड़क परियोजना को दी मंजूरी, 45.31 करोड़ की स्वीकृति

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर विकास मंत्रालय ने असम के दरांग जिले में मंगोलदोई से मजिकुची तक की सड़क परियोजना को मंजूरी दे दी है। परियोजना को मंजूरी पूर्वोत्तर विशेष अवसंरचना विकास योजना के तहत दी गई है। इसकी कुल लागत 45.31 करोड़ रुपये है। पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी। इसमें बताया गया है कि परियोजना के तहत कुल 15 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण किया जाएगा। इसे मंजूरी दी गई।

यह सड़क मंगोलदोई के दरांग जिला मुख्यालय और उदलगुड़ी जिला के उप-खंड मुख्यालय भेरगांव से सीधे जोड़ेगी। सड़क मार्ग से मंगलदोई और भेरगांव के बीच की दूरी 7.2 किलोमीटर घटेगी, जिससे यात्रा समय और लागत में भी कमी आएगी। यह सड़क देओमोनोंई कॉलेज सहित 7 प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों तक पहुंच को बेहतर बनाएगी। सड़क निर्माण से पथुरिघाट कृषक शहीद स्मारक, खोतोरा सत्र, ऐतिहासिक लखीमपुर पुखुरी और रामगांव पुखुरी जैसे महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों तक पहुंच सुगम होगी।

इस वर्ष अप्रैल तक 1.3 लाख से अधिक विदेशी पर्यटक चिकित्सा उद्देश्यों के लिए आए भारत: केंद्र

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र ने संसद को बताया कि इस वर्ष अप्रैल तक 1.3 लाख से ज्यादा विदेशी पर्यटक चिकित्सा उद्देश्यों के लिए भारत आए। एक लिखित उत्तर में केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने ग्लोबल वेलनेस टूरिज्म मार्केट में भारत की स्थिति सुधारने के लिए उठाए गए कदमों पर प्रकाश डाला। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा, अप्रैल 2025 तक इस अवधि के दौरान भारत में चिकित्सा उद्देश्यों के लिए आने वाले विदेशी पर्यटकों (एफटीए) की कुल संख्या 1,31,856 है। उन्होंने आगे कहा, यह इस अवधि के दौरान कुल एफटीए का लगभग 4.1 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि पिछले पांच वर्षों में चिकित्सा उद्देश्यों के लिए आने वाले एफटीए की संख्या में वृद्धि हुई है, जिनमें से अधिकांश बांग्लादेश,

इराक, सोमालिया, ओमान और उज्बेकिस्तान से आते हैं।केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा, चिकित्सा उद्देश्यों के लिए एफटीए की संख्या 2020 में 1.8 लाख से बढ़कर 2024 में 6.4 लाख हो गई। हालांकि, 2023 की तुलना में 2024 में इसमें गिरावट आई। 2023 में विदेशी पर्यटकों की संख्या 6.5 लाख रही। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा, चिकित्सा पर्यटन के इकोसिस्टम में कई सेवा प्रदाता, सुविधा प्रदाता, अस्पताल, होटल और एयरलाइंस जैसी कमर्शियस एजेंसियां, नियामक एजेंसियां और सरकार शामिल हैं। इस वर्ष की शुरुआत में, केंद्रीय बजट में देश में चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए निजी क्षेत्र के साथ साझेदारी में हील इन इंडिया अभियान की घोषणा की गई थी। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय हील इन इंडिया को बढ़ावा देने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के माध्यम से क्षमता निर्माण के लिए उचित उपाय करता है, जिसमें अस्पताल, सार्वजनिक संघ और व्यापार निकाय आदि शामिल हैं। इसके अलावा, चिकित्सा उपचार के लिए विदेशी नागरिकों के भारत आने की सुविधा के लिए, सरकार ने 171 देशों के नागरिकों के लिए ई-मेडिकल वीजा/ई-मेडिकल अटेंडेंट वीज़ा सुविधा का विस्तार किया है।

बंगाल में भाजपा नेताओं पर हमले को लेकर शमिक भट्टाचार्य ने अमित शाह को लिखा पत्र, केंद्रीय हस्तक्षेप की मांग

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं पर हुए हमलों को लेकर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर तत्काल केंद्रीय हस्तक्षेप की मांग की है। पत्र में इन हमलों को राज्य में कानून व्यवस्था के पतन और राजनीतिक असहिष्णुता के बढ़ते माहौल का परिणाम बताया गया है।भट्टाचार्य ने पत्र में लिखा है कि शुभेंदु अधिकारी जब पांच अगस्त को कलकत्ता हाई कोर्ट के निर्देश पर कूचबिहार में पुलिस अधीक्षक कार्यालय जा रहे थे, उसी दौरान खागराबाड़ी मोड़ के पास उनके काफिले पर हथियारबंद हमलावरों ने सुनियोजित तरीके से हमला किया। पत्थरबाजी की गई और जानबूझकर उन्हें तथा उनके साथ मौजूद नेताओं को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई। यह हमला उस वक्त हुआ जब अधिकारी 'कन्या सुरक्षा यात्रा' के तहत महिलाओं के खिलाफ अपराध और राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था के मुद्दे पर शांतिपूर्ण जनसंपर्क अभियान चला रहे थे।

पत्र में यह भी कहा गया है कि हमले की आशंका पहले ही प्रशासन को दी गई थी, इसके बावजूद कोई सुरक्षा इंतजाम नहीं किया गया। इससे यह संदेह और गहराता है कि या तो प्रशासन ने गंभीर लापरवाही बरती या हमलावरों से मिलीभगत थी। भाजपा ने इस हमले को पहले से चल रही राजनीतिक हिंसा की एक कड़ी बताया है।

तहव्वुर राणा को मिला अपने परिवार से बात करने की इजाजत, पैरवी के लिए रख सकेगा निजी वकील

एजेंसी

नई दिल्ली । 26/11 मुंबई आतंकी हमले के आरोपी और मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा को अपने मुकदमे की पैरवी के लिए निजी वकील नियुक्त करने की अनुमति मिल गई है। इसके लिए उसे अपने परिवार से बात करने की इजाजत दी गई है। यह आदेश पाटियाला हाउस कोर्ट ने दिया है। तहव्वुर राणा ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की विशेष अदालत में एक अर्जी दाखिल की थी। इस अर्जी में उसने मांग की थी कि उसे अपने किसी परिवार के सदस्य से बातचीत करने की अनुमति दी जाए, ताकि वह अपने मुकदमे के लिए एक प्राइवेट वकील नियुक्त कर सके। कोर्ट ने उसकी अर्जी स्वीकार करते हुए कहा कि उसे एक बार अपने परिवार के सदस्य से बात करने की अनुमति दी जाती है ताकि वह बचाव के लिए उचित कानूनी सलाह ले सके और किसी वकील की नियुक्ति कर सके। तहव्वुर राणा, जो कि अमेरिका और पाकिस्तान की नागरिकता रखता है, 26 नवंबर 2008 को मुंबई में हुए आतंकी हमलों का मुख्य साजिशकर्ता माना जाता है। इस हमले में 166 लोगों की जान गई थी और सैकड़ों लोग घायल हुए थे। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट स्थित एनआईए स्पेशल कोर्ट ने 25 जुलाई को तहव्वुर राणा की याचिका पर सुनवाई की थी। इस मामले में अदालत

ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से जवाब मांगा था। 26/11 मामले के आरोपी तहव्वुर राणा ने अदालत में अपने परिवार से फोन पर नियमित बातचीत करने की मांग को लेकर एक याचिका दाखिल की थी। पटियाला हाउस की एनआईए कोर्ट ने इस याचिका पर सुनवाई करते हुए एनआईए से विस्तृत जवाब मांगा था। दिल्ली की अदालत ने तहव्वुर राणा की न्यायिक हिरासत को 13 अगस्त तक बढ़ा दिया था। एनआईए द्वारा राणा के खिलाफ एक पूरक आरोपपत्र दाखिल करने के बाद न्यायिक हिरासत बढ़ाई गई। इस आरोपपत्र में राणा का गिरफ्तारी ज्ञापन, जब्ती ज्ञापन और कुछ अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज भी शामिल थे। राणा के खिलाफ पहला आरोपपत्र 2012 में दाखिल किया गया था। वहीं, तहव्वुर राणा ने मुंबई अपराध शाखा के सामने कुछ अहम खुलासे किए थे। उसने कहा कि वह पाकिस्तानी सेना का एक भरोसेमंद एजेंट था और 2008 के हमलों के दौरान मुंबई में मौजूद था।

हर घर तिरंगा अभियान - 15 अगस्त तक, तीन चरणों में विभिन्न गतिविधियों का हो रहा आयोजन : मुख्य सचिव

एजेंसी

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पंत की अध्यक्षता तथा प्रमुख शासन सचिव पर्यटन, कला एवं संस्कृति राजेश यादव, शासन सचिव, पंचायती राज डॉ. जोगाराम, स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन, निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता आशीष मोदी सहित अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में शासन सचिवालय में संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा प्रदत्त निर्देशानुसार 02 अगस्त, 2025 से 15 अगस्त, 2025 तक तीन चरणों में आयोजित किए जा रहें ÷हर घर तिरंगा÷ कार्यक्रम के प्रदेश में सफल क्रियान्वयन हेतु अभी तक की प्रगति की समीक्षा की गई। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 'हर घर तिरंगा अभियान' के माध्यम से नागरिकों में देशप्रेम की भावना के संचार को नयी ऊर्जा मिलेगी।मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा कई विभागों के समन्वय से इस अभियान के तहत नागरिकों में देशभक्ति एवं समर्पण भाव को जगाने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि अभियान के अंतर्गत होने वाले कार्यक्रमों जैसे

तिरंगा मेला, तिरंगा कन्सर्ट आदि में स्थानीय उत्पादों एवं कलाकारों को मौका दिया जाए एवं प्रदेश के स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित इको फ्रेंडली उत्पादों का उपयोग कर 'वोकल फोर लोकल' की मुहिम को आगे बढ़ाया जाए। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े प्रदेश के सभी जिला कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि वे अपने जिलों में की जा रही गतिविधियों को नियमित रूप से मॉनिटर कर पोर्टल पर अपलोड करवाना सुनिश्चित करें। तिरंगा वॉलंटियर्स की सक्रिय भागीदारी तथा गत वर्ष वितरित किये गए तिरंगों से अधिक संख्या में तिरंगा वितरण का लक्ष्य प्राप्त करें। मुख्य सचिव ने कहा कि राजकीय पर्व पर सरकारी कार्मिकों व अन्य लोगों को सम्मानित करने में शुचिता, विश्वसनीयता और पारदर्शिता का पूर्ण पालन किया जाए। यह बहुत महत्वपूर्ण सम्मान होता है, पात्रता और उपलब्धि की समुचित संवीक्षा की जाए। मुख्य सचिव द्वारा बैठक के दौरान हर घर तिरंगा अभियान कि सफलता के लिए पंचायती राज विभाग के सचिव महोदय को निर्देश प्रदान किए गये कि हर घर तिरंगा अभियान के लिए आवश्यक तिरंगा ध्वज की खरीद अविलम्ब की जावे।

नए कानूनों के क्रियान्वयन में राजस्थान बने देशभर में रोल मॉडल : भजनलाल शर्मा

एजेंसी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि देश में लागू तीन नवीन कानूनों में सजा की तुलना में न्याय पर अधिक जोर दिया गया है। भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम से न्यायिक व्यवस्था के प्रति आमजन का सकारात्मक विश्वास कायम हो रहा है। राज्य सरकार की मंशा है कि इन नवीन आपराधिक विधियों के क्रियान्वयन में राजस्थान देशभर में रोल मॉडल बने। शर्मा नवीन इन नवीन आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन को लेकर मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने एवं नए कानूनों को

लागू करने में सभी संसाधनों की पूर्ति सुनिश्चित कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नवीन आपराधिक कानूनों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गवाह के साक्ष्य लेने के प्रावधान किए गए हैं। इसकी अनुपालना में कोर्ट रूम, कारागार, अस्पताल, एफएसएल एवं सरकारी कार्यालयों में प्राथमिकता के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग रूम स्थापित किए जाएं। साथ ही, इन वीसी रूम्स में पर्याप्त सुविधाओं का विकास किया जाए, जिससे कि गवाह को सुरक्षा का भाव मिले। शर्मा ने कहा कि नागरिक केन्द्रित प्रावधानों को लागू करते हुए राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में महिलाओं के लिए राजकॉप नागरिक मोबाइल एप्लिकेशन पर तत्काल सहायता प्रदान करने के लिए 'नीड हैल्प' सुविधा उपलब्ध करवायी जा रही है। साथ ही, प्रदेश के सभी नागरिकों के लिए राजकॉप ऐप पर एसओएस अलर्ट एवं जांच की प्रगति की भी जानकारी उपलब्ध करवायी जा रही है। उन्होंने अभियोजन के प्रकरणों में होने वाले स्थगन संबंधी मामलों की प्रभावी निगरानी के निर्देश दिए।

ईडी की छापेमारी में हवाला के इस्तेमाल के मिले सबूत

एजेंसी

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 750 करोड़ रुपये के जीएसटी घोटाले में झारखंड, पश्चिम बंगाल और मुंबई स्थित कुल 12 ठिकानों पर छापे मारी की। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि छापेमारी के दौरान जीएसटी घोटालेबाजों की ओर से नकदी को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने के लिए अंगड़िया (कूरियर सेवा) एवं हवाला का सहारा लेने के सूबत मिले हैं। ईडी ने जीएसटी घोटाले मामले में रांची, जमशेदपुर, धनबाद, सरायकेला, कोलकाता, मुंबई में घोटाले से जुड़े लोगों के ठिकानों पर छापा मारा। ईडी ने रांची के व्यापारी श्याम ठक्कर के व्यापारिक प्रतिष्ठान कामधेनु इंटरप्राइजेज सहित ठिकानों पर छापा मारा। ठक्कर का संबध जीएसटी घोटाले से संबंधित गिरोह से पाया गया है। ईडी ने सरायकेला के व्यापारी पंचानंद सरदार के ठिकानों पर छापा मारा। पंचानंद का व्यापारिक संबंध जमशेदपुर के व्यापारी ज्ञानचंद जयसवाल से है। पंचानंद सरदार जीएसटी घोटाले को अंजाम देने के लिए शेल कंपनियों को नियंत्रित करता है। सूत्रों ने बताया कि ईडी ने जमशेदपुर के व्यापारी ज्ञानचंद जयसवाल के ठिकानों पर भी छापा मारा। वह फर्जी तरीके से आइटीसी का लाभ लेने वाली कई शेल कंपनियों का निदेशक है। उसने फर्जी बिलिंग के सहारे 54 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाया है।

मप्र के कुबेरेश्वर धाम में 3 दिन में 7 श्रद्धालुओं की मौत

एजेंसी

सीहोर। मध्य प्रदेश के सीहोर जिले में पिछले तीन दिन में कुबेरेश्वर धाम में आयोजित कांवड़ यात्रा में शामिल होने आए सात श्रद्धालुओं की मौत हो गई। सीहोर कोतवाली थाना पुलिस द्वारा कांवड़ यात्रा में बिना अनुमति के तेज आवाज में डीजे बजाने, ध्वनि प्रदूषण फैलाने तथा वाहनों पर आकार से बड़े साउंड सिस्टम लगाकर राजमार्ग पर यातायात बाधित करने वाले 08 डीजे संचालको पर कार्रवाई की गई है। दरअसल, पंडित प्रदीप मिश्रा के नेतृत्व में बुधवार को सीहोर की सीवन नदी से कुबेरेश्वर धाम तक 11 किलोमीटर की कांवड़ यात्रा निकाली गई। इस आयोजन में शामिल होने से लिए देशभर से श्रद्धालु यहां पहुंचे थे। यहां एक दिन पहले यानी मंगलवार को सुबह से भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। मंगलवार को कुबेरेश्वर धाम में रुद्राक्ष वितरण के दौरान भगदड़ मच गई, जिसमें दो महिलाओं की मौत हो गई जबकि बुधवार को विभिन्न कारणों से अलग-अलग जगहों पर तीन श्रद्धालुओं ने दम तोड़ दिया और तीन श्रद्धालु घायल हुए हैं। इसके बाद भी यहां दो और लोगों की मौत हो गई। यानी पिछले तीन दिन में कुबेरेश्वर धाम आए कुल सात श्रद्धालुओं की मौत हो गई। निकाली गई कांवड़ यात्रा में श्रद्धालुओं की संख्या अधिक होने के कारण हाईवे पर अधिक ट्रैफिक

था। इस दौरान यह डीजे संचालक ध्वनि तीव्रता की निर्धारित सीमा से अधिक आवाज में डीजे बजा रहे थे तथा वाहनों पर उनके आकार से कई अधिक बड़े-बड़े साउंड सिस्टम लगाकर यातायात बाधित कर रहे थे। इस बात की सूचना मिलने पर कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक रविंद्र यादव तथा उनकी टीम द्वारा अलग-अलग स्थानों से 08 डीजे जब्त किए गए तथा उनके विरुद्ध कोलाहल नियंत्रण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया।

इन डीजे संचालकों पर की गई कार्रवाई

पुलिस द्वारा जिन डीजे संचालकों पर कार्रवाई की गई है उनमें त्रिनेत्र डीजे संचालक निखिल कुमार निवासी गुजरात, नटराज डीजे संचालक निवासी भोपाल, कसाना डीजे संचालक राजा सोलंकी निवासी सीहोर, छत्तीसगढ़ से आए डीजे संचालक स्वदेश छीरेले, बाबा डीजे संचालक कमलेश कुशवाह निवासी सीहोर, प्रशांत डीजे संचालक अश्विन काटने निवासी भोपाल, झारखंड से आए डीजे संचालक बाबूलाल तथा उत्तरप्रदेश से आए डीजे संचालक राजेंद्र पर कार्रवाई की गई है।

उधमपुर सड़क हादसे में सीआरपीएफ के दो जवान शहीद, खड़गे और प्रियंका गांधी ने जताया दुख

एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के वाहन के गहरी खाई में गिरने की दुखद घटना पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने शोक व्यक्त किया। उन्होंने इस हादसे में शहीद हुए जवानों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक्स पर लिखा, जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में एक सड़क दुर्घटना में सीआरपीएफ के तीन जवानों की शहादत से अत्यंत व्यथित हूं। इस भयानक त्रासदी में कई अन्य घायल हुए हैं। उनके बलिदान को हमारी भावभीनी श्रद्धांजलि। वीर जवानों के परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं घायलों के साथ हैं और हम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, उधमपुर, जम्मू-कश्मीर में हमारी सेना का वाहन गहरी खाई में गिरने की वजह से सीआरपीएफ के जवानों की शहादत और कई के घायल होने का समाचार अत्यंत दुखद है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें। शोक-संतप्त परिवारजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। देश, हमारे बहादुर जवानों और उनके परिवारों का सदैव ऋणी रहेगा। घायल जवानों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूं। सीआरपीएफ ने उधमपुर हादसे को लेकर अपडेट जारी किया। सीआरपीएफ ने बताया कि 187 बटालियन के हेड कांस्टेबल/रेडियो ऑपरेटर अरविंद कुमार (39 वर्ष, चंदौली, उत्तर प्रदेश) और 137 बटालियन के हेड कांस्टेबल/जीडी अनोंदो कोच (28 वर्ष, निवासी-साउथ वेस्ट गारो हिल्स, मध्य प्रदेश) की दुर्भाग्यवश मृत्यु हो गई है। इसके अलावा, 10 घायल जवानों को बेहतर इलाज के लिए हेलीकॉप्टर के जरिए उधमपुर के उत्तरी कमान अस्पताल में भेजा गया है।

राजधानी हैदराबाद में तेज बारिश, जन-जीवन अस्त-व्यस्त

एजेंसी

हैदराबाद। हैदराबाद समेत तेलंगाना में कई जिलों में तेज बारिश से हुए जलभराव का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जलभराव की वजह से हैदराबाद में यातायात ठप है। सड़कों पर बाढ़ की स्थिति बनी हुई है और उसपर लगातार हो रही बारिश ने लोगों को परेशान कर रखा है। हैदराबाद के हाइटेक सिटी और पुराने शहर हैदराबाद में कुछ स्थानों पर 10-12 सेंटीमीटर से अधिक बारिश दर्ज की गई, जिसके कारण निचले इलाकों में घरों में पानी घुस गया। नगर निगम की आपातकालीन टीम राहत पहुंचाने में प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने हैदराबाद और राज्य में भारी बारिश के मद्देनजर अधिकारियों को अलर्ट रहने के निर्देश जारी किए हैं। उनके कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि मुख्यमंत्री ने स्वयं मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक और नगर पालिका के वरिष्ठ अधिकारियों से बात की। मुख्यमंत्री ने जिला कलेक्टरों को सभी जिलों के विभागों के साथ समय-समय पर स्थिति की समीक्षा करने का आदेश दिया है क्योंकि अगले दो दिनों तक बारिश होने की सूचना है। हैदराबाद के कई

हिस्सों में आधी रात तक भारी बारिश का अनुमान है, इसलिए सभी विभागों को समन्वय से काम करना चाहिए। जीएचएमसी के साथ-साथ पुलिस, यातायात और हाइड्रो विभाग के अधिकारियों को समय-समय पर स्थिति की समीक्षा करनी चाहिए और निचले इलाकों में उचित एहतियाती कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि शहर के लोगों को अपनी यात्राएं तब तक स्थगित कर देनी चाहिए जब तक कि बहुत जरूरी न हो। उन्होंने निर्देश दिया कि अधिकारी यातायात समस्याओं और बिजली कटौती से बचने के लिए उचित उपाय करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि अधिकारी बारिश और बाढ़ के कारण उत्पन्न होने वाली किसी भी स्थिति से निपटने और सहायता प्रदान करने के लिए उपलब्ध रहें।

योगी कैबिनेट का बड़ा निर्णय : अब यूपी के छात्र यूके में ले सकेंगे मास्टर डिग्री

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने उच्च शिक्षा को नई दिशा देने वाला एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी-चिवनिंग उत्तर प्रदेश राज्य सरकार छात्रवृत्ति योजना÷ को मंजूरी दे दी गई है। यह योजना प्रदेश के मेधावी छात्रों को यूनाइटेड किंगडम (यूके) में उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान करेगी।हर साल 5 प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को अवसरप्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कैबिनेट के निर्णय की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार की इस पहल के तहत, हर साल उत्तर प्रदेश के 5 प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को यूके के किसी प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय से एक वर्ष की मास्टर डिग्री के लिए छात्रवृत्ति दी जाएगी। इस योजना को भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की असाधारण उपलब्धियों से प्रेरणा लेते हुए प्रारंभ किया जा रहा है। यह छात्रवृत्ति उत्तर प्रदेश सरकार तथा यूनाइटेड किंगडम के फॉरेन कॉमनवेल्थ एंड डेवलपमेंट ऑफिस (एफसीडीओ) के संयुक्त सहयोग से चलाई जाएगी। तीन वर्षों तक जारी रहेगी योजनाउन्होंने बताया कि छात्रवृत्ति में छात्रों को शैक्षणिक शिक्षण शुल्क, परीक्षा एवं शोध शुल्क, रहने के लिए पर्याप्त मासिक भत्ता तथा इकोनॉमी क्लास में एक बार आने-जाने का विमान किराया भी शामिल रहेगा। चयन प्रक्रिया राज्य सरकार और एफसीडीओ के बीच हुए समझौते (एमओयू) के अनुसार निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न होगी। योजना शैक्षणिक वर्ष 2025-26 से लागू होगी और यह तीन वर्षों (2025-26, 2026-27, 2027-28) तक प्रभावी रहेगी। आगे इसके नवीनीकरण पर निर्णय लिया जाएगा। 2028-29 में योजना को जारी रखने के लिए 30 मार्च 2028 तक पुनः अनुमोदन की आवश्यकता होगी। प्रदेश के छात्रों के लिए खुलेंगे वैश्विक शिक्षा के द्वारराज्य सरकार इस योजना के तहत प्रत्येक छात्र के लिए लगभग 19,800 पाउंड (लगभग 23 लाख) का खर्च वहन करेगी। कुल अनुमानित खर्च 38,048 से 42,076 पाउंड के बीच होगा, जिसमें शेष धनराशि का प्रबंध एफसीडीओ यूके द्वारा किया जाएगा।

डीपीएल 2025: प्रियांश आर्या ने मचाया तूफान, 9 छक्के 7 चौके के साथ इतने गेंदों पर बना दिए 111 रन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रीमियर लीग 2025 के 12वें मैच में ईस्ट दिल्ली राइडर्स के खिलाफ आउटर दिल्ली वॉरियर्स के ओपनर बल्लेबाज प्रियांश आर्या का तूफान मैदान पर देखने को मिला। प्रियांश ने अपनी तूफानी बैटिंग के दम पर विरोधी गेंदबाजों की हवा टाइट कर दी और इस सीजन में ये प्रियांश का अपनी टीम के लिए पहला शतक रहा।

इस मैच में ईस्ट दिल्ली राइडर्स के कप्तान अनुज रावत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। इसके बाद पहले बैटिंग करने आई आउटर दिल्ली वॉरियर्स ने निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट पर 231 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया और विरोधी टीम को जीत के लिए 232 रन का बड़ा लक्ष्य दिया।

23 साल के प्रियांश आर्या ने अरुण जेटली मैदान पर ईस्ट दिल्ली राइडर्स के खिलाफ के खिलाफ अपना शतक 52 गेंदों पर पूरा किया। हालांकि, वो इसके बाद आउट हो गए, लेकिन उन्होंने 56 गेंदों का सामना करते हुए 111 रन की तूफानी पारी खेली। प्रियांश का स्ट्राइक रेट इस दौरान 198.21 का रहा जबकि उन्होंने अपनी पारी के अंदर 9 छक्के और 7 चौके जड़े।

वहीं आउटर दिल्ली के दूसरे ओपनर बल्लेबाज सनत सांगवान 5 गेंदों पर 10 रन बनाकर आउट हो गए। वहीं प्रियांश ने इस मैच में दूसरे विकेट के लिए करण गर्ग के साथ मिलकर 92 रन की मजबूत साझेदारी की तो वहीं करण ने 24 गेंदों में 43 रन की पारी खेली।

नाओमी ओसाका को हराकर विक्टोरिया म्बोको ने जीता कैनेडियन ओपन महिला एकल वर्ग का खिताब

मॉन्ट्रियल (एजेंसी)। विक्टोरिया म्बोको ने कैनेडियन ओपन महिला एकल का खिताब जीत लिया है। 18 साल की कनाडा की विक्टोरिया म्बोको ने जापान की दिग्गज खिलाड़ी नाओमी ओसाका को हराकर चैंपियन बनी।

वाइल्ड कार्ड एंट्री करने वाली विक्टोरिया म्बोको ने चार बार की ग्रैंड स्लैम विजेता नाओमी ओसाका को 2-6, 6-4, 6-1 से हराकर कैनेडियन ओपन का खिताब जीता था। अपने घर में मिली यह जीत म्बोको के लिए विशेष थी। म्बोको ने पहला सेट हारने के बाद जोरदार वापसी की और दो सेट जीतकर खिताब अपने नाम किया। इस जीत से म्बोको ने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल की। वह डब्ल्यूटीए रैंकिंग में 25वें स्थान पर पहुंच गई। उन्हें इस महीने के अंत में न्यूयॉर्क में होने वाले ग्रैंड स्लैम में पहली वरीयता दी जाएगी।

2019 के बाद म्बोको कनाडा की ऐसी दूसरी महिला खिलाड़ी बनी हैं, जिन्होंने कैनेडियन ओपन जीता है। 2019 में बियांका एंड्रीस्कू ने खिताब अपने नाम किया था। टूर्नामेंट में आने से पहले म्बोको की रैंकिंग 85 थी। उनकी जीत उन्हें 1990 में इस प्रारूप की शुरुआत के बाद से टियरढ्ढ 'डब्ल्यूटीए 1000' खिताब जीतने वाली दूसरी सबसे कम रैंकिंग वाली खिलाड़ी बनाती है।

वह 2009 के बाद से 'डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट' में अपना पहला खिताब जीतने वाली दूसरी खिलाड़ी हैं। म्बोको 1995 में मोनिका सेलेस के बाद नेशनल बैंक ओपन जीतने वाली दूसरी वाइल्डकार्ड खिलाड़ी हैं। म्बोको ने सोफिया केनिन, कोको गॉफ, एलेना रयबाकिना और ओसाका जैसी दिग्गजों को हराते हुए खिताब जीता। गॉफ और रयबाकिना को क्रमशः पहली और तीसरी वरीयता दी गई थी।

वहीं, चार पूर्व महिला एकल ग्रैंड स्लैम चैंपियन का सामना करने वाली और ओपन एरा में एक ही डब्ल्यूटीए इवेंट में चारों को हराने वाली विक्टोरिया म्बोको पहली कनाडाई खिलाड़ी हैं। म्बोको ओपन एरा में एक ही डब्ल्यूटीए इवेंट में चार ग्रैंड स्लैम चैंपियन को हराने वाली दूसरी सबसे कम उम्र की खिलाड़ी हैं। पहली खिलाड़ी 1999 में सेरेना विलियम्स थीं।

एशिया कप से पहले ऑस्ट्रेलिया दौरा क्यों है महत्वपूर्ण, हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत ने बताई वजह

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने शुक्रवार को कहा कि मजबूत ऑस्ट्रेलियाई टीम का उसके घरेलू मैदान पर सामना करने से उनकी टीम को इस महीने के आखिर में होने वाले एशिया कप से पहले उन क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिलेगी जिनमें सुधार की जरूरत है।

भारतीय टीम आज तड़के ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हो गई, जहां वह 15 से 21 अगस्त तक पर्थ हॉकी स्टेडियम में मेजबान टीम के खिलाफ चार मैचों की महत्वपूर्ण श्रृंखला खेलेगी। हरमनप्रीत ने टीम के रवाना होने से पहले कहा, 'ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनके घरेलू मैदान पर खेलना हमेशा बड़ी चुनौती होती है और एशिया कप के लिए तैयारी के इस चरण में हमें इसी की जरूरत है।' उन्होंने कहा, 'हम इस श्रृंखला को एशिया कप की तैयारी के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में देख रहे हैं। हमारा ध्यान एक इकाई के रूप में सुधार करने, मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ खुद को परखने और एशिया कप के लिए राजगीर जाने से पहले जरूरी लय हासिल करने पर है।% हरमनप्रीत ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया के इस दौरे से हमें एशिया कप से पहले उन क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिलेगी जिनमें सुधार करने की आवश्यकता है। हम ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उत्साहित हैं।' ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच 15, 16, 19 और 21 अगस्त को खेले जाएंगे। इस श्रृंखला से टीम प्रबंधन को एशिया कप के लिए अंतिम टीम के चयन करने में भी मदद मिलेगी। एशिया कप 29 अगस्त से राजगीर में शुरू होगा। इस टूर्नामेंट का विजेता विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करेगा।

चेन्नई सुपर किंग्स का साथ छोड़ेंगे रविचंद्रन अश्विन

चेन्नई (एजेंसी)। स्टार स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने चेन्नई सुपर किंग्स छोड़ने का फैसला किया है। उन्होंने फ्रेंचाइजी को अपनी इच्छा बता दी है। अश्विन ने 2025 के आईपीएल में ही 9 साल बाद चेन्नई सुपर किंग्स में वापस आई थे। फ्रेंचाइजी ने उन्हें मेगा ऑक्शन में 9.75 करोड़ रुपये में खरीदा था।

अश्विन ने चेन्नई सुपर किंग्स के साथ ही अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी। 2010 से 2015 तक वह सीएसके का हिस्सा रहे। 2016 से 2024 तक वह दिल्ली कैपिटल्स, पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स जैसी अलग-अलग टीमों के साथ खेले। 2025 में 9 साल बाद वह चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलते हुए दिखे थे।

क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, अश्विन ने सीएसके से अलग होने का फैसला किया है। उन्होंने अपने फैसले के बारे में फ्रेंचाइजी को बता दिया है। वैसे उनके इस फैसले की वजह क्या है, इसके बारे में फिलहाल कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

अश्विन न सिर्फ सीएसके छोड़ने वाले हैं, बल्कि सीएसके एकेडमी के डायरेक्टर ऑफ ऑपरेशंस का पद भी छोड़ने वाले हैं। उन्हें पिछले साल ही ये जिम्मेदारी मिली है।

रिपोर्ट के अनुसार, अश्विन नहीं चाहते कि अगर वह किसी और फ्रेंचाइजी के साथ जुड़ते हैं तो सीएसके एकेडमी से उनके जुड़ाव की वजह से हितों के टकराव जैसी स्थिति पैदा हो। इसलिए वह सीएसके के साथ-साथ उसकी एकेडमी से भी नाता तोड़ेंगे।

एशिया कप में भारत–पाक मैच रद्द होने की संभावना नहीं

मुम्बई। भारत और पाकिस्तान के बची आठ सितंबर से शुरू हो रहे एशिया कप में भारतीय टीम को 14 सितंबर को पाकिस्तान से खेलना है। इस मैच का विरोध भी हो रहा है और कहा जा रहा है कि पाक जिस प्रकार से आतंकी घटनाओं में शामिल रहा है। उससे भारतीय टीम को इस मैच का बहिष्कार करना चाहिये हालांकि ये संभव नजर नहीं आता। वहीं इस मामले में अभी तक भारत सरकार और क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कोई जवाब नहीं दिया है। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ये मैच रद्द होना इतना आसान नहीं है। वहीं अमीरात क्रिकेट बोर्ड के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) सुभान अहमद ने कहा, 'जब एशिया कप जैसे टूर्नामेंट में खेलने का फैसला इसमें शामिल सभी सरकारों की सहमति से होता है। उसके बाद ही कार्यक्रम जारी किया जाता है। ऐसे साफ है कि यहां वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) जैसी स्थिति नहीं होगी।' वहीं इससे पहले हुए पूर्व क्रिकेटरों के डब्ल्यूसीएल में इंडिया चैम्पियंस के खिलाड़ियों ने मैच का बहिष्कार कर दिया था। जिससे ये मैच नहीं हो पाया। इसी को लेकर मुख्य परिचालन अधिकारी ने कहा, 'हम कोई गारंटी नहीं दे सकते पर एशिया कप जैसे टूर्नामेंट की तुलना किसी निजी इवेंट से करना सही नहीं होगा।' एशिया कप की मेजबानी भारत के पास है हालांकि सारे मुकाबले यूएई में खेले जाएंगे। भारत का पहला मैच 10 सितंबर को दुबई में मेजबान यूएई के खिलाफ होगा। भारत और पाक के बीच अंतिम बार मुकाबला 9 जून 2024 को न्यूयॉर्क में हुए टी20 विश्व कप के दौरान हुआ था।

मैकग्रा की भविष्यवाणी : एशेज में 5–0 से जीतेगा ऑस्ट्रेलिया

लंदन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज श्रृंखला शुरू होने में अभी तीन महीने से अधिक का समय बाकी है लेकिन दिग्गज तेज गेंदबाज ग्लेन मैकग्रा ने भविष्यवाणी की है कि ऑस्ट्रेलिया इसमें 5–0 से क्लीन स्वीप करेगा। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच यह प्रतिष्ठित श्रृंखला 21 नवंबर को पर्थ में शुरू होगी। मैकग्रा ने कहा कि उनकी भविष्यवाणी भारत के खिलाफ हाल में समाप्त हुई श्रृंखला में इंग्लैंड के प्रदर्शन पर आधारित है। भारत ने एंडरसन–तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए खेली गई इस श्रृंखला में इंग्लैंड को 2–2 से बराबरी पर रोका था। मैकग्रा ने 'बीबीसी रेडियो' पर कहा, 'मैं अमूमन भविष्यवाणी नहीं करता हूं लेकिन एशेज के लिए मेरी भविष्यवाणी है कि ऑस्ट्रेलिया इसमें 5–0 जीत हासिल करेगा।' उन्होंने कहा, 'मुझे अपनी टीम पर पूरा भरोसा है। जब पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क, जोश हेज़लवुड और नाथन लियोन अपने घरेलू हालात में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हों, तो इंग्लैंड के लिए यह काफ़ी मुश्किल होने वाला है। इसके अलावा इंग्लैंड का ऑस्ट्रेलिया में रिकॉर्ड भी अच्छा नहीं है।' इंग्लैंड इस वर्ष के अंत में पांच मैचों की श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगा। उसने 2015 के बाद से एशेज नहीं जीती है।

धवन को आई बेटे जोरावर की याद, भावुक पोस्ट भी साझा की

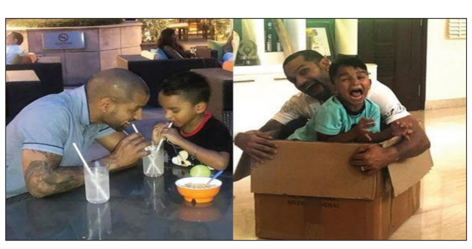

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन सोशल मीडिया पर बेहद सक्रिय रहते हैं। धवन ने अब एक पोस्ट साझा की इसमें वह अपने बेट जोरावर सिंह को याद कर भावुक हो गये। धवन ने अपनी पोस्ट में बेटे जोरावर को लेकर एक संदेश भी लिखा है। धवन का अपनी पत्नी आयशा मुखर्जी से तलाक हो गया था। इसके बाद से उनका बेटा जोरावर ऑस्ट्रेलिया में अपनी मां आयशा के साथ रहता है। .अदालत के आदेश के अनुसार, धवन को भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों में ज़ोरावर से मिलने की अनुमति है और वह निर्धारित वीडियो कॉल के जरिये भी उससे संपर्क कर सकते हैं। धवन ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, ' डब्ल्यूसीएल में जब मैंने दोस्तों को अपने बच्चों के साथ खेलते देखा तब लगा कि काश जोरावर यहां होता। यह एक अलग तरह की खुशी होती। बाद में, मुझे उसके बचपन की कुछ तस्वीरें मिलीं जिससे कई यादें ताजा हो गयीं। कुछ पल वास्तव में दिल के सबसे करीब रहते हैं।' धवन ने जोरावर के साथ कई तस्वीरें भी साझा की हैं। इसमें धवन, रोहित शर्मा, उनकी बेटी समायरा और ज़ोरावर के साथ एक प्यार सी तस्वीर है। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स समापत होने के बाद धवन की इस पोस्ट ने प्रशंसकों को भी भावकु कर दिया है।

मैग्नस कार्लसन बने पहले शतरंज ई-स्पोर्ट्स विश्व कप 2025 चैंपियन

रियाद, सऊदी अरब (एजेंसी)। विश्व नंबर एक नॉर्वे के ग्रांडमास्टर मैग्नस कार्लसन (टीम लिक्विड) ने ईरान के ग्रांडमास्टर अलीरेज़ा फिरौज़जा (टीम फाल्कन्स) को फाइनल में लगातार दो सेटों में 3-1, 3-1 से हराकर पहले शतरंज ई-स्पोर्ट्स विश्व कप 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ कार्लसन ने न केवल इतिहास रच दिया बल्कि 2,50,000 डॉलर की पुरस्कार राशि और अपनी टीम के लिए 1000 अंक भी अर्जित किए।

फाइनल मुकाबला टेनिस की तरह तीन सेटों का था, जिसमें प्रत्येक सेट चार बाजियों का था। अगर ज़रूरत पड़ती तो तीसरा सेट दो बाजियों का होता। कार्लसन ने पहला सेट दो जीत और दो ड्रॉ से 3-1 से जीता। दूसरा सेट फिरौज़जा ने एक जीत से शुरू किया, पर अगले तीनों बाजियाँ हारकर मैच भी गँवा दिया।

तीसरे स्थान का मुकाबला-अमेरिका के ग्रांडमास्टर हिकारू नाकामुरा (टीम फाल्कन्स) ने भारत के ग्रांडमास्टर अर्जुन एरिगैसी (टीम जेन.जी) को 3.5-2.5 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। अर्जुन ने पहली बाजी में जीत दर्ज की थी, इसके बाद मुकाबला बराबरी पर चलता रहा लेकिन निर्णायक बाजी नाकामुरा ने जीतकर कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। नाकामुरा को 1,45,000 डॉलर और अर्जुन को 1,15,000 डॉलर की पुरस्कार राशि मिली।

इस टूर्नामेंट में सभी बाजियाँ 10 मिनट के समय नियंत्रण पर खेली गईं। ई स्पोर्ट्स नियमों के अंतर्गत खिलाड़ियों को शोर-रहित हेडफोन पहनने और संगीत सुनने की छूट दी गई। कुल पुरस्कार राशि 15 लाख डॉलर थी और शतरंज खिलाड़ियों को 2.7 करोड़ डॉलर की ई-स्पोर्ट्स साझा इनामी राशि का हिस्सा भी मिला।

इस जीत के बाद कार्लसन ने कहा

'सेमीफाइनल वास्तव में सबसे कठिन था और आर्मागेडन की कुछ चालों ने ही फर्क पैदा किया। आज के मुकाबलों में मुझे अधिक नियंत्रण महसूस हुआ, खासकर पहले खेल के बाद। मैं कभी-कभी जल्दी चलने को तरजीह देता हूँ बजाय ज़्यादा सोचने के।'

बेन शेल्टन ने कारेन खाचानोव को हराकर जीता कैनेडियन ओपन पुरुष एकल वर्ग का खिताब

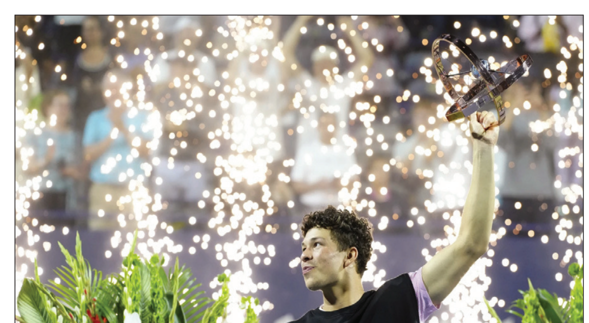

टोरंटो। बेन शेल्टन ने कैनेडियन ओपन पुरुष एकल वर्ग का खिताब जीत लिया है। फाइनल में शेल्टन ने कारेन खाचानेव को हराया। शेल्टन के करियर का यह सबसे बड़ा खिताब है। बेन शेल्टन ने कारेन खाचानेव तीन सेट तक चले मुकाबले में 6–7(5), 6–4, 7–6(3) से हराया। फाइनल मैच दो घंटे 48 मिनट तक चला। बेन शेल्टन एंडी रोडिक के बाद एटीपी मास्टर्स 1000 जीतने वाले दूसरे सबसे युवा अमेरिकी खिलाड़ी बन गए हैं। शेल्टन से पहले 2004 में एंडी रोडिक ने मियामी ओपन का खिताब जीता था। खिताबी जीत के साथ शेल्टन एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में चौथे स्थान पर भी पहुंचे। इससे नवंबर में होने वाले एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की उनकी संभावना बढ़ गई है। शेल्टन 2025 में पहली बार मास्टर्स 1000 चैंपियन बनने वाले चौथे खिलाड़ी हैं। उनसे पहले जैक ड्रेपर (इंडियन वेल्स), जैकब मेन्सिक (मियामी) और कैस्पर रूड (मैड्रिड) ने ये उपलब्धि हासिल की थी। यह शेल्टन के करियर का तीसरा खिताब है, इससे पहले उन्होंने 2023 में टोक्यो और 2024 में ह्यूस्टन में जीत हासिल की थी। शेल्टन ने लगातार तीन सालों से कम से कम एक खिताब जीता है। जीत के बाद बेन शेल्टन ने कहा, 'यह एक अद्भुत एहसास है। यह एक लंबा सप्ताह रहा है। फाइनल तक का रास्ता आसान नहीं था। मेरा सर्वश्रेष्ठ टेनिस तब सामने आया जब इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी।' खाचानोव ने शुरुआती सेट में 10 फोरहैंड विनर लगाए और उनकी ताकत ने शेल्टन को बेसलाइन के काफी पीछे धकेल दिया। लेकिन अपने कोच और पिता ब्रायन की सलाह पर, शेल्टन ने दूसरे और तीसरे सेट में कोर्ट पर अपनी पकड़ मजबूत की और आक्रामक रुख अपनाया। शेल्टन अब एटीपी हेड–टू–हेड सीरीज में खाचानोव से 2–0 से आगे हैं। इससे पहले उन्होंने खाचानोव को साल की शुरुआत में इंडियन वेल्स में भी हराया था। दोनों खिलाड़ियों को सिनसिनाटी ओपन के क्वार्टर फाइनल में भिड़ना है।

फीफा विश्व कप और ओलंपिक खेलने का सपना : फुटबॉल खिलाड़ी मनीषा कल्याण

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया में होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप के लिए क्वालीफिकेशन हासिल करने के बाद आत्मविश्वास से भरी भारतीय महिला फुटबॉल खिलाड़ी मनीषा कल्याण ने शुक्रवार को कहा कि उनका सपना फीफा विश्व कप और ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करना है। यूएफा चैंपियंस लीग (यूरोप की शीर्ष पेशेवर फुटबॉल लीग) में खेलने वाली इकलौती भारतीय फुटबॉलर मनीषा शुक्रवार को यहां नेहरू स्टेडियम में लड़कियों के लिए आयोजित अस्मिता अंडर–13 लीग में आकर्षण का केन्द्र थी। उन्होंने कहा कि अस्मिता 'युवा लड़कियों को अपने फुटबॉल के सपनों को साकार करने के लिए मुश्किल से मिलने वाला मंच है।' तेईस साल की मनीषा ने अस्मिता के गुवाहाटी चरण में भाग लेने वाली आठ टीमों की हौसला अफजाई करने के बाद कहा'' मेरा सपना अब फीफा विश्व कप और ओलंपिक में खेलने का है। अगले साल ऑस्ट्रेलिया में आयोजित होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप के लिए क्वालीफिकेशन हासिल करने के बाद हमारे इरादे मजबूत हुए है।'' अस्मिता लीग का उद्देश्य पूरे भारत में जमीनी स्तर पर प्रतिभा की खोज करना है। मनीषा ने कहा, '' आपके पास अब 'अस्मिता' जैसा एक मंच है और आप जितने अधिक मैच खेलेंगी, आप उतनी ही बेहतर होती जाएंगी'' मनीषा के साथ इस मौके पर असम की दो उभरती हुई खिलाड़ी रेखा कटकी और दोसोमी रौतिया भी मौजूद थी।

'वापसी का बेसब्री से इंतजार', सूर्यकुमार यादव एशिया कप की तैयारी में लगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अगले महीने होने वाले एशिया कप से पहले रिकवरी के लिए कड़ी मेहनत शुरू कर दी है। जून में सूर्यकुमार ने जर्मनी के म्यूनिख में अपनी सफल स्पोर्ट्स हर्निया सर्जरी के बारे में इंस्टाग्राम पर एक अपडेट साझा किया था। शुक्रवार को सूर्यकुमार ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें वह जिम में पसीना बहा रहे थे और अपनी फिटनेस वापस पाने के लिए अलग-अलग एक्सरसाइज कर रहे थे। उन्होंने अपने पोस्ट का कैप्शन दिया, 'जो मुझे पसंद है उसे करने के लिए वापस आने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।'

पिछले हफ्ते एक रिपोर्ट में बताया गया था कि यह तेजतर्रार बल्लेबाज सर्जरी से उबरने के दौरान बीसीसीआई के मेडिकल स्टाफ की निगरानी में है। अगले कुछ हफ्तों में सूर्यकुमार का कार्यभार काफी बढ़ने की उम्मीद है और माना जा रहा है कि वह अगले महीने होने वाले एशिया कप के लिए पूरी तरह तैयार हैं जिसकी शुरुआत 9 सितंबर से होनी है। रिपोर्ट के अनुसार भारतीय टीम के सितंबर के पहले हफ्ते में यूएई जाने की उम्मीद है। यह टूर्नामेंट अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप में अपना खिताब बचाने के लिए भारत की तैयारियों की शुरुआत का प्रतीक होगा। भारत इस टूर्नामेंट की मेजबानी श्रीलंका के साथ करेगा।

सूर्यकुमार को जून 2024 में विश्व कप जीतने के बाद भारत की टी20आई टीम की कमान सौंपी गई थी, जब रोहित शर्मा ने इस प्रारूप से संन्यास की घोषणा की थी। इस 34 वर्षीय खिलाड़ी को आखिरी बार जून में मुंबई टी20 लीग के दौरान खेलते हुए देखा गया था, जहां उन्होंने ट्रायम्फ नाइट्स मुंबई नॉर्थ ईस्ट का प्रतिनिधित्व किया था। उन्होंने 4 पारियों में 122 रन बनाकर टूर्नामेंट में अपने करियर का अंत किया।

सूर्यकुमार ने इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2025 के दौरान अपनी शानदार फॉर्म का प्रदर्शन किया। अपने रिकॉर्ड तोड़ने वाले प्रदर्शन में इस गतिशील बल्लेबाज ने मुंबई इंडियंस (MI) को प्लेऑफ में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने रिकॉर्ड तोड़ सीजन का आनंद लिया जिसमें लगातार 16 बार 25 या उससे अधिक के स्कोर दर्ज किए, जो एक विश्व रिकॉर्ड है।

सूर्यकुमार ने टूर्नामेंट का समापन 717 रनों के साथ किया जो किसी भी मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज द्वारा एक सीज में सबसे अधिक और आईपीएल इतिहास में किसी भी गैर-ओपनर द्वारा सबसे अधिक रन हैं। सूर्या के नेतृत्व में भारत की टी20 बल्लेबाजी ने नई

ऊंचाइयों को छुआ है, जिसमें आक्रामक इरादे और बल्लेबाजी की गहराई पर जोर दिया गया है। टीम ने लगातार विशाल स्कोर बनाए हैं, जिसमें अक्टूबर 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ 297 रन का स्कोर भी शामिल है।

टीम से बाहर होने के बाद भी दीपक चाहर की नेटवर्थ बढ़ी

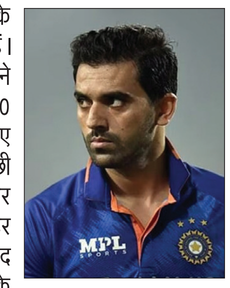

नई दिल्ली। तेज गेंदबाज दीपक चाहर फिट नहीं होने के कारण पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर हैं। इसके बाद भी उनकी नेटवर्थ बढ़ती जा रही है। चाहर ने भारतीय टीम के लिए एकदिवसीय और टी–20 अंतरराष्ट्रीय में कुल 38 मैच खेलते हुए 47 विकेट लिए है। चाहर गेंदबाजी के साथ ही निचले क्रम में अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं। उन्होंने अपना अंतिम मैच दिसंबर 2023 में खेला था। उसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं। बीसीसीआई का केन्द्रीय अनुबंध न मिलने के बाद भी उनकी नेटवर्थ कम नहीं हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसान चाहर की कुल संपत्ति तकरीबन 66 करोड़ रुपये रुपये है। इसमें घरेलू क्रिकेट और आईपीएल से हुई कमाई भी शामिल है। मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2025 के लिए हुई मेगा नीलमी में उन्हें 9.25 करोड़ रुपये में खरीदा था। दीपक चाहर ब्रांड एंडोर्समेंट से भी मोटी कमाई करते हैं। चाहर ने 2016 में आईपीएल में डेब्यू किया था। इस दौरान 9 साल में उन्होंने टूर्नामेंट में कुल 95 मैच खेले हैं। जिसमें 8.13 के इकॉनमी रेट से 88 विकेट लिए हैं। इसके अलावा उनके नाम 95 मैचों में 117 रन हैं।

हर बार टूटने के बाद भी...

अक्षरा सिंह ने शेयर किया क्रिप्टिक पोस्ट

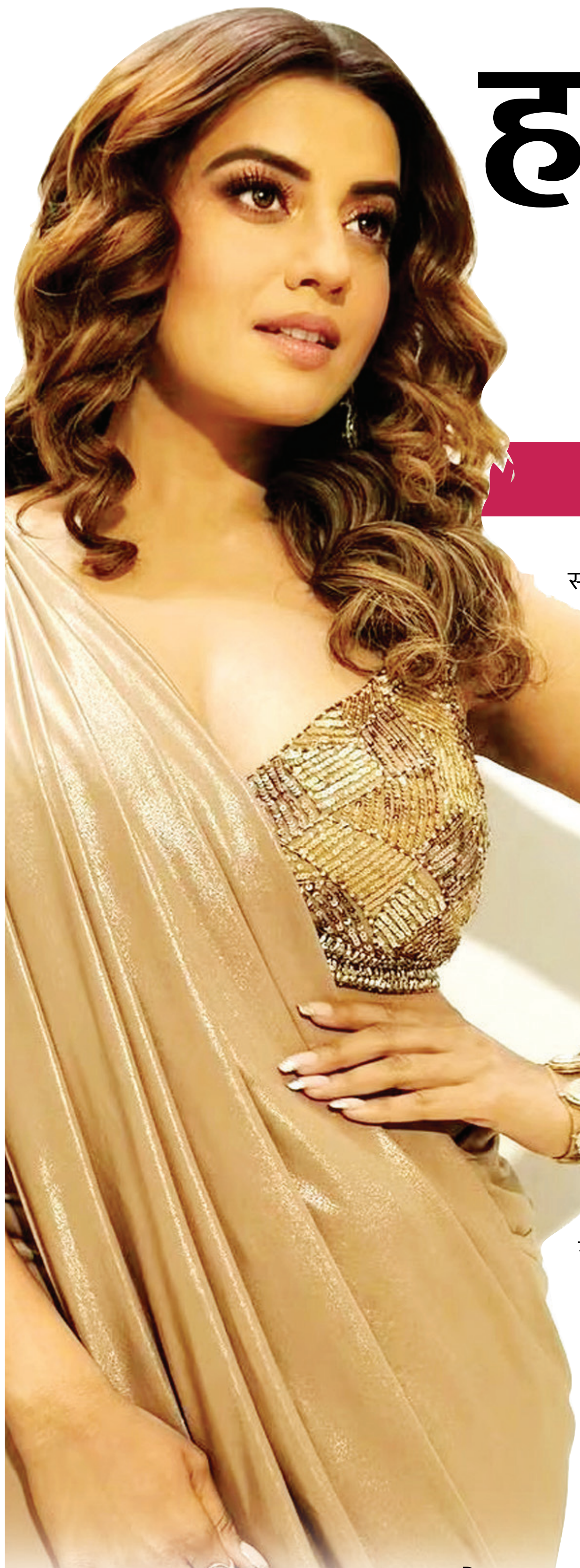

भोजपुरी इंडस्ट्री की चर्चित एक्ट्रेस अक्षरा सिंह सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। अक्सर वे यहां अपने स्टाइलिश लुक शेयर करती हैं, साथ ही अपनी पर्सनल-प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े अपडेट भी शेयर करती दिखती हैं। सोमवार को उन्होंने एक पोस्ट शेयर किया है। इसके साथ क्रिप्टिक कैप्शन लिखा है। टूटने के बाद कोमल दिल के साथ जीना हिम्मत है अक्षरा सिंह ने आज सोमवार को इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। वे ट्रेडिशनल लुक में दुपट्टा फ्लॉन्ट करते हुए पोज देती दिख रही हैं। इसके साथ उन्होंने कैप्शन लिखा है, कठोर होना आसान है इस दुनिया में, पर हर बार टूटने के बाद भी कोमल दिल के साथ जीना, वह हिम्मत है।

नेटिजन्स दी ऐसी प्रतिक्रिया

अक्षरा सिंह ने अपने पोस्ट के साथ लिखा है, दूसरों के प्रित करुण रहें। नेटिजन्स की इस पोस्ट पर सकारात्मक प्रतिक्रिया आ रही है। अधिकांश लोग रेड हार्ट इमोजी बना रहे हैं। उनके लुक के साथ-साथ कैप्शन की तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, सही कहा अक्षरा बहन। एक अन्य यूजर ने लिखा है, अक्षरा अब आपको बॉलीवुड जाना चाहिए।

पवन सिंह से जुड़ चुका है नाम

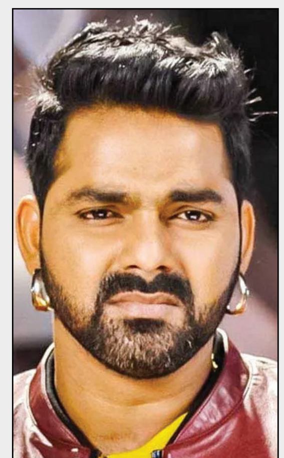

एक्ट्रेस अक्षरा सिंह की निजी जिंदगी की अगर बात करें तो उनका नाम भोजपुरी इंडस्ट्री के पावर स्टार पवन सिंह के साथ जुड़ चुका है। कभी अक्षरा सिंह और पवन सिंह का कथित अफेयर खूब सुर्खियों में रहा। दोनों ने साथ में फिल्मों में काम भी किया। हालांकि, अब दोनों की राहें जुदा हैं। दोनों का ब्रेकअप एक बुरे मोड़ पर आकर हुआ। अक्षरा सिंह ने पवन सिंह पर मारपीट और हिंसा जैसे कई गंभीर के आरोप भी लगाए थे।

बैटल ऑफ गलवां के बाद सलमान खान को मिली बड़ी फिल्म

सलमान खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म बैटल ऑफ गलवां को लेकर सुर्खियों में हैं। इसकी शूटिंग के लिए वह बहुत मेहनत कर रहे हैं। हाल ही में सलमान खान ने इस फिल्म का मोशन पोस्टर भी रिलीज किया है। फिल्म का निर्देशन अपूर्व लाखिया कर रहे हैं। खबरों के मुताबिक सलमान खान अभी इस फिल्म पर काम कर ही रहे हैं कि उनको एक और बड़ा प्रोजेक्ट मिला है।

सलमान खान को मिली नई फिल्म

पिंकविला के मुताबिक सलमान खान को जो फिल्म मिली है वह पीरियड थ्रिलर फिल्म है। सलमान खान ने मलयालम निर्देशक महेश नारायणन के साथ कई मुलाकातें की हैं। अब सलमान खान महेश नारायणन के साथ पीरियड थ्रिलर फिल्म पर काम करने के लिए राजी हो गए हैं। यह फिल्म 1970 से लेकर 1990 के दशक में सेट की जाएगी।

फिल्म के लिए सलमान ने ली ट्रेनिंग

बताया जाता है कि सलमान खान इन दिनों अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकल कर फिल्में करना चाहते हैं। इस फिल्म में भी वह जमकर मेहनत करने वाले हैं। इससे पहले खबरें आईं थीं कि सलमान खान ने बैटल ऑफ गलवां के लिए काफी मेहनत की है। उन्होंने अपने घर के जिम में कई बदलाव किए थे। उन्होंने फिल्म में आर्मी का किरदार निभाने के लिए आर्मी की ट्रेनिंग ली थी।

बैटल ऑफ गलवां के बारे में

आपको बता दें कि सलमान खान जल्द ही फिल्म बैटल ऑफ गलवां में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म साल 2020 में भारत और चीन सीमा पर हुई झड़प पर आधारित है। फिल्म में चित्रांगदा सिंह सलमान खान के साथ अहम किरदार में होंगी। इससे पहले सलमान खान फिल्म सिकंदर में नजर आए थे। यह फिल्म फ्लॉप साबित हुई थी।

इम्तियाज अली ला रहे नई फिल्म, 'साइड हीरोज' बनेंगे अभिषेक बनर्जी-अपारशक्ति खुराना और वरुण शर्मा

अभिनेता अभिषेक बनर्जी, अपारशक्ति खुराना और वरुण शर्मा तीनों अलग-अलग फिल्मों में अपने-अपने किरदारों के लिए काफी मशहूर है। अब ये तीनों एक ही फिल्म में नजर आएंगे। इस फिल्म को दिग्गज निर्माता-निर्देशक इम्तियाज अली प्रोड्यूस करेंगे। फिल्म का नाम 'साइड हीरोज' होगा।

मेकर्स ने शेयर किया फनी वीडियो

मेकर्स की ओर से एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया गया है। इस वीडियो में अभिषेक बनर्जी, अपारशक्ति खुराना और वरुण शर्मा इम्तियाज अली के सामने बैठे हैं और उनसे काम मांग रहे हैं। इम्तियाज बैठे कुछ सोच रहे हैं, तभी अपारशक्ति कहते हैं कि लगता है कि इम्तियाज सर हमारे लिए एक म्यूजिकल रोमांटिक सोच रहे हैं। इसके बाद तीनों अपारशक्ति का गाना भी गुनगुनाते हैं। वीडियो में और भी मेकर्स बैठे हैं। इस दौरान इम्तियाज कहते हैं कि फिल्म दो प्रकार की होती है या तो अपना लगे या फिर सपना लगे। तभी इम्तियाज के पास उनके किसी पुराने दोस्त का फोन आता है। फोन पर इम्तियाज और उसकी मजेदार बात होती है और अंत में वो इम्तियाज को अपने क्लास के री-यूनियन के बारे में बताता है और उस पर उन्हें बुलाता है। दोस्तों की री-यूनियन पर फिल्म लेकर आ रहे इम्तियाज बात करने के बाद इम्तियाज अली कहते हैं कि एक आइडिया है, दोस्तों पर फिल्म बनाते हैं। ये सुनकर अभिषेक, अपारशक्ति और वरुण शर्मा अपनी पिछली फिल्मों के किरदारों को याद करके दुखी हो जाते हैं और कहते हैं फिर से दोस्त। फिर इम्तियाज कहते हैं वैसे वाले दोस्त जिनसे आप जिंदगी भर पीछा नहीं छुड़ा सकते। इन दोस्तों का री-यूनियन। इसके बाद इम्तियाज फिल्म का टाइटल बताते हैं 'साइड हीरोज'। ये सुनकर तीनों कहते हैं कि मम्मी को तो लीड एक्टर बनने का बताकर आए थे। इस तरह से फिल्म का टाइटल साइड हीरोज सामने आता है।

तीन दोस्तों की कहानी है 'साइड हीरोज'

सिद्धार्थ सेन और पंकज मट्टा द्वारा लिखित और संजय त्रिपाठी द्वारा निर्देशित 'साइड हीरोज' 2026 में फ्रेंडशिप डे पर रिलीज होगी। मेकर्स ने बताया कि फिल्म तीन बचपन के दोस्तों की कहानी है, जो कॉमेडी टच लिए हुए है। तीन दोस्त जो कई साल बाद एक री-यूनियन में फिर से मिलते हैं। 'साइड हीरोज' का निर्माण इम्तियाज अली ने महावीर जैन, मृगदीप सिंह लांबा और रियान शाह के साथ मिलकर किया है। फिल्म जल्द ही फ्लोर पर जाने की उम्मीद है।

सन ऑफ सरदार 2 के बाद अब तेहरान में धमाल मचाएंगी नीरू बाजवा

पंजाबी सिनेमा की क्वीन नीरू बाजवा ने हाल ही में रिलीज हुई हिंदी फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में अजय देवगन की पत्नी का किरदार निभाकर दर्शकों का दिल जीता। अब वह एक और हिंदी फिल्म 'तेहरान' में जॉन अब्राहम और मानुषी छिल्लर के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म 14 अगस्त को ऑनलाइन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज होगी। नीरू के प्रशंसकों के लिए यह दोहरी खुशी का मौका है, क्योंकि वह एक के बाद एक हिंदी फिल्मों में अपनी छाप छोड़ रही हैं। नीरू ने 'तेहरान' को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए बताया कि यह फिल्म उनके लिए बेहद खास है। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म में अपने किरदार के बारे में भी हिंट दिया। नीरू ने कहा, लगातार हिंदी फिल्मों में काम करना मेरे लिए एक शानदार अनुभव है। 'सन ऑफ सरदार 2' एक कॉमेडी फिल्म थी, जबकि 'तेहरान' में मेरा किरदार गंभीर, भावनात्मक और अपने सिद्धांतों पर अडिग रहने वाला है। यह एक ऐसी कहानी है, जिसे बताना जरूरी है। इस फिल्म का हिस्सा बनकर मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है। नीरू अपने को-एक्टर जॉन अब्राहम की तारीफ करती नजर आईं। उन्होंने कहा, जॉन के साथ काम करना एक यादगार अनुभव रहा। वह एक ड्रीम को-एक्टर हैं, जो अपने किरदार में गहराई और प्रामाणिकता लाते हैं। उनके साथ काम करने से मेरा प्रदर्शन भी बेहतर हुआ। मुझे उम्मीद है कि दर्शक हमें एक साथ पर्दे पर देखना पसंद करेंगे। 'तेहरान' एक जियो-पॉलिटिकल फिल्म है, जो साल 2012 में दिल्ली में इजरायली दूतावास के पास हुए बम विस्फोट से प्रेरित है। यह कहानी न केवल एक्शन और ड्रामा से भरपूर है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय राजनीति और नैतिक दुविधाओं को भी उजागर करती है।

सारे जहां से अच्छा का ट्रेलर रिलीज, लास्ट वर्ल्ड वार को रोकने आगे आए प्रतीक

प्रतीक गांधी स्टारर जासूसी वेब सीरीज सारे जहां से अच्छा का ट्रेलर रिलीज हो गया है। सोमवार को यह ट्रेलर नेटफ्लिक्स इंडिया ने रिलीज किया है। इसमें भारत और पाकिस्तान के बीच ड्रामा और परमाणु संघर्ष की झलक दिखाई गई है।

भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष की है कहानी

ट्रेलर में प्रतीक गांधी ने भारत के रॉ एजेंट का किरदार निभाया है। उन्हें भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान में तैनात किया गया है। वह पाकिस्तान में होने वाली परमाणु गतिविधि को रोकने की कोशिश करते हैं। इस दौरान उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ता है।

प्रतीक गांधी पाकिस्तान में करते हैं संघर्ष

प्रतीक गांधी जैसे ही पाकिस्तान में राजनयिक मामलों के करीब पहुंचते हैं तो उनकी मुलाकात पाकिस्तान के आईएसआई एजेंट से होती है। इस किरदार को सनी हिंदुजा ने निभाया है। पाकिस्तान में प्रतीक गांधी जो कुछ भी करते हैं उनके दुश्मन उनकी हर गतिविधि पर नजर रखते हैं।

सारे जहां से अच्छा की स्टारकास्ट

ट्रेलर में गांधी और हिंदुजा के अलावा तिलोत्तमा शोम, कृतिका कामरा, रजत कपूर और अनूप सोनी को भी दिखाया गया है। सारे जहां से अच्छा सीरीज को गौरव सुक्ला ने बनाया है।

सारे जहां से अच्छा की रिलीज डेट सामने आई

ट्रेलर में दिखाया गया है कि अगर भारत के एजेंट जरा सा भी चूके तो पाकिस्तान परमाणु जंग शुरू कर सकता है। ऐसे में भारतीय एजेंट को पाकिस्तानी दुश्मनों को परमाणु हथियार बनाने से रोकना होता है। लास्ट वर्ल्ड वार सीरीज में सभी किरदारों ने बेहतरीन कलाकारी की है। सारे जहां से अच्छा 13 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

आज की पीढ़ी को रिश्ते में एडजस्ट करना नहीं सिखाया गया

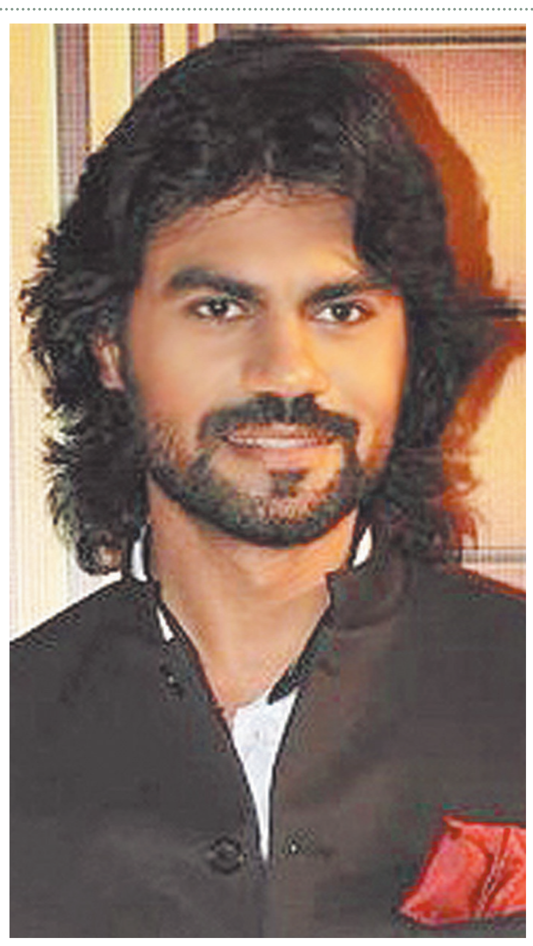

छोटे पर्दे पर ऐक्टर गौरव चोपड़ा ने एक लंबा वक्त बिताया है। टीवी शो उतरन में काम करने के बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। वहीं फिल्मों में भी उनके काम को सराहा गया। पिछले कुछ सालों से वह छोटे पर्दे से दूर थे, लेकिन अब उन्होंने पुष्पा इंपॉसिबल से वापसी की है।

आप पिछले कई साल से छोटे पर्दे से दूर हैं। इतने वक्त तक टीवी इंडस्ट्री से दूर रहने के पीछे क्या वजह रही? क्या आप किसी बदलाव के बारे में सोच रहे थे?

सबसे पहली बात जो बतानी जरूरी है कि अगर किसी एक मीडियम में, किसी प्लेटफार्म में, किसी ऐक्टर को दर्शकों ने अपने दिल में थोड़ी सी भी जगह दी है और आप उस प्लेटफॉर्म को छोटा समझें तो ये तो नाशुक्री की बात होगी। मेरे साथ ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। मैं वो ऐक्टर कहलाना चाहता हूं, जो मीडियम को महत्व नहीं देता। मैं अपने दर्शकों और खुद के रिश्ते को महत्व देना चाहता हूं। लोगों को इतना भरोसा होना चाहिए कि अगर ये ऐक्टर किसी शो में आ रहा है, तो अच्छा ही होगा। रहीं 4-5 साल के बाद वापसी की तो उसकी वजह एक तो कोविड था। उस समय में संजीवनी के नाम से 2020 में आखिरी शो कर रहा था। उसके बाद मेरी दुनिया ने ही एक ब्रेक ले लिया था।

क्योंकि अपने कोविड की शुरूआत में ही ब्रेक ले लिया था, तब से अब तक दर्शक की सोच टीवी शोज और फिल्मों को लेकर काफी बदली है। वापसी के बाद आप इस बदलाव को किस तरह देख रहे हैं?

ये बदलाव का वक्त है तो अगर देखने के माध्यम बदले हैं तो लोगों का टेस्ट भी बदलता है। जैसे इंटरनेशनल कॉन्टेंट देखने से भी लोगों की पसंद पर फर्क पड़ा है। मुझे लगता है कि ये जो बदलाव एक दौर है, एक वक्त के बाद जब बदलाव पूरा होने को होगा, तो दर्शक अपनी-अपनी पसंद के हिसाब से सेटल हो जाएंगे, जिसको जो मीडियम पसंद होगा वो उसमें कॉन्टेंट देखेगा। जो दर्शक जैसा शो देखना चाहते हैं उनके लिए वैसा ही कॉन्टेंट बनाया जाएगा।

आपने अपने करियर में काफी काम किया है और आज एक बात कही जाती है कि काम के दबाव का असर लोगों के रिलेशनशिप पर भी पड़ रहा है, जिस वजह से रिश्ते बिखर रहे हैं। आपने भी रिलेशनशिप में ऐसा उतार-चढ़ाव देखा है? इस बारे में आप क्या सोचते हैं?

जी काम का दबाव रिश्ते पर जरूर पड़ता है। महिलाओं और मर्दों पर अलग-अलग पड़ता है। मर्दों से काम करने की समाज की अपेक्षा एक अलग ही दबाव है जबकि महिलाओं के लिए वो सपने को पूरा करने जैसा है। मैं तो खुद को बड़ा खुशकिस्मत मानता हूं कि मैं इतने संपन्न परिवार से था कि मैं कह सका मुझे ऐक्टर बनना है, वरना एक आम लड़के को 15-16 साल की उम्र में ही इस बात का अहसास करा दिया जाता है कि जल्दी घर की जिम्मेदारी उठाने लायक बनो। जो 1950 में देखा जाता था कि शादी के लिए एक लड़के में क्या गुण होने चाहिए, वो ही आज भी देखा जाता है। महिलाओं की स्थिति काफी बदल गई है। आज ये कोई उम्मीद नहीं करता कि आप घर आएंगी तो घर का काम ही करेंगी या बच्चे पालेंगी। वो काम करना चाहें, तो करती हैं। जब एक सोशल बदलाव आता है तो उसमें एक अडजस्टमेंट की जरूरत होती है। सच्चाई ये है कि उस अडजस्टमेंट के बारे में बच्चों को जागरुक नहीं किया जा रहा, उन्हें उसके बारे में पढ़ाया नहीं जा रहा। जो आपने माता-पिता के जीवन में देखा है, अब वैसा नहीं होगा। अब जिम्मेदारी कैसे बांटनी है, बच्चे को कैसे पालना है, ये हमें सोचना होगा। इसके लिए आज की पीढ़ी को तैयार नहीं किया गया है, इस वजह से मतभेद बढ़ रहे हैं और समाज का दबाव उस रिश्ते पर असर कर रहा है।

दिल्ली से मुंबई तक का सफर कैसा रहा?

जहां आपकी पैदाइश होती है, जहां आपने बचपन बिताया होता है, उस जगह से थोड़ा ज्यादा लगाव होता ही है। मैंने दिल्ली में सेंट कोलम्बस स्कूल से पूरी पढ़ाई की, जिसे आज के दौर में लोग शाहरुख खान के स्कूल के नाम से जानते हैं। वहां से और भी स्टार्स निकले हैं। हमारे स्कूल में इस बात पर सबसे ज्यादा जोर दिया जाता था कि लड़कियों के प्रति आपका व्यवहार कितना जेंटलमैन वाला है। आपकी पर्सनैलिटी कैसी है, इस पर भी जोर दिया जाता था। स्कूल के बाद मैंने फैशन डिजाइनिंग की पढ़ाई की। कोर्स के बाद से ही मुझे ऐक्टिंग का शोक लगा था। फिर दिल्ली से मुंबई आ गया। मेरे लिए सबसे अच्छी बात ये रही है कि मुझे कभी स्ट्रगल नहीं करना पड़ा, मुझे आते ही काम मिल गया था।

सेहत के लिए बेहद लाभदायक है नींबू पानी

नींबू पानी को अगर देशी कोल्ड्रिंक कहा जाए, तो इसमें कुछ गलत नहीं होगा। प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर यह पेय सेहत और सौंदर्य से जुड़े इतने फायदे देता है, जितने आप सोच भी नहीं सकते। जानिए नींबू पानी के कुछ ऐसे ही फायदे जो आपकी सेहत के लिए बेहद लाभदायक हैं -

नींबू विटामिन सी का बेहतर स्त्रोत है। साथ ही, इसमें विभिन्न विटामिन्स जैसे थियामिन, रिबोफ्लोविन, नियासिन, विटामिन बी- 6, फोलेट और विटामिन-ई की थोड़ी मात्रा मौजूद रहती है। यह खराब गले, कब्ज, किडनी और मसूड़ों की समस्याओं में राहत पहुंचाता है। साथ ही ब्लड प्रेशर और तनाव को कम करता है। त्वचा को स्वस्थ बनाने के साथ ही लिवर के लिए भी यह बेहतर होता है। पाचन क्रिया, वजन संतुलित करने और कई तरह के कैंसर से बचाव करने में नींबू पानी मददगार होता है। नींबू पानी में कई तरह के मिनरल्स जैसे आयरन, मैग्नीशियम, फास्फोरस, कैल्शियम, पोटैशियम और जिंक पाए जाते हैं।

किडनी स्टोन

नींबू पानी का स्वास्थ्य पर पड़ने वाला सबसे महत्वपूर्ण फायदा है, इसका किडनी स्टोन से राहत पहुंचाना। मुख्यरूप से किडनी स्टोन शरीर से बिना किसी परेशानी के निकल जाता है, लेकिन कुछ मामलों में यह यूरीन के बहाव को ब्लॉक कर देते हैं जो अत्यधिक पीड़ा का कारण बनता है। नींबू पानी पीने से शरीर को रिहाइड्रेट होने में मदद मिलती है और यह यूरीन को पतला रखने में मदद करता है। साथ ही यह किडनी स्टोन बनने के किसी भी तरह के खतरे को कम करता है।

डायबिटीज

नींबू पानी, हाई शुगर वाले जूस व ड्रिंक का बेहतर विकल्प माना जाता है। खासतौर से उनके लिए जो डायबिटीज के मरीज हैं या वजन कम करना चाहते हैं। यह शुगर को गंभीर स्तर तक पहुंचाए बिना शरीर को रिहाइड्रेट व एनर्जाइज करता है।

पाचनक्रिया में फायदेमंद

नींबू पानी में मौजूद नींबू का रस हाइड्रोक्लोरिक एसिड और पित्त सिक्रेशन के प्रोडक्शन में वृद्धि करता है, जो पाचन के लिए आवश्यक है। साथ ही यह एसिडिटी और गठिया के खतरे को भी कम करता है। जो लोग आमतौर पर पाचन-संबंधी समस्याओं जैसे एबडॉमिनल क्रैम्प्स, ब्लॉटिंग, जलन और गैस की समस्या आदि से परेशान होते हैं, उन्हें नियमित रूप से नींबू पानी का सेवन करना चाहिए।

कब्ज

अगर आपको कब्ज की समस्या है, तो नींबू पानी आपके लिए बेहद फायदेमंद है। प्रतिदिन सुबह गर्म नींबू पानी पिएं और पूरे दिन कब्ज की समस्या से दूर रहें।

इम्यून सिस्टम

नींबू पानी बायोफ्लेवोनॉयड, विटामिन सी और फाइटोन्यूट्रियंट्स का बेहतर स्रेत है जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता की शक्ति बढ़ाने में मदद करता है। इसमें मौजूद आवश्यक विटामिन्स और मिनरल्स के कारण यह शरीर के एनर्जी लेवल को बढ़ाने में मदद करता है।

खराब गला

नींबू पानी को गुनगुना करके पीने से गले की खराबी या फैरिन्जाइटिस में आराम पहुंचाता है।

वजन

हर सुबह शहद के साथ गुनगुना नींबू पानी पीने से अतिरिक्त वजन आसानी से कम किया जा सकता है।

मसूड़ों की समस्या

नींबू पानी पीने से मसूड़ों से संबंधित समस्याओं से राहत मिलती है। नींबू पानी में एक चुटकी नमक मिलाकर पीने से बेहतर परिणाम मिलते हैं।

आयुर्वेद के अनुसार तेज भूख लगने पर कभी खाली पेट न खाएं ये चीजें

कभी-कभी ऐसा होता है कि हमें बहुत तेज भूख लग जाती है और हम उस वक्त हमें जो भी उपलब्ध होता है, वो खाने लग जाते हैं लेकिन ऐसा करना आपके लिए घातक हो सकता है। आयुर्वेद के मुताबिक तेज भूख लगने पर कुछ ऐसी चीजें है, जिन्हें नहीं खाना चाहिए ।आइए, जानते हैं कौन-सी हैं वो चीजें-

अमरुद

अमरुद एक ऐसा फल है, जिसे अलग-अलग स्थितियों में खाने पर अलग-अलग परिणाम देखने को मिलते हैं यानी अगर आप सर्दियों में सुबह के वक्त खाली पेट अमरुद खाएंगे, तो आपको पेट दर्द की शिकायत हो सकती है। वहीं, गर्मी में खाली पेट अमरूद खाएंगे, तो यह फायदा देता है। ऐसे में आपको खाली पेट अमरूद नहीं खाना चाहिए।

सेब

सर्दियों में खाली पेट सेब खाने से बीपी बढ़ सकता है, अगर सुबह सबसे पहले यानी बिना कुछ खाए आप सेब खा लेते हैं, तो इस दिक्कत का सामना आपको करना पड़ सकता है लेकिन गर्मी में आप खाली पेट सेब खा सकते हैं।

टमाटर

टमाटर की तासीर गर्म होती है। इसे आप सर्दी के मौसम में तो खाली पेट खा सकते हैं लेकिन गर्मी के मौसम में ऐसा करने पर पेट में या सीने में जलन की समस्या हो सकती है। आपको सुबह के समय टमाटर खाने से परहेज करना चाहिए।

चाय-कॉफी

चाय या कॉफी को खाली पेट पीने से बचना चाहिए ।आप चाय या कॉफी को बिस्किट, ब्रेड के साथ ले सकते हैं लेकिन खाली पेट या तेज भूख लगने पर सिर्फ चाय-कॉफी न लें, इससे आपके पेट में गैस बन सकती है।

दही

बहुत से लोग ऐसे होते हैं, जिन्हें दही फायदे की जगह पर हानि पहुंचा देती है ।ऐसे में दही को सुबह के समय खाली पेट खाने से बचना चाहिए, वर्ना आपकी सेहत बिगड़ सकती है।

अमृत है आंवला 10 बेहतरीन फायदे

विटामिन-सी से भरपूर आंवला, हर मौसम में लाभदायक होता है। यह आंखों, बालों और त्वचा के लिए तो फायदेमंद है ही, साथ ही इसके और भी कई फायदे हैं, जो आपके शरीर को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करते हैं। आमतौर पर आंवले का प्रयोग अचार, मुरब्बा या चटनी के रूप में किया जाता है,लेकिन इसका अलग-अलग तरह से सेवन आपके लिए बेहद उपयोगी है। अगर आप नहीं जानते इस अनमोल फल के बारे में तो जरूर पढ़िए -

- डायबिटीज के मरीजों के लिए आंवला बहुत काम की चीज है। पीड़ित व्यक्ति अगर आंवले के रस का प्रतिदिन शहद के साथ सेवन करे तो बीमारी से राहत मिलती है।
- एसिडिटी की समस्या होने पर आंवला बेहद फायदेमंद होता है। आंवला का पाउडर, चीनी के साथ मिलाकर खाने या पानी में डालकर पीने से एसिडिटी से राहत मिलती है। इसके अलावा आंवले का जूस पीने से पेट की सारी समस्याओं से निजात मिलती है।
- पथरी की समस्या में भी आंवला कारगर उपाय साबित होता है। पथरी होने पर 40 दिन तक आंवले को सुखाकर उसका पाउडर बना लें, और उस पाउडर को प्रतिदिन मूली के रस में मिलाकर खाएं। इस प्रयोग से कुछ ही दिनों में पथरी गल जाएगी।
- रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी होने पर, प्रतिदिन आंवले के रस का सेवन करना काफी लाभप्रद होता है। यह शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण में सहायक होता है, और खून की कमी नहीं होने देता।
- आंखों के लिए आंवला अमृत समान है, यह आंखों की रौशनी को बढ़ाने में सहायक होता है। इसके लिए रोजाना एक चम्मच आंवला के पाउडर को शहद के साथ लेने से लाभ मिलता है और मोतियाबिंद की समस्या भी खत्म हो जाती है।
- बुखार से छुटकारा पाने के लिए आंवले के रस में छौंक लगाकर इसका सेवन करना चाहिए, इसके अलावा दांतों में दर्द और कैविटी होने पर आंवले के रस में थोड़ा सा कपूर मिला कर मसूड़ों पर लगाने से आराम मिलता है।
- शरीर में गर्मी बढ़ जाने पर आंवल सबसे बेहतर उपाय है। आंवले के रस का सेवन या आंवले को किसी भी रूप में खाने पर यह ठंडक प्रदान करता है। हिचकी तथा उल्टी होने की पर आंवले के रस को मिश्री के साथ दिन में दो-तीन बार सेवन करने से काफी राहत मिलेगी।
- याददाश्त बढ़ाने में आंवला काफी फायदेमंद होता है। इसके लिए सुबह के समय आंवला के मुरब्बा गाय के दूध के साथ लेने से लाभ होता है, इसके अलावा आप प्रतिदिन आंवले के रस का प्रयोग भी कर सकते हैं।
- चेहरे के दाग-धब्बे हटाकर उसे खूबसूरत बनाने के लिए भी आंवला आपके लिए उपयोगी होता है। इसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाने से त्वचा साफ, चमकदार होती है और झुर्रियां भी कम हो जाती हैं।
- बालों को काला, घना और चमकदार बनाने के लिए आंवले का प्रयोग होता है, इसके पाउडर से बाल धोने या फिर इसका सेवन करने से बालों की समस्याओं से निजात मिलती है

कैसे पहचानें कि इम्यून सिस्टम है कमजोर

इम्यून सिस्टम के मजबूत होने पर हम बीमारियों से लड़ सकते हैं। यदि हमारा इम्यून सिस्टम मजबूत है तो बीमारी हम पर हावी नहीं हो सकती। अगर हमारी इम्यूनिटी मजबूत है तो यह हमें न सिर्फ सर्दी और खांसी से बचाती है बल्कि हैपेटाइटिस, लंग इंफेक्शन, किडनी इंफेक्शन सहित और कई बीमारियों से हमारा बचाव होता है। लेकिन हमारा इम्यून सिस्टम कमजोर है तो हम इसको कैसे पहचान सकते हैं, क्योंकि कई बार यह होता है इम्यून सिस्टम कमजोर तो होता है, पर हम इसे समझ ही नहीं पाते। आखिर कैसे पहचान करें कि आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है, आइए जानते हैं।

अगर आपको लगता है कि आप बार-बार बीमार हो रहे हैं और जुकाम की शिकायत रहती है। बार-बार सर्दी हो जाना और यदि आपके आस-पास ऐसा कोई व्यक्ति है जिसे खांसी है और आपको भी इससे जल्दी खांसी या सर्दी हो जाती है तो आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है। बदलते मौसम का आपको बीमार करना आपके कमजोर इम्यून सिस्टम को दर्शाता है। यदि आप मौसम के बदलने पर बीमार हो रहे हैं तो आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है। व्यायाम करते समय सांसों का फूलना व जल्दी थक जाना यह कमजोर इम्यून सिस्टम की निशानी है। नींद न आना, आंखों के नीचे काले घेरे, थकान महसूस होना- यह भी कमजोर इम्यून सिस्टम की निशानी है। अगर आपको लगता है कि आप दूसरों की अपेक्षा बार-बार बीमार होते हैं, जुकाम की शिकायत रहती है, खांसी, गला खराब होना या स्किन रैशेज जैसी समस्याएं रहती हैं तो बहुत पॉसिबल है कि यह आपके इम्यून सिस्टम की वजह से हो। कैंडिडा टेस्ट का पॉजिटिव होना, बार-बार यूटीआई, डायरिया, मसूड़ों में सूजन, मुंह में छाले वगैरह भी खराब इम्यूनिटी के लक्षण हैं।

नाश्ते में इन पांच चीजों को खाने से तेजी से बढ़ता है वजन, ज्यादातर लोग करते हैं सेवन

फिटनेस पाने के लिए लोग क्या-क्या जतन करते हैं। कई सर्वे के अनुसार आप शरीर पर चर्बी होने के कारण कई बीमारियों का शिकार हो सकते हैं। ऐसे में आपको बैली फैट कम करने के साथ फिट रहने की कोशिश करनी चाहिए। खुद को फिट रखने में ब्रेकफॉस्ट का भी अहम रोल होता है, ऐसे में आपको अगर हमेशा स्लिम ट्रिम रहना है, तो ऐसी 5 चीजें हैं, जो आपको नाश्ते में बिल्कुल नहीं खानी चाहिए-

वाइट ब्रेड - ब्रेड ज्यादातर भारतीय घरों में खाई जाती है लेकिन आपको बता दें कि ब्रेड का ज्यादा सेवन करना न सिर्फ आपकी सेहत को नुकसान पहुंचाता है बल्कि इससे आपका वजन भी बढ़ता है। ऐसे में कोशिश करें कि वाइट की जगह ब्राउन ब्रेड का सेवन करे।

प्रोसेस्ड फूड - ऐसे खाद्य पदार्थों को कई बार पकने की क्रिया से गुजरना पड़ता है। साथ ही तेल, मसाले, घी होने की वजह से ये सेहत के लिए भी अच्छे नहीं होते। आपको चिप्स, पॉपकॉर्न, ड्राई फ्रूट्स, स्नैक्स आदि से दूर रहना चाहिए।

केक, कुकीज - केक और कुकीज में मैदे के अलावा घी और क्रीम का इस्तेमाल होता है, जो आपकी फिटनेस के हिसाब से बिल्कुल भी सही नहीं है इसलिए आपको नाश्ते में इन चीजों को नहीं खाना चाहिए।

नूडल्स - नूडल्स खाने में तो बहुत अच्छे लगते हैं लेकिन इसे हेल्दी ब्रेकफॉस्ट नहीं माना जा सकता है, इसी वजह से आपको नूडल्स नाश्ते में बिल्कुल नहीं खाने चाहिए।

फ्रूट जूस - आपको कोशिश करनी चाहिए कि मार्केट में उपलब्ध फ्रूट जूस बिल्कुल न पिएं बल्कि आप घर में ही फलों का जूस निकालकर पी सकते हैं। आपके पास अगर जूस की जगह फल खाने का समय है, तो नाश्ते के लिए सबसे बेहतरीन रहेगा।

पकौड़े-कचौड़ी - सुबह-सुबह तली चीजें खाना बिल्कुल भी सही नहीं है। आप पकौड़े और कचौड़ी जैसी तली हुई चीजें सुबह नहीं खाएंगे, तो आपकी सेहत के लिए अच्छा रहेगा।

आंखों को थकान से राहत देगा गुलाब जल, कम होगा तनाव

वर्क के दौरान लैपटाप का ज्यादा इस्तेमाल न केवल आपके पूरे स्वास्थ्य पर असर डालता है बल्कि इसका असर आपकी नाजुक आंखों पर भी पड़ता है।

वर्क के दौरान लैपटाप का ज्यादा इस्तेमाल किया जा रहा है, वहीं इसी के साथ ही मोबाइल के संपर्क में भी हम ज्यादा रह रहे हैं जिससे आंखों में जलन, धुंधला दिखना व खुजली जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए जरूरी है कि हम अपनी आंखों की देखभाल करें और जब भी आंखों पर दबाव महसूस करें तो स्क्रीन से दूर हो जाएं और बीच-बीच में आंखों को ठंडे पानी से भी धोते रहें। आंखों की जलन की परेशानी ज्यादा बढ़ जाती है। भले ही इस वक्त आप घर पर हैं लेकिन आंखों में जलन आप महसूस करते होंगे। इसलिए इन समस्याओं से निजात पाने के लिए आपको अपनी आंखों की सही देखभाल की जरूरत है, वहीं गुलाब जल का इस्तेमाल आपको आंखों की समस्या से निजात दिला सकता है। गुलाब जल के इस्तेमाल से आंखों को ठंडक मिलती है, साथ ही ताजगी महसूस होती है। ओवरटाइम काम करने के दौरान आंखों में तनाव महसूस होता है इसके लिए खुद को रिलेक्स करना बहुत जरूरी है। इसके लिए आप कॉटन में गुलाब जल डालें और इसे अपनी आंखों पर रखकर कुछ देर के लिए आंखों को आराम दें। गुलाब जल को आंखों में डालने से भी तुरंत राहत मिलती है, साथ ही फ्रेश महसूस होता है। अत: अपने आंखों का ध्यान रखें और समय-समय पर अपनी पलकों को झपकाते रहें।